जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 6 दिसम्बर, 2025

अशुद्ध के विरुद्ध
आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™
Pavitra

कॉल लगाओ गाड़ी बुलाओ

अब सुपरमार्केट चार पहियों पर आपके पास आएगा

इस महीने राशन का पूरा सामान
केडिया पवित्र से सिर्फ एक फ़ोन कॉल पर

1800 120 2727

FIXED PRICE

एक क्लिक - एक कॉल पर सीधा आपके घर

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लैटिनम शरबती चावल
- एलीट बासमती चावल
- पोहा
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- चना दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना
- काबुली चना
- हरा चना
- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम

COMING SOON: कुकिंग ऑयल । खड़े मसाले । चाय

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON WHATSAPP

ORDER ON APP

AVAILABLE AT

27000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM

WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

T&C Apply.

विचार बिन्दु

तुम ये कभी मत सोचो कि आत्मा के लिए कुछ असंभव है। ऐसा सोचना तो सबसे बड़ा अधर्म है। अगर कोई पाप है, तो वो यही है; ये कहना कि तुम निर्बल हो या अन्य लोग निर्बल हैं। –स्वामी विवेकानंद

वायु प्रदूषण : हर सांस के साथ बढ़ रहा है खतरा

देश की सर्वोच्च अदालत ने वायु प्रदूषण पर गहरी चिंता व्यक्त की है। सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के मुद्दे पर गंभीर सुनवाई चल रही है। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस समस्या पर चुप नहीं रहा जा सकता और केंद्र सरकार से इस संबंध में प्रभावी एक्शन प्लान मांगा गया है। सर्वोच्च अदालत ने साफ कर दिया कि हवा की गुणवत्ता की समस्या गंभीर है और इसे तुरंत हल करने की दिशा में ऐसे कदम उठाने चाहिए। सीजेआई सूर्यकांत ने यह भी कहा कि प्रदूषण के मामले पर नियमित सुनवाई होनी चाहिए। वायु प्रदूषण आज एक वैश्विक चुनौती बन चुका है। यह मानव के साथ–साथ पशु–पक्षी और पौधों तक के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से आहत कर रहा है। प्रदूषण हमारे पर्यावरण के लिए एक गंभीर खतरा है, जो कि जल, वायु और भूमि को प्रभावित करता है। पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। वायु, जल, भूमि, पेड़–पौधे और जीव–जंतु – सब मिलकर पर्यावरण का निर्माण करते हैं। जब इन प्राकृतिक तत्त्वों का संतुलन बिगड़ता है, तो उसे पर्यावरण प्रदूषण कहा जाता है। आज के समय में प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन चुका है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक के मुताबिक, वायु प्रदूषण दुनिया के सबसे बड़े हेल्थ रिस्क में से एक है। इसकी वजह से हर साल दुनिया में करीब 67 लाख लोग समय से पहले मौत का शिकार होते हैं। हमारे देश भारत की बात करे तो वायु प्रदूषण की समस्या अत्यधिक गंभीर हो गई है। शहरों में वायु की गुणवत्ता या एक्यूआइ बहुत खराब या गंभीर है। एक्यूआइ यानि एयर क्वालिटी इंडेक्स हवा की क्वालिटी को बताने वाला एक स्कोर है, जो यह समझने में मदद करता है कि हमारे आसपास की हवा साफ है या प्रदूषित। एक्यूआइ में हवा में मौजूद प्रदूषकों का स्तर मापा जाता है। एक्यूआइ जितना बढ़ता है हवा उतनी ही ज्यादा खतरनाक मानी जाती है। वर्तमान में देश की राजधानी दिल्ली सहित बहुत से शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों के रूप में सबसे पहले स्थान पर हैं, जहाँ पीएम 2.5 का स्तर अत्यधिक ऊंचा है, और जो प्रमुख स्वास्थ्य संबंधी मामलो में योगदान देता है। आईक्यूएयर की रिपोर्ट के मुताबिक भारत पर्यावरण प्रदूषण के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर है और विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 के मुताबिक दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरो में से 42 शहर भारत के हैं। हर साल दिल्ली में होने वाली मौतों में से करीब 11.5 प्रतिशत प्रदूषण के कारण होती हैं। भारत की लगभग पूरी आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती, जहां वायु गुणवत्ता विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वायु गुणवत्ता दिशानिर्देशों से अधिक हैं। भारत में अत्यधिक वायु प्रदूषण के कारण सांस संबंधी बीमारियां, त्वचा रोग जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ गया है और जीवन प्रत्याशा में भी कमी आई है।

प्रदूषण आज दुनियाभर में चिंता का विषय है। यह केवल भारत के लिए ही नहीं है बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है जो कई तरह के प्रदूषणों से पीड़ित है। वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, मृदा प्रदूषण और अन्य, लाखों लोगों के जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। भारत दुनिया के सबसे प्रदूषित देशों में दूसरे स्थान पर है। प्रदूषण का स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है और औसतन एक भारतीय की जीवन प्रत्याशा को 5.3 साल तक कम कर देता है। प्रदूषण का अर्थ है हमारे आस पास का परिवेश गन्दा होना और प्राकृतिक संतुलन में दोष पैदा होना। प्रदूषण कई प्रकार का होता है जिनमें वायु, जल और ध्वनि–प्रदूषण मुख्य है। पर्यावरण के नष्ट होने और औद्योगीकरण के कारण प्रदूषण की समस्या ने विकराल रूप धारण कर लिया है जिसके फलस्वरूप मानव जीवन दूभर हो गया है। महानगरों में वायु प्रदूषण अधिक फैला है। वहां चौबीसों घंटे कल–कारखानों और वाहनों का विषैला धुआं इस तरह फैल गया है कि स्वस्थ वायु में सांस लेना दूभर हो गया है। यह समस्या वहां अधिक होती हैं जहां सघन आबादी होती है और वृक्षों का अभाव होता है। कल–कारखानों का दूषित जल नदी–नालों में मिलकर भयंकर जल–प्रदूषण पैदा करता है। बाढ़ के समय तो कारखानों का दुर्गंधित जल सब नाली–नालों में घुल मिल जाता है। इससे अनेक बीमारियां पैदा होती है। इसी भांति ध्वनि–प्रदूषण ने शांत वातावरण को अशांत कर दिया है। कल–कारखानों और यातायात का कानफाडू शोर, मोटर–गाड़ियों की चिल्ल–पों, लाउड स्पीकरों की कर्णभेदक ध्वनि ने बहरेपन और तनाव को जन्म दिया है। हमने प्रगति की दौड़ में मिसाल कायम की है मगर पर्यावरण का कभी ध्यान नहीं रखा जिसके फलस्वरूप पेड़ पौधों से लेकर नदी तालाब और वायुमण्डल प्रदूषित हुआ है और मनुष्य का सांस लेना भी दुर्लभ हो गया है। इसके अलावा वृक्षों की अंधाधुंध कटाई ने भी पर्यावरण को बहुत अधिक क्षति पहुंचाई है। विश्व में हर साल एक करोड़ हैक्टेयर से अधिक वन काटा जाता है। भारत में 10 लाख हैक्टेयर वन प्रतिवर्ष काटा जा रहा है। वनों के कटने से वन्यजीव भी लुप्त होते जा रहे हैं। वनों के क्षेत्रफल के नष्ट हो जाने से रेगिस्तान के विस्तार में मदद मिल रही है। प्रकृति का संरक्षण हमारे सुनहरे भविष्य का आधार है। मनुष्य जन्म से ही प्रकृति और पर्यावरण के सम्पर्क में आ जाता है। प्राणी जीवन की रक्षा हेतु प्रकृति की रक्षा अति आवश्यक है। वर्तमान समय में विभिन्न प्रजाति के जीव जंतु, वनस्पतियां और पेड़–पौधे विलुप्त हो रहे हैं जो प्रकृति के संतुलन के लिए बहुत ही भयावह है। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समय–समय पर प्रकृति का दोहन करता चला आ रहा है। अगर प्रकृति के साथ खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हमें शुद्ध पानी, हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध पर्यावरण, वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। पर्यावरण स्वास्थ्य का तात्पर्य किसी विशेष क्षेत्र की भौतिक, रासायनिक, जैविक और सांस्कृतिक स्थिति से है। खराब वायु गुणवत्ता, पारिस्थितिक विविधता का नुकसान, रासायनिक असंतुलन आदि जैसे पहलू किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।

यह सही है कि मानव जीवन के समक्ष आज चुनौतियां ही चुनौतियां हैं। पर्यावरण की चुनौती इनमें सबसे बड़ी है। मानव के सुखमय जीवन को व्यतीत करने के लिए यह आवश्यक है कि हमारा पर्यावरण साफ-सुथरा हो। विज्ञान ने जैसे-जैसे प्रगति हासिल की है वैसे-वैसे पर्यावरण की चुनौती हमारे सामने आ खड़ी हुई है। पर्यावरण प्रदूषण एक विश्वव्यापी समस्या है। पेड़-पौधे, मानव, पशु-पक्षी सभी उसकी चपेट में है। कलकारखानों से निकलने वाला उत्सर्जन, पेड़ पौधों की कटाई, वायु प्रदूषण ने मानव जीवन के समक्ष संकट खड़ा कर दिया है।

मानव जीवन के लिये पर्यावरण का अनुकूल और संतुलित होना बहुत जरूरी है। पर्यावरण के प्रदूषित होने से हमारे स्वस्थ जीवन में कांटे पैदा हो गए है। विभिन्न असाध्य बीमारियों ने हमें असमय अंधे कुए की ओर धकेल दिया है जिसमें गिरना तो आसान है मगर निकलना भारी मुश्किल। यदि हमने अभी से पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान नहीं दिया तो आने वाला मानव जीवन अंधकारमय हो जायेगा। यह प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अपने आस–पड़ौस के पर्यावरण को साफ–सुथरा रखकर पर्यावरण को संरक्षित करे तभी हमारे सुखमय जीवन को सुरक्षित और संरक्षित रखा जा सकता है। यह सही है कि मानव जीवन के समक्ष आज चुनौतियां ही चुनौतियां हैं। पर्यावरण की चुनौती इनमें सबसे बड़ी है। मानव के सुखमय जीवन को व्यतीत करने के लिए यह आवश्यक है कि हमारा पर्यावरण साफ सुथरा हो। विज्ञान ने जैसे–जैसे प्रगति हासिल की है वैसे–वैसे पर्यावरण की चुनौती हमारे सामने आ खड़ी हुई है। पर्यावरण प्रदूषण एक विश्वव्यापी समस्या है। पेड़–पौधे, मानव, पशु–पक्षी सभी उसकी चपेट में है। कलकारखानों से निकलने वाला उत्सर्जन, पेड़ पौधों की कटाई, वायु प्रदूषण ने मानव जीवन के समक्ष संकट खड़ा कर दिया है।

–अतिथि संपादक,
बालमुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राजस्थान की दुग्ध क्रांति : बढ़ती क्षमता, सशक्त किसान और बदलता ग्रामीण परिदृश्य

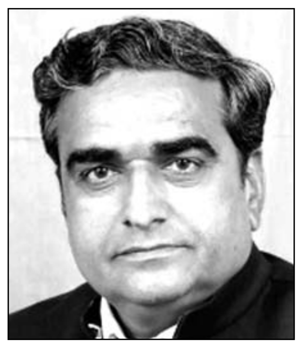

लालचंद कटारिया

राजस्थान अब भारत के दुग्ध मानचित्र पर सबसे तेजी से उभरते हुए क्षेत्रों में से एक है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में डेयरी एवं पशुपालन क्षेत्र को दी गई प्राथमिकताओं, नीतिगत सुधारों और सहकारी तंत्र में आए बदलावों ने राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है। राज्य में दुग्ध उत्पादन से लेकर प्रोसेसिंग क्षमता, पशुधन स्वास्थ्य, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और किसानों की आय बढ़ाने तक हर स्तर पर उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है।

राजस्थान आज भारत का दूसरा सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक राज्य है। दूध का बढ़ता उत्पादन न केवल कृषि–आधारित अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है, बल्कि ग्रांमीण परिवारों की समृद्धि का संकेत भी है। राज्य में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 1,171 ग्राम प्रतिदिन है, जो राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा सर्वोच्च आंकड़ा है।

दुग्ध और पशु आहार क्षेत्र का वार्षिक टर्नओवर उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। जहां यह पहले 8,000 करोड़ रुपये था, वहीं अब बढ़कर 10,000 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष हो गया है। यह वृद्धि दर्शाती है कि राजस्थान का डेयरी क्षेत्र निवेश, उत्पादन और बाजार की दृष्टि से तेजी से विस्तारित हो रहा है।

राज्य की डेयरी इंडस्ट्री ने पिछले वर्ष 46इ की रिकॉर्ड मुनाफा वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले 47 वर्षों में सबसे बड़ी वृद्धि है। राज्य की 24 दुग्ध संघों में से लंबे समय से घाटे में चल रहे 15 दुग्ध संघ अब लाभ की स्थिति में पहुँच चुके हैं। यह परिवर्तन नीतिगत सुधारों के साथ ही ग्राामीण क्षेत्रों में बढ़ते विश्वास, तकनीकी सुधार और किसानों के संगठित प्रयास का प्रतिफल भी है।

राजस्थान की दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता पिछले वर्षों की तुलना में काफी बढ़ी है। पहले राज्य की क्षमता 48 लाख लीटर प्रतिदिन थी। अब इसे बढ़ाकर 52 लाख लीटर प्रतिदिन किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष के अंत तक इसे 65 लाख लीटर प्रतिदिन करने का लक्ष्य है। इससे बढ़ते उत्पादन को सुव्यवस्थित रूप से संभालने और कोल्ड चेन को मजबूत बनाने के साथ ही किसान को समय पर उचित मूल्य भी मिल पायेगा।

डेयरी क्षेत्र में सहकारिता सबसे बड़ी शक्ति है। पिछले एक वर्ष में सहकारी तंत्र को अभूतपूर्व मजबूती मिली है। प्रदेश में 1000 नई डेयरी सहकारी समितियां गठित की गई है और 2000 नए संकलन केंद्र स्थापित किए गए हैं। सहकारी नेटवर्क से एक लाख से अधिक नए किसानों को जोड़ा गया है। इन पहलों ने न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार बढ़ाया, बल्कि छोटी मात्रा में दूध बेचने वाले पशुपालकों को भी सुरक्षित, पारदर्शी और लाभकारी प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया है।

राजस्थान पशुधन विविधता में देश का नेतृत्व करता है। देश का कुल 11.26 प्रतिशत पशुधन प्रतिशत राजस्थान में है। प्रदेश में प्रति वर्ग किलोमीटर 169 पशुओं का घनत्व बताता है कि पशुपालन यहां की आर्थिक संरचना का मजबूत आधार है। पशुपालन राज्य की सकल घरेलू आय में 8 प्रतिशत से अधिक योगदान देता है और कई ग्रामीण परिवारों की 30–50 प्रतिशत आय का मुख्य स्त्रोत है।

राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं ने दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने और पशुपालकों के जीवन को सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनमें मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना मुख्य है। सहकारी समितियों को दूध बेचने पर किसानों को 5 प्रति लीटर की प्रत्यक्ष सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इससे लाखों परिवारों की मासिक आय में स्थायी वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत पशु की मृत्यु पर वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में 42 लाख पशुओं को बीमा कवच देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पशुधन निःशुल्क आरोग्य दवा योजना के तहत पशुओं की चिकित्सा पर आने वाला खर्च लगभग समाप्त हुआ है। इससे गरीब पशुपालकों को बड़ी राहत मिली है। पशु एम्बुलेंस मोबाइल वेटरनरी यूनिट (1962 सेवा) से अब तक 48 लाख पशुओं का घर पर इलाज किया जा चुका है। पशु नस्ल सुधार योजना के अंतर्गत कृत्रिम गर्भाधान पर 75 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराने से उच्च उत्पादकता वाली नस्लें तैयार हो रही हैं।

डेयरी विकास के लिए 1000 करोड़ का कोष बनाया गया है। प्रदेश के 24 जिला दुग्ध संघों के इन्फ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक तकनीक से मजबूत करने का बड़ा कदम भी उठाया गया है।

राजस्थान सरकार ने ग्रामीण ऊर्जा मॉडल को बदलने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। ग्राामीण किसानों के घरों पर 10 हजार फ्लोटैक्सी बायो–गैस प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं। इससे रसोई गैस पर खर्च कम हो रहा है और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध हो रही है। जैविक उर्वरक का उत्पादन के साथ ही पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है। राज्य की लगभग 35प्रतिशत ऊर्जा पशुधन पर आधारित है। यह पहल ठाामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रही है।

राजस्थान ने डेयरी क्षेत्र में जिस गति से प्रगति की है, वह राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आत्मविश्वासी बदलाव का परिचायक है। बढ़ती प्रसंस्करण क्षमता, सहकारिता का विस्तार, ऊर्जा आत्मनिर्भरता, पशुधन स्वास्थ्य सेवाएँ और पारदर्शी नीतियाँ इस क्षेत्र को नई ऊँचाइयों पर ले जा रही हैं। राजस्थान आज भारत के दुग्ध उत्पादन में केवल दूसरा स्थान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर बढ़ता हुआ मजबूत दावेदार है। आने वाले वर्षों में यह प्रयास न केवल किसानों की आमदनी बढ़ाएंगे, बल्कि ग्रामीण राजस्थान के सामाजिक–आर्थिक परिदृश्य को नई ऊर्जा और नए अवसर प्रदान करेंगे।

–लालचंद कटारिया,
पूर्व कृषि मंत्री

गलवा बांध के गेट खोलकर सिंचाई के लिए नहरों में पानी छोड़ा

'पानी की एक-एक बूंद का मितव्यता से उपयोग हो ताकि अनावश्यक पानी की बर्बादी ना हों'

टोंक, (निसं)। संभागीय आयुक्त अजमेर शक्ति सिंह राठौड़, देवली–उनियारा विधायक राजेन्द्र गुर्जर एवं जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने शुक्रवार को विधिवत रुप से पूजा अर्चना कर गलवा बांध के गेट खोलकर सिंचाई के लिए नहरों में पानी छोड़ा।

गलवा बांध से वर्ष 2025–26 में उपलब्ध पानी फसलों में पिलाई में दिये जाने के लिए गलवा बांध जल वितरण कमेटी की बैठक संभागीय आयुक्त अजमेर शक्ति सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में शुक्रवार को कृषि उपज मण्डी उनियारा में आयोजित हुई। बैठक में जल वितरण कमेटी के सदस्यों एवं किसानों ने नहरों साफ–सफाई एवं अवैध रुप से किये गये अतिक्रमण को हटाने की मांग रखी। संभागीय आयुक्त ने जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियंता निरंजन मीना को नहरों की साफ–सफाई एवं हो रहे अतिक्रमण को शीघ्र हटाने के निर्देश दिए। साथ ही इस बात की सुनिश्चितता करने के लिए कहा कि नहर का पानी शीघ्र टेल तक पहुंचे। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि पानी की एक–एक बूंद का मितव्यता से ऊपयोग किया जाये ताकि अनावश्यक पानी की बर्बादी ना हों। जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियंता निरंजन मीणा ने बताया कि वर्तमान में बांध में कुल 19 फिट 10 इंच पानी उपलब्ध है जो कि 47.05 मिलियन क्यूबिक फिट (1 हजार 661.56 मिलियन क्यूबिक फिट) है जो पूर्ण भराव क्षमता का 97.29 प्रतिशत है। वर्तमान में उपलब्ध पानी के दृष्टिगत सिंचित क्षेत्र के सभी काश्तकारों को सिंचाई हेतु पर्याप्त जल उपलब्ध कराया जा सकता है।

संभागीय आयुक्त अजमेर शक्ति सिंह राठौड़, विधायक राजेन्द्र गुर्जर एवं कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने गलवा बांध के गेट खोले।

जोधपुर एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस की आठ उड़ानें रद्द, यात्री परेशान हुये

जोधपुर से मुंबई, दिल्ली, बेंगलूरु और हैदराबाद रूट की फ्लाइट्स कैंसिल होने से यात्री परेशान हुये

- **यात्रियों ने एयरलाइन के काउंटर पर हंगामा भी किया और जानकारी मांगी कि अचानक उड़ानें क्यों रद्द की**
- **यात्रियों ने कहा कि अगर फ्लाइट नहीं उड़ानी थी तो पहले ही बता देते, यात्रियों को 8 दिसंबर तक फ्लाइट संचालन नहीं होने की जानकारी दी जा रही है**
- **एयरलाइन सूत्रों ने बताया कि नई ड्यूटी टाइम नियमावली, विंटर सीजन में बढ़े एयर ट्रैफिक और कुछ एयरपोर्ट्स पर तकनीकी दिक्कतों ने स्थिति और बिगाड़ दी है**

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर एयरपोर्ट पर शुक्रवार को इंडिगो एयरलाइंस की 8 उड़ानें रद्द हो गई। इससे एयरपोर्ट पर अफरा–तफरी मच गई। जोधपुर से मुंबई, दिल्ली, बेंगलूरु और हैदराबाद रूट की फ्लाइट्स कैंसिल होने के बाद सैकड़ों यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी।

यात्रियों ने एयरलाइन के काउंटर पर हंगामा भी किया और जानकारी मांगी कि अचानक उड़ानें क्यों रद्द कर दी गईं। यात्रियों ने कहा कि अगर फ्लाइट नहीं उड़ानी थी तो पहले ही बता देते। यात्रियों को 8 दिसंबर तक फ्लाइट संचालन नहीं होने की जानकारी दी जा रही है। वहीं इंडिगो की फ्लाइट रद्द होने से दूसरी एयरलाइन कंपनियों ने किराया बढ़ा दिया है। कई यात्री सुबह से एयरपोर्ट पर फ्लाइट का इंतजार करते रहे, लेकिन घंटों बाद जब उड़ानें रद्द होने की जानकारी मिली तो लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। यात्रियों ने कहा कि उन्हें अंतिम समय पर कैंसिलेशन की सूचना दी गई। इससे उनकी आगे की योजनाएं पूरी तरह बिगड़ गई।

एक मेडिकल स्टूडेंट ने बताया कि सोमवार को पुणे में उसका एग्जाम है। इसके लिए जा रही थी। उन्हें 4 दिसंबर की फ्लाइट पहले दो बार डिले बताई गई। फिर शाम को कैंसिल कर दी गई। इसके बाद आज यानी 5 दिसंबर की फ्लाइट कन्फर्म बताई गई थी, लेकिन यहां पहुंची तो पता चला वो भी रद्द है। अब कहा जा रहा है कि 8 दिसंबर तक कोई फ्लाइट नहीं चलेगी। अगर उड़ान नहीं चलानी थी तो पहले ही बता देते। न कोई कॉल आया, न मैसेज। यहां पहुंचकर पता चला फ्लाइट रद्द है।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो चार दिनों से क्रू मेंबर की कमी का सामना कर रही है। इसके चलते कई रूटों पर फ्लाइट ऑपरेशन प्रभावित हो रहे हैं। एयरलाइन सूत्रों ने बताया कि नई ड्यूटी टाइम नियमावली, विंटर सीजन में बढ़े एयर ट्रैफिक और कुछ एयरपोर्ट्स पर तकनीकी दिक्कतों ने स्थिति और बिगाड़ दी है। इधर इंडिगो की फ्लाइट रद्द होने की वजह से दूसरी एयरलाइन कंपनियों ने अपना किराया बढ़ा दिया है, जिन्हें जल्दी अपने गंतव्य तक पहुंचना है, उन्हें अब बढ़ा हुआ किराया चुकाना पड़ रहा है।

भिवाड़ी में ग्रेप उल्लंघन पर जुर्माना लगाया

- **35 साइटों का निरीक्षण किया, 11 स्थानों पर पाए गए उल्लंघन, चालान भी काटे**
- **बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान के पालन के लिए विभिन्न विभागों ने कार्रवाई की**

अलवर, (निसं)। भिवाड़ी में बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान ग्रेप के प्रभावी पालन के लिए विभिन्न विभागों ने संयुक्त कार्रवाई की। जिला प्रशासन, नगर परिषद, बीड़ा, रीको, आरएसपीसीबी और पीडब्ल्यूडी सहित अन्य विभागों ने गुरुवार को देर शाम तक निरीक्षण किए। इन कार्रवाइयों के दौरान ग्रेप के उल्लंघन पर 69 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

निर्माण एवं ध्वस्तीकरण गतिविधियों वाली साइटों पर कुल 35 निरीक्षण किए गए, जिनमें 11 स्थानों पर उल्लंघन पाए गए। इस दौरान पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, नगर परिषद और रीको ने 11 चालान जारी कर जुर्माना वसूला।

नगर परिषद भिवाड़ी ने अवैध डंपिंग रोकने के लिए 4 निरीक्षण किए, जिसमें 2 चालान जारी कर एक हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। कचरा जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए 7 निरीक्षण किए गए, जिसके परिणामस्वरूप 4 चालान और दो हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। परिवहन विभाग ने प्रदूषण फैलाने वाले 7 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए छ हजार रुपए के चालान काटे। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 63 औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण किया। इस दौरान मानकों का पालन न करने वाले एक डीजी सेट को सील कर दिया गया।

सड़क पर धूल कम करने के प्रयासों के तहत, रीको, बीड़ा, नगर परिषद और हाउसिंग बोर्ड विभागों ने 19 टैंकर और वॉटर स्प्रिंकलर तैनात किए। इसके अतिरिक्त, 4 एमआरएसएम मशीनें भी लगाई गईं, जिनके माध्यम से कुल 66.5 किलोमीटर सड़क मार्ग की सफाई की गई।

राशिफल

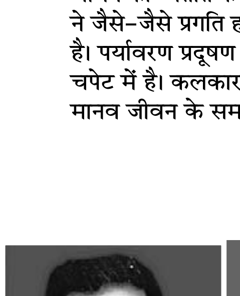

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 6 दिसम्बर, 2025

पौष मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, मृगशिरा नक्षत्र प्रातः 8:49 तक, शुभ योग रात्रि 11:46 तक, तैतिल करण दिन 11:11 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृश्चिक, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–वृश्चिक, बुध–तुला, गुरू–मिथुन, शुक्र–वृश्चिक, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज द्विपुष्कर योग सूर्योदय से प्रातः 8:49 तक है। बुध वृश्चिक में रात्रि 8:29 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:24 से 9:42 तक, चर 12:18 से 1:36 तक, लाभ–अमृत 1:36 से 4:11 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:06, सूर्यास्त 5:29 तक

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। घर–परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

तुला
अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

धनु
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मकर
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में सफलता से मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। सुख–सुविधाएं बढ़ेंगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 | वर्षः 76 | संख्याः 125 | प्रभात | जयपुर, शनिवार 6 दिसम्बर, 2025 | डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Mrs. Sheila Shekhar
A Lady To Remember

Usha and I can never forget the attention we received during our last meeting with her, she insisted that I have hot while Usha will have her favourite cold coffee and cookies

Get the bridal glow

Why Bats Don't Get Cancer?

‘आतंक के खिलाफ लड़ाई में हम भारत के साथ लड़ेंगे’

पुतिन की इस टिप्पणी से पाकिस्तान के पसीने छूटे

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की हालिया टिप्पणी, जो उन्होंने अपनी हाई - प्रोफ़ाइल भारत यात्रा के दौरान की, ने तुरंत ही एक भू-राजनीतिक तूफान को जन्म दे दिया, जिसकी एक अकेली नाटकीय लाइन से दुनिया भर की राजधानियों में तीव्र बहस शुरु हो गई। भारतीय नेताओं के साथ खड़े होकर पुतिन ने एक ऐसे सशक्त वाक्य का इस्तेमाल किया, जिसे कई टिप्पणीकारों ने इस रूप में व्याख्यायित किया कि रूस “भारत के साथ मिलकर आतंकवाद से लड़ेगा।” यह बयान लाइव प्रसारण के दौरान दिया गया और विभिन्न मीडिया आउटलेट्स पर पुनः प्रसारित हुआ। यह बयान शीघ्र ही वैश्विक चर्चाओं पर छा गया। जहाँ मॉस्को ने बाद में इस टिप्पणी को भारत के साथ लंबी अवधि से चल रही आतंकवाद- विरोधी साझेदारी के हिस्से के रूप में प्रस्तुत किया, वहीं, उक्त वाक्यांश इतना प्रभावशाली था कि इसने

- **पाकिस्तानी विश्लेषकों ने कहा कि आतंक के खिलाफ जंग में रूस और भारत के साथ आने से क्षेत्रीय संतुलन बिगड़ सकता है, क्योंकि पाकिस्तान पहले से ही आर्थिक विपन्नता, राजनैतिक उठापटक और पश्चिम के साथ तनावपूर्ण संबंधों से त्रस्त है और वह भारत और रूस की ताकत का मुकाबला नहीं कर सकता।**
- **भारतीय विश्लेषकों ने पुतिन के बयान को कूटनीतिक जीत बताया और कहा कि भले ही यह बात अनायास ही कही गई हो, पर, चूंकि पुतिन अपने ताकत दिखाने वाले बयानों के लिए जाने जाते हैं, इसलिए यह बयान काफी महत्वपूर्ण है और इससे दुनिया भर में दोनों देशों के मजबूत संबंधों का मैसेज जाता है।**

कयासों और रणनीतिक हिसाब-किताब की झड़ी का माहौल बना दिया।

इसकी प्रतिक्रिया इतनी तीव्र कहीं नहीं थी, जितनी पाकिस्तान में। इस्लामाबाद की राजनीतिक और मीडिया की टीका-टिप्पणी हद से ज्यादा रही। उन्होंने इस टिप्पणी को क्षेत्रीय सम्बंधों में एक ऐसे बदलाव के रूप में प्रस्तुत किया, जिससे पाकिस्तान की रणनीतिक चिंताएं और गहरी हो सकती हैं। पाकिस्तानी विश्लेषकों ने चेतावनी दी कि अगर रूस वाकई भारत के साथ आतंकवाद विरोधी सहयोग को मजबूत करने का संकेत दे रहा है, तो यह ऐसे समय में “क्षेत्रीय संतुलन को गड़बड़ा सकता है,” जब पाकिस्तान पहले ही आर्थिक नाजुकता, राजनीतिक बदलाव और पश्चिमी शक्तियों के साथ तनावपूर्ण रिश्तों से जूझ रहा है। प्राइम-टाइम शो और सोशल मीडिया अकाउंट्स ने इस चिंता को और बढ़ाया, और ऐसे परिदृश्यों को सामने रखा, जिनमें मॉस्को का नई दिल्ली की ओर झुकाव दक्षिण एशियाई सुरक्षा प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है, विशेष रूप से भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच।

इसी बीच, भारतीय विश्लेषकों ने पुतिन की इस टिप्पणी को कूटनीतिक जीत के रूप में देखा, भले ही यह टिप्पणी गैर-इरादतन की गई हो। नई दिल्ली के रणनीतिक हलकों में इसे भारत के साथ रूस के दशकों पुराने सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने के रूप में देखा गया। कुछ विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि पुतिन, जो अनौपचारिक और मजबूत बयानों के लिए प्रसिद्ध हैं, ने शायद इस व्यापक संदेश को रेखांकित करने का प्रयास किया: रूस भारत को क्षेत्र में स्थिरता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडिगो की एक हज़ार से ज्यादा उड़ानें रद्द

नयी दिल्ली, 05 दिसंबर। चालक दल की कमी और परिचालन संबंधी समस्या से जूझ रही इंडिगो की शुक्रवार को देश भर में “1,000 से अधिक” उड़ानें रद्द रहीं, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने मामले की जांच के लिए एक संयुक्त महानिदेशक की अध्यक्षता

- **इंडिगो चालक दल की कमी और परिचालन सम्बंधी समस्याओं से जूझ रही है। नागर विमानन महानिदेशालय ने स्थिति की जांच के लिए समिति गठित की है।**

में चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। इसके अलावा इंडिगो के ऑपरेशनल नियंत्रण केन्द्रों में डीजीसीए की टीमों की तैनाती की जायेगी, जो उड़ानों में देरी/उड़ानें रद्द होने और प्रभावित यात्रियों के लिए की गयी व्यवस्था की निगरानी करेंगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुतिन को दिए राष्ट्रपति के भोज में राहुल और खड़गे को निमंत्रण नहीं

राहुल लोकसभा में तथा खड़गे राज्यसभा में विपक्ष के नेता हैं, उन्हें निमंत्रित नहीं करने से भारी आश्चर्य है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के लिए राष्ट्रपति भवन में आयोजित रात्रिभोज में लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं को निमंत्रण नहीं दिया और इस बात ने पूरे देश को चौंका दिया है।

यह रात्रिभोज राष्ट्रपति द्वारा आयोजित किया जा रहा है, लेकिन निमंत्रण सूची और अन्य विवरण प्रधानमंत्री और उनके कार्यालय द्वारा तैयार किए जाते हैं, और एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि यह कदम निंदनीय है तथा छोटी सोच और असुरक्षा की भावना की उच्चतम सीमा को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सांसद शशि थरूर, जो संसद में विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष हैं, को निमंत्रण मिला है। कल ही राहुल गांधी ने यह बात

- **गौरतलब है कि राष्ट्रपति के रात्रिभोज का कार्यक्रम, मेहमानों की लिस्ट पीएमओ बनाता है। एक वरिष्ठ नेता ने कहा, यह छोटी सोच और असुरक्षा की भावना की हद है और निंदनीय कृत्य है।**
- **हैरानी की बात है कि कांग्रेस के सांसद शशि थरूर को डिनर का निमंत्रण भेजा गया है।**
- **एक दिन पहले ही राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि केन्द्र सरकार किसी भी विदेशी प्रतिनिधि से बतौर नेता प्रतिपक्ष उन्हें मिलने देना नहीं चाहती है।**

उठाई थी कि मोदी सरकार नहीं चाहती कि किसी भी विदेशी प्रतिनिधि से वे विपक्ष के नेता के रूप में मिलें।

परंपरा और प्रचलन से यह विचलन विपक्षी दलों, विशेष रूप से कांग्रेस पार्टी, को बहुत खला है।

कांग्रेस और सत्तारूढ़ भाजपा के बीच संबंध तेजी से नीचे की ओर जा रहे थे, लेकिन हाल ही में जिस तरह से मोदी - राहुल गांधी को निशाना बनाते रहे हैं, वह भविष्य में व्यक्तिगत राजनीतिक रिश्तों के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

दूसरे वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि इस घटनाक्रम से कड़वाहट और बढ़ेगी, और आज का घटनाक्रम मामलों को और खराब कर सकता है।

‘अमेरिका अपने न्यूक्लियर प्लांट्स के लिए खुद हम से फ्यूल खरीदता है’

पुतिन ने कहा, अगर अमेरिका को हम से फ्यूल खरीदने का अधिकार है तो भारत को भी है

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 दिसंबर। रूसी राष्ट्रपति व्यादिमिर पुतिन ने मॉस्को के साथ भारत की बढ़ती ऊर्जा साझेदारी का बचाव किया, यह तर्क देते हुए कि “कुछ तत्व” नई दिल्ली के बढ़ते प्रभाव को नापसंद करते हैं और राजनीतिक कारणों से कृत्रिम बाधाएं उत्पन्न कर रहे हैं, साथ ही यह दावा किया कि वॉशिंगटन के दोहरे मानकों के तहत, अमेरिका, रूस से परमाणु सामग्री खरीदता है।

अपने दो-दिन के दौरे से पहले इंडिया टुडे के साथ एक साक्षात्कार में पुतिन ने कहा कि पश्चिमी प्रतिबंधों और रूसी तेल के भारतीय आयातों पर अमेरिकी जुर्माना शुल्क से भारत-रूस ऊर्जा सहयोग विघटित या भंग नहीं हुआ है, तथा वह “अप्रभावित” बना हुआ है।

अमेरिका के दोहरे मानदंड का जिक्र करते हुए पुतिन ने कहा कि

- **पुतिन ने ऐसा कहकर अमेरिका के दोहरे मानदंडों को उजागर किया, क्योंकि अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल नहीं खरीदने का दबाव डाला था।**
- **पुतिन ने कहा, अब भारत एक बड़ी ग्लोबल पावर है और मोदी किसी के भी दबाव में नहीं आते हैं और ना तो मैंने, ना ही मोदी ने अपने सहयोग का इस्तेमाल किसी तीसरे देश के खिलाफ किया है।**

अमेरिका, रूस से परमाणु सामग्री खरीदना जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा, “जहाँ तक भारत के रूस से ऊर्जा संसाधनों की खरीदारी का सवाल है, स्वयं अमेरिका अभी भी हमसे अपने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए परमाणु ईंधन खरीदता है।” उन्होंने कहा, “अगर अमेरिका को हमारा ईंधन खरीदने का अधिकार है, तो भारत को वही अधिकार क्यों नहीं मिलना चाहिए?”

पुतिन ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत-रूस संबंधों का उद्देश्य किसी तीसरे देश को निशाना बनाना या उसके खिलाफ काम करना नहीं है। उन्होंने कहा, “न तो मैंने और न ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कभी हमारी सहयोग योजना को किसी के खिलाफ काम करने के रूप में देखा है।”

उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत अब “एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी” बन चुका है और मोदी “ऐसे व्यक्ति नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुतिन राजघाट गए, महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 05 दिसंबर। भारत यात्रा पर आए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने शुक्रवार को राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। पुतिन ने बापू की समाधि पर सिर झुकाया और परिक्रमा की। उन्होंने एक पुष्प चक्र चढ़ ाया और बापू के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की।

उन्होंने राजघाट पर रखी स्मारिका में रूसी भाषा में लिखा, ”महात्मा गांधी ने अहिंसा और सच्चाई के ज़रिए हमारी धरती पर शांति के लिए एक अनमोल योगदान दिया, जिसका प्रभाव आज भी कायम है। महात्मा गांधी ने एक नयी, ज़्यादा निष्पक्ष, बहुध्रुवीय दुनिया की व्यवस्था का रास्ता दिखाया। समानता, आपसी सम्मान और सहयोग पर अपनी शिक्षाओं में, आज भारत, दुनिया के लोगों के साथ मिलकर, अंतरराष्ट्रीय मंच पर इन्हीं सिद्धांतों और मूल्यों की रक्षा करता है।” उन्होंने यह भी लिखा, ”रूस भी ऐसा ही करता है।”

गौरतलब है कि पुतिन भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आए हुए हैं। इससे पहले उनका राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें सलामी गारद दी गयी।

केन्द्रीय मंत्री अर्जुनलाल मेघवाल पंजाब से उल्टे पांव लौटे

पंजाब में एक बार फिर अपने फैसले से पलटी केन्द्र सरकार, पहले भी जन विरोध के कारण कई फैसले पलटने पड़े हैं

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर। “आप” -शासित पंजाब में केन्द्र सरकार द्वारा हाल ही में लगातार यू-टर्न्स लिये जाने के बाद, केन्द्र सरकार को गुरुवार को एक और शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा, जब क़ानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, जो बीकानेर से सांसद भी हैं, को अमृतसर एयरपोर्ट से ही लौटना पड़ा। वे फ़िरोज़पुर ज़िले के हुसैनीवाला में होने वाले गंग नहर के शताब्दी कार्यक्रम में नहीं गए। रिपोर्टों के अनुसार, मेघवाल एयरपोर्ट से बाहर भी नहीं निकले, और लगभग दो घंटे के भीतर ही दिल्ली लौटने वाली उड़ान से वापस चले गए। हालांकि, मंत्री शुक्रवार को राजस्थान के श्री गंगानगर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में गंग नहर के शताब्दी कार्यक्रम में शामिल हुये।

पंजाब और राजस्थान के बीच पानी के बंटवारे का मुद्दा हमेशा से विवादित रहा है, और पंजाब के किसान अक्सर इसे राज्य के साथ अन्याय मानते हुए, इसका विरोध करते रहे हैं। कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा, “गंग नहर कभी भी पंजाब के लिए कोई तोहफ़ा नहीं रही, बल्कि यह राज्य के साथ हुए ऐतिहासिक अन्याय को प्रदर्शित करती है। जिस नहर ने पंजाब का पानी छीना, उसी का जश्न मनाना हमारी मान-मर्यादा का अपमान है।” इसी तरह, आप नेता नील गर्ग ने भी कहा कि “तत्कालीन ब्रिटिश हुकूमत ने बीकानेर को खुश करने के लिए पंजाब का पानी छीन लिया था। इस कार्यक्रम का सम्मान नहीं, निन्दा की जानी चाहिए।”

- **केन्द्रीय कानून व न्याय मंत्री मेघवाल गंग नहर के शताब्दी कार्यक्रम में भाग लेने पंजाब गए थे, पर भारी जन विरोध के कारण, केन्द्र सरकार ने उन्हें वापस बुला लिया। मेघवाल एयरपोर्ट से बाहर भी नहीं निकले और लौट गए।**
- **हालांकि, उन्होंने श्रीगंगानगर में हुए गंग नहर शताब्दी कार्यक्रम में भाग लिया, उस कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल भी थे।**
- **पंजाब में गंग नहर का हमेशा से विरोध होता रहा है। यहाँ के लोगों का मत है कि अंग्रेजों ने बीकानेर को खुश करने के लिए गंग नहर बनाई थी, जो पंजाब के हक का पानी बीकानेर को देती है।**

सूत्रों ने बताया कि मेघवाल के अमृतसर पहुँचने के तुरंत बाद, केन्द्र ने उन्हें वापस लौटने की सलाह दी, क्योंकि पंजाब में इस सम्बंध में राजनीतिक प्रतिक्रिया तेज़ी से बढ़ रही थी। राज्य भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा कि गंग नहर, पानी के बंटवारे के कारण, पंजाब में बेहद संवेदनशील और विवादास्पद मुद्दे के रुप में है। उन्होंने कहा, “मैं आभारी हूँ कि केन्द्र ने समय रहते पंजाब की संवेदनशीलता को समझ लिया।”

मेघवाल का यह प्रकरण केन्द्र सरकार के कई हालिया यू-टर्न्स के बाद सामने आया है। अक्टूबर में, केन्द्र ने पंजाब विश्वविद्यालय की सीनेट और सिंडिकेट के पुनर्गठन का नोटिफिकेशन जारी किया था, लेकिन उस पर हुई तीखी प्रतिक्रिया के बाद, उसे वापस लेना पड़ा। केन्द्र ने संविधान में संशोधन कर चंडीगढ़ को अनुच्छेद 240 में शामिल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिज़र्व बैंक ने रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की कमी की

मुंबई, 05 दिसंबर। रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बाजार की उम्मीद के मुताबिक रेपो दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती की है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक के बाद शुक्रवार को नीतिगत दरों

- **आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा इससे घर व वाहन खरीद के लिए लोन लेने वालों को लाभ होगा।**

की घोषणा करते हुए कहा कि समिति ने सर्वसम्मति से रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर इसे 5.25 प्रतिशत करने का फैसला किया है जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। उन्होंने बताया कि मुद्रास्फीति (इन्फ्लेशन) निम्नतम स्तर पर बनी हुई है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर ऊंची बनी हुई है। इससे केंद्रीय बैंक के पास नीतिगत ब्याज दरों में कटौती का मौका है।

पुतिन ने भारत के साथ ट्रेड 100 बिलियन डॉलर वार्षिक पहुँचाने का लक्ष्य तय किया

अभी दोनों देशों में प्रति वर्ष 65 बिलियन डॉलर का बिज़नैस होता है

- अंजन रॉय -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 दिसंबर। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने भारत के साथ 100 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य को हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। फिलहाल दोनों देशों के बीच व्यापार लगभग 65 अरब डॉलर सालाना है, जो उसकी वास्तविक क्षमता से काफी कम है।

रूसी राष्ट्रपति इन दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर भारत यात्रा पर हैं। आज एक व्यावसायिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए पुतिन ने उन व्यापक क्षेत्रों का ज़िक्र किया, जिनमें भारत और रूस मिलकर काम करने की योजना बना रहे हैं।

पुतिन की यह राजकीय यात्रा पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका, के लिए सीधी चुनौती मानी जा रही है, क्योंकि पश्चिम, भारत पर रूसी कच्चा तेल खरीदने को लेकर लगातार दबाव डालता रहा है। डॉनल्ड ट्रंप ने तो इस मुद्दे पर भारत को लगभग अलग-थलग कर दिया और आर्थिक दंड भी लगाए।

भारत यह सब किसी हद तक स्वीकार कर लेता, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ने, आतंकवादियों द्वारा पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान को खुले तौर पर तवज्जो दी। हमले के तुरंत बाद उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर को वाइट हाउस में लंच के लिए बुलाया था।

अतः कोई आश्चर्य नहीं कि द्विपक्षीय सहयोग के कई अन्य क्षेत्रों में भारत ने खासतौर पर आतंकियों से निपटने में रूस द्वारा पूरे दिल से दिए गए समर्थन का खास जिक्र किया।

जहाँ वर्तमान यात्रा के दौरान घोषित कई आर्थिक सहयोग कार्यक्रम दोनों देशों के हित में हैं, वहीं इन महत्वाकांक्षी योजनाओं को खुले तौर पर सामने रखने को भारत की पश्चिमी देशों के प्रति स्पष्ट चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

- **भारतीय उद्योगपतियों व व्यवसायियों के साथ एक महत्वपूर्ण मुलाकात में पुतिन ने यह बात कही।**
- **पुतिन ने उन हाई प्रोफाइल प्रोजैक्ट्स की जानकारी दी, जिन्हें भारत व रूस द्वारा मिलकर शुरु किया जाएगा।**
- **इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि पुतिन द्वारा की गई ये घोषणाएं पश्चिमी देशों व अमेरिका को परेशान कर रही हैं। खासकर इसलिए कि अमेरिका व पश्चिम जी तोड़ कोशिश कर रहे हैं, रूस को अलग-थलग करने की, पर, उन्हें कामयाबी नहीं मिल रही है।**
- **भारत व रूस हमेशा से अच्छे मित्र रहे हैं। पर, हाल ही में ये संबंध और मजबूत हुए हैं और इसका कारण है, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप, जिनकी धौंस-धपड़ वाली टैरिफ नीति ने भारत को रूस के और निकट कर दिया।**

जब पश्चिमी देश रूस के खिलाफ अपने अभियान और आरोपों को तेज़ कर रहे हैं, भारत पुतिन को गले लगा रहा है, जिन्हें पश्चिम अक्सर एक ऐसे खूनी निरंकुश शासक बताता है, जो बलपूर्वक एक संप्रभु देश पर कब्ज़ा करना चाहता है।

दुनिया भर के कूटनीतिक गलियारों में लगातार यह सवाल उठ रहा है कि भारत, पुतिन और रूस की कितनी तारीफ कर सकता है, जबकि साथ ही वह पश्चिमी देशों के साथ करीबी सहयोग के विचारों को भी बढ़ावा दे रहा है।

कई यूरोपीय नेताओं ने ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा उत्पादन, रक्षा निर्माण और महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय परिवहन गलियारों में रूस के साथ भारत की बढ़ती निकटता को लेकर अपनी बेचैनी ज़ाहिर की है।

पुतिन ने भारत और रूस के बीच शुरू कई हाई-प्रोफाइल संयुक्त परियोजनाओं की लंबी सूची जारी की है। यह सूची न सिर्फ दोनों देशों के हितों की पूर्ति के लिए है, बल्कि बाकी दुनिया को यह दिखाने के लिए भी है कि वैश्विक मंच पर वैकल्पिक कूटनीतिक व्यवस्थाएँ भी मौजूद हैं।

पुतिन द्वारा तय किया गया व्यापार लक्ष्य तभी संभव है, जब मौजूदा व्यापार कई गुना बढ़े। पिछले साल भारत-रूस व्यापार में सिर्फ 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। पुतिन ने बताया कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए नए प्रस्तावों का एक पैकेज तैयार किया जा रहा है।

तेज़ी से व्यापार बढ़ाने का एक तरीका यह होगा कि आर्थिक सहयोग के दायरे को और व्यापक किया जाए। नए क्षेत्रों में साझेदारी खोजकर उन्हें लागू किया जाए, ताकि व्यापार में तेज़ बढ़ोतरी हो। दोनों देशों को अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार निपटाने की सुविधा भी सुनिश्चित करनी चाहिए।

इसके अलावा, भारत और रूस ने दोनों देशों में जॉइंट मैनुफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए मिलकर काम करने का वादा किया है। भारतीय और रूसी दवा कंपनियों के सहयोग से रूस में एक बड़ी फार्मास्युटिकल कंपनी बन रही है।

अनिल अंबानी की 1120 करोड़ की संपत्ति ईडी ने जब्त की

नयी दिल्ली, 05 दिसंबर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रसिद्ध उद्योगपति अनिल अंबानी की रिलायंस समूह की

- **ईडी ने यह कार्यवाही रिलायंस होम फाइनैंस लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनैंस लिमिटेड और यस बैंक फ्रॉड केस के सिलसिले में की है।**

18 संपत्तियों, फिक्स्ड डिपॉजिट, बैंक में जमा राशि और असूचीबद्ध निवेश में उनकी शेयरधारिता को जब्त किया है, जिनकी कीमत 1,120 करोड़ रुपये है।

ईडी ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और यस बैंक फ्रॉड केस के सिलसिले में की गयी है। ईडी अधिकारी ने बताया कि कुर्क की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

आशुतोष शर्मा का पटवारी पद पर चयन

पावटा। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने आखिरकार 17 अगस्त 2025 को आयोजित पटवारी भर्ती परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। पटवारी परीक्षा में भागीदारी करते हुए निवासी पावटा कस्बा स्थित नई सब्जी मंडी के पास आशुतोष शर्मा पुत्र मदन कुमार शर्मा ने 101 रैंक हासिल की। जिसके बाद उनका चयन पटवारी पद के लिए हुआ। उनकी इस सफलता का श्रेय उन्होंने अपने परिवार को देते हुए कहा कि उसने परिवार व मेहनत के दम पर यह परीक्षा सफलता पूर्वक पास की और उनका चयन हुआ है। इस दौरान उनके रिश्तेदारों व मित्रो ने उनके घर पहुंचकर फूल व मिठाई भेंटकर सम्मानित किया। लखन पारीक ने बताया कि वर्तमान में आशुतोष शर्मा कॉर्पोरेट सेक्टर में इंजीनियर के रूप में कार्यरत है। वही वर्तमान में आरएएस 2024 के भी साक्षात्कार के लिए तैयारी कर रहे हैं। इससे पहले भी आरएएस 2021 में साक्षात्कार दे चुके हैं।

वस्त्र पाकर छात्रों के चेहरे खिले

चाकसू। श्री विनायक सेवा संस्थान द्वारा जरूरतमंद बच्चों को गर्म स्वेटर का वितरण। टोंक रोड अजीतपुरा बासड़ा स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में श्री विनायक सेवा संस्थान के द्वारा जरूरतमंद बच्चों को गर्म स्वेटर का वितरण किया गया। संस्था निदेशक आर.के.मीणा ने बताया कि संस्था विगत कई सालों से ऐसे सेवा भावी जनहित के कार्य करती आ रही है। इस बार भामाशाहों के सहयोग से 1000 स्वेटर वितरण का लक्ष्य रखा गया है इस मौके पर कार्यवाहक शाला प्रधान मंजू मीणा, स्कूल स्टाफ व ओमप्रकाश मीणा सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

दो आरोपी गिरफ्तार

टोंक। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा मोटाराम बेनिवाल के निर्देशन में वृत्ताधिकारी देवली हेमराज एवं नासीरदा थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित थाना टीम द्वारा अवैध शराब के विरुध कार्यवाही करते हुये नयागांव तितरिया रोड पर से आरोपी अम्बालाल पुत्र मुकना बैरवा उम्र 40 साल निवासी तितरिया थाना नासिरदा को अवैध देशी शराब के 56 पव्वे परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया गया है। इसी प्रकार थाना घाड़ पुलिस टीम ने अवैध देशी शराब के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये घाड़ कस्बा से आरोपी मुकेश वर्मा पुत्र रामस्वरूप वर्मा उम्र 30 साल निवासी वार्ड नम्बर 04 धुवांकलां थाना घाड़ को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध देशी शराब के 48 पव्वे जप्त किया गया है। पुलिस ने आरोपियो के खिलाफ एक्साईज प्रकरण में मामला दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

उपस्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण

नदबई भरतपुर। विधायक जगत सिंह ने विधिवत पूजा अर्चना करते हुए क्षेत्र के गांव रायसीस, दयावली व झारकई में नवीन उपस्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण किया। समारोह दौरान विधायक ने कहा कि ग्राम पंचायत मुख्यालय पर करीब 55-55 लाख रुपए की लागत से उपस्वास्थ्य केन्द्र भवन का निर्माण होने से ग्रामीण क्षेत्र में प्रसूता व मरीजों को उपचार में सहूलियत रहेगी।

संभागीय आयुक्त ने विद्यार्थियों के साथ बैठकर भोजन किया

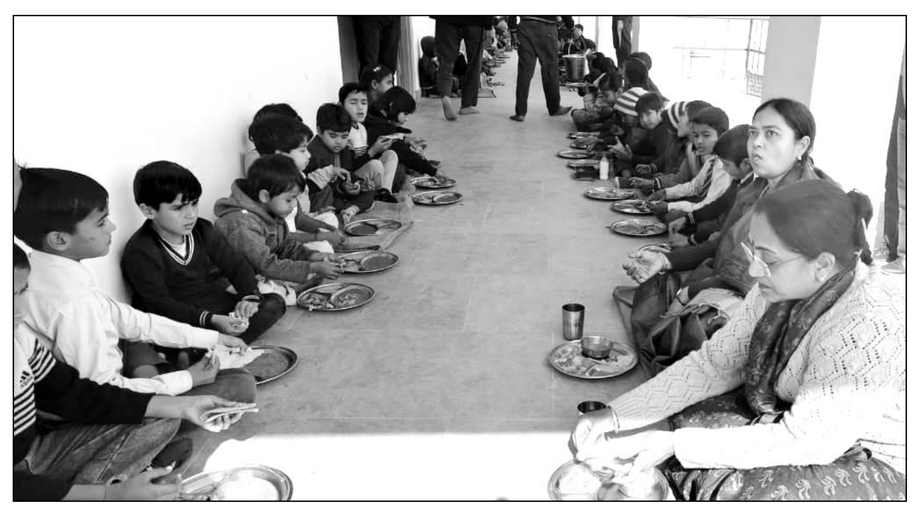
संभागीय आयुक्त पूनम शुक्रवार को उपखंड विराटनगर के दौरे पर रही।

- संवेदनशीलता के साथ आमजन के परीवादों का निस्तारण करें

कोटपूतली। संभागीय आयुक्त पूनम शुक्रवार को उपखंड विराटनगर के दौरे पर रही। संभागीय आयुक्त ने महात्मा गांधी विद्यालय खातोलाई एवं आंगनबाडी केंद्र चतरपुरा का निरीक्षण कर पौषाहार और मिड-डे-मील तथा शैक्षणिक गुणवत्ता को परखा तथा विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के साथ नियमित पौष्टिक मील उपलब्ध कराने को कहा। मौके पर आयुक्त, जिला कलेक्टर एवं एसडीएम ने पौषाहार और मिड डे मील में तैयार भोजन को स्वयं विद्यार्थियों के साथ बैठकर चखा एवं मिड-डे-मील बनाते समय रसोई में साफ सफाई एवं विद्यार्थियों को वितरण के समय की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया।उपखंड के विकास कार्यों पर चर्चा की,विद्यालय में मिड-डे-मील चखा, नर्सरी में पौध तैयारी का जायजा लिया, अस्पताल में चिकित्सा सुविधाएं देखी

इस दौरान उन्होंने उपखंड में किए जा रहे विकास कार्यों एवं कार्यालय द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं पर चर्चा कर महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय खातोलाई,आंगनबाड़ी केंद्र चतरपुरा एवं वन विभाग की नर्सरी एवं विकसित चारागाह कार्य आंतेला, उप जिला अस्पताल विराटनगर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी और एसडीएम कपिल कुमार मौजूद रहे। संभागीय आयुक्त ने उपखण्ड निरीक्षण के दौरान एसडीएम विराटनगर कपिल कुमार से कार्यालय की विभिन्न व्यवस्थाओं एवं अनुभागों सहित संधारित दस्तावेजों और रजिस्टरों की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण हो। उन्होंने लंबित राजस्व संबंधी कार्य, कोर्ट के प्रकरण, कनवर्जन, भूमि आवंटन एवं अन्य विभागीय कार्य समय पर पूर्ण करते हुए पोर्टल पर अपडेट करने, कार्यालय पत्राचार पूर्ण रूप से ई-फाईलिंग के माध्यम से करने, सीएमओ, संपर्क पोर्टल, जनसुनवाई में प्राप्त परिवेदनाओं का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करने एवं कार्यालय में आग्नतुकों व आमजन से संवेदनापूर्ण व्यवहार करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जल ग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग द्वारा विकसित चारागाह विकास कार्य, आंतेला का निरीक्षण कर विभागीय अधिकारियों को पौधों का वाटरशेड प्रकृति पर विकसित करने हेतु निर्देश प्रदान किये एवं प्रशासक ग्राम पंचायत को फलदार पौधों को राजीविका के माध्यम से आय स्त्रोत बनाने हेतु निर्देश प्रदान किये। संभागीय आयुक्त ने महात्मा गांधी विद्यालय खातोलाई एवं आंगनबाडी केंद्र चतरपुरा का निरीक्षण कर पौषाहार और मिड-डे-मील तथा शैक्षणिक गुणवत्ता को परखा तथा विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के साथ नियमित पौष्टिक मील उपलब्ध कराने को कहा। मौके पर आयुक्त, जिला कलेक्टर एवं एसडीएम ने पौषाहार और मिड डे मील में तैयार भोजन को स्वयं विद्यार्थियों के साथ बैठकर चखा एवं मिड-डे-मील बनाते समय रसोई में साफ सफाई एवं विद्यार्थियों को वितरण के समय की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मिड-डे-मील बनाते समय साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखा जाये।

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण का आरोप

- भूमि राजस्व रिकॉर्ड में मौक़े पर नाले की जमीन दर्ज है
- सरकारी भूमि पर गलत रिपोर्ट दिखाकर अतिक्रमण करवाए जाने का गंभीर आरोप

फुलेरा। फुलेरा नगरपालिका क्षेत्र के बालाजी रोड के समांतर सरकारी भूमि पर गलत रिपोर्ट दिखाकर अतिक्रमण करवाए जाने का गंभीर आरोप सामने आया है। स्थानीय बालाजी रोड स्थित शिवाजी नगर निवासी सीतादेवी कुमावत ने जिला कलेक्टर, जयपुर, एसडीएम व तहसीलदार सांभरलेक व फुलेरा पालिका ईओ को प्रेषित प्रार्थना-पत्र में बताया कि भूमि राजस्व रिकॉर्ड में मौक़े पर नाले की जमीन दर्ज है, जिसके समीप वर्षों से सार्वजनिक रास्ता भी चलता आ रहा है। आरोप है कि हाल ही में राजस्व अधिकारियों द्वारा बिना मौके की सही नाप-तौल किए गलत तरमीम तैयार कर दी गई, जिससे रोड के दोनों ओर की सरकारी भूमि निजी खातेदारों के हिस्से में दर्ज हो गई। इससे न सिर्फ सार्वजनिक मार्ग बाधित हुआ बल्कि बालाजी रोड की चौडाई भी कम दर्शा दी गई है।

कार्यालय उप तहसीलदार उप तहसील बगरू तहसील सांगानेर
क्रमांक भू.अ/2025/1839 **आम सूचना** दिनांक 02.12.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम झुण्ड पटवार हल्का रामपुराऊंटी तहसील सांगानेर के वर्तमान खसरा नम्बर 791/1, 792, 793, 795, 796/1797/1, 839/797 किता 7 कुल रकबा 1.48 है. में हिस्सा 1/2 एवं खसरा नम्बर 794 रकबा 0.05 है. में हिस्सा 3/10 गायत्री देवी पत्नि ग्यारसीलाल गुप्ता जाति महाजन सा. ग्राम सिंघाण जिला झुंझुनू खातेदार के नाम दर्ज रेकार्ड है। उक्त खसरा नम्बरान के संबंध में वसीयत के आधार पर नामान्तरकरण खोलने बाबत प्रार्थी राजकुमार गुप्ता पुत्र ग्यारसीलाल गुप्ता जाति महाजन निवासी 55 टैगोर नगर अजमेर रोड़, हनुमान वाटिका जयपुर द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन है, उक्त खसरा नम्बरान तपि वसीयत के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो कार्यालय की विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि में आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर आवेदक के पक्ष में नामान्तरकरण की कार्यवाही नियमानुसार कर दी जावेगी।
एस. डी.
(स्नहेदीप सांदू)
उप तहसील बगरू

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती अलका जैन पत्नी श्री अशोक कुमार जैन, जाति जैन, निवासी छत्र छाया अपार्टमेन्ट, प्लाट नम्बर बी-148, फ्लेट नम्बर 102, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर - 302015 (राज.) जो कि श्रीमती सुमन माथुर पत्नी श्री नरेन्द्र चंद्र माथुर, जाति कायस्थ, निवासी फ्लेट नम्बर जी-8, दयाल आश्रम राधास्वामी सत्संग कॉलोनी, इंडसंड बैंक के सामने, महिन्द्रा सेज रोड़, महापुरा, जयपुर-302026 (राज.) से उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की अचल सम्पत्ति आवासीय यूनिट/फ्लेट नम्बर 101, फर्स्ट फ्लोर, छत्रछाया अपार्टमेन्टस, प्लाट नम्बर बी-148, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर (राज.) में स्थित है को खरीद कर रही है उक्त अचल सम्पत्ति के मूल दस्तावेजो मे से श्री चत्र धर शर्मा तथा मैसर्स सेन्ड ड्यून कन्स्ट्रक्शन प्रा. लि. जरिए अधिकृत निदेशक श्री अनूज माथुर द्वारा श्रीमती सुमन माथुर पत्नी श्री एन.सी. माथुर के पक्ष मे निष्पादित मूल विक्रय पत्र कही गुम हो गया है, जिसके संबंध में राजस्थान पुलिस की वेबसाईट पर दिनांक 18.11.2025 को आनलाईन रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी जिसका एलआर नम्बर 2960167/2025 है मेरी अभिभाष्य उक्त सम्पत्ति को खरीदने के लिए एचडीएफसी बैंक लिमिटेड से ऋण प्राप्त करना चाहती है जिसके लिए उन्होने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड मे आवेदन किया हुआ है यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था आदि को उक्त विक्रय से किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज हो तो 7 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता से लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सम्पर्क करें, बाद गुजरने मियाद मेरी अभिभाष्या उक्त सम्पत्ति का विक्रय पत्र अपने हित मे निष्पादित करवा लेगी तथा कोई आपत्ति मान्य नही होगी।
जयपुर (श्याम सुन्दर चावला) एडवोकेट
दिनांक-5/12/25 मो.नं.9829218044

खाद की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई

- मैसर्स गोयल एग्री प्रोडक्ट्स कृषि उपज मण्डी समिति झिलाय रोड निवाई के प्रोपराइटर के विरूद्ध कार्रवाई की

टोंक। कृषि विभाग द्वारा खाद का वितरण पारदर्शी एवं नियमित रुप से किसानो को किया जा रहा है। साथ ही कालाबाजारी एवं नियमों के विरुद्ध कार्य करने वाले उर्वरक विक्रेताओं के खिलाफ विभाग निरंतर कार्यवाही कर रहा है। इसी के तहत मैसर्स गोयल एग्री प्रोडक्ट्स कृषि उपज मण्डी समिति झिलाय रोड निवाई के प्रोपराइटर के विरुद्ध 19 नवम्बर 2025 को अवैध रूप से ट्रैक्टर-ट्रॉली मे यूरिया लोड करवाने की शिकायत सोशल मिडिया के माध्यम से प्राप्त हुई थी, जिसकी विस्तृत जांच के लिए सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) टोंक निर्देशित किया गया था।

जिला परिषद के संयुक्त निदेशक वीरेन्द्र सिंह सोलंकी ने बताया कि फर्म द्वारा उर्वरक निरीक्षक एवं सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) टोंक द्वारा निरीक्षण मे पोश मशीन मे शून्य एवं भौतिक रूप से भी यूरिया की उपलब्धता शून्य बताया गया। साथ ही खाली गोदाम दिखाया जबकि उसी दिन गोदाम से रात्रि में कृषक यूरिया लेकर गये थे।

फर्म के प्रोपराइटर द्वारा उर्वरक निरीक्षक को गलत जानकारी दे कर भ्रम मे रखा गया एवं उर्वरक आदेश 1985 की शर्तो का उल्लंघन किया गया। इसलिए तत्काल प्रभाव से उर्वरक विक्रेता कर लाईसेंस 15 दिवस के लिए निलम्बित किया गया है। फर्म के प्रोपराइटर को पाबन्द किया है कि अग्रिम आदेशो तक उर्वरक व्यवसाय (क्रयविक्रय) नही करे।

संयुक्त निदेशक ने बताया कि 2 दिसम्बर को सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) दूनी को मैसर्स कैलाश खाद बीज भण्डार राजकोट तहसील- देवली के प्रोपराइटर के विरूद्ध यूरिया को निर्धारित मूल्य से अधिक राशि पर विक्रय करने की शिकायत प्राप्त हुई थी। 3 दिसम्बर को उर्वरक निरीक्षक एवं कृषि अधिकारी (फसल) कार्यालय सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) दूनी द्वारा फर्म का निरीक्षण किया गया जिसमे प्रतिष्ठान पर मूल्य सूची प्रदर्शित नही थी, पोश में यूरिया का स्टॉक शून्य पाया गया, किन्तु मौके पर यूरिया उपलब्ध था। निरीक्षक द्वारा फर्म के प्रोपराइटर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया तथा 3 दिवस में जवाब देने के लिए पाबन्द किया गया है। उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स कैलाश खाद बीज भण्डार, राजकोट तहसील देवली के खुदरा उर्वरक प्राधिकार पत्र को तत्काल प्रभाव से 15 दिवस के लिए निलम्बित किया गया है।

31 दिसम्बर तक अपात्र व्यक्ति नाम हटवाएं

अलवर। गिव अप अभियान के तहत अपात्र खाद्य सुरक्षा लाभार्थी स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा सूची से 31 दिसम्बर तक अपना नाम हटवा सकते हैं। अपात्र व्यक्तियों से योजना के प्रारम्भ से प्राप्त किए गए कुल गेहूं की बाजार दर 30 रूपये 57 पैसे प्रति किलोग्राम के हिसाब से वसूली की जाएगी।

जिला रसद अधिकारी विनोद जुनेजा ने बताया कि विभाग द्वारा गिव अप अभियान के तहत नाम हटाने की प्रक्रिया का सरलीकरण कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अभियान में खाद्य सुरक्षा योजना में चयनित ऐसे लाभार्थी जो आर्थिक रूप से सक्षम हैं जैसे आयकरदाता, 1 लाख रूपये से अधिक वार्षिक आय, चौपहिया वाहन धारक स्वेच्छा से अपने नजदीकी उचित मूल्य दुकानदार/जिला रसद अधिकारी कार्यालय अलवर में उपलब्ध निर्धारित प्रपत्र भरकर अपना नाम हटवा सकते हैं। प्रपत्र जिले की सभी उचित मूल्य दुकानों पर उपलब्ध है। अब कोई भी अपात्र व्यक्ति खाद्य विभाग राजस्थान के पोर्टल पर उपलब्ध लिंक 'गिव अप अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा योजना से स्वतः हटने के लिए आवेदन करें' पर आवेदन कर अपना नाम स्वयं खाद्य सुरक्षा सूची से हटा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत आयकर विभाग से आयकरदाताओं की सूची तथा परिवहन विभाग से चौपहिया वाहनधारकों के नाम प्राप्त किये जा रहे हैं। इस सूचना के आधार पर उनके खिलाफ विशेष अभियान चलाकर वसूली की कार्यवाही तथा दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी एवं योजना के प्रारंभ से ही प्राप्त किए गए कुल गेहूं की बाजार दर से 30 रुपये 57 पैसे प्रति किलो के हिसाब से वसूली की जाएगी। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत अब तक प्रदेश में 48 लाख 87 हजार 26 व्यक्तियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना से नाम हटवाए है जिनमें अलवर जिले में 1 लाख 38 हजार 926 व्यक्ति हैं।

राजस्थान आवासन मण्डल
वृत-तृतीय, जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल, जयपुर
क्रमांक 4762 दिनांक 01/12/2025
-: आम जाहिर सूचना :-
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा विकसित आवासीय भूखण्ड संख्या 5/MA/35 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर क्षेत्रफल 97.60 वर्ग मीटर का आवंटन श्री मूल चन्द पुत्र श्री रामकिशन को किया गया था। मूल पट्टा अपंजीबद्ध है।
तत्पश्चात श्री मूल चन्द पुत्र श्री रामकिशन के द्वारा उक्त अपंजीबद्ध पट्टे का मुख्त्यारनामाआम श्री कांती लाल सेठ पुत्र श्री माणक चन्द सेठ को नियुक्त किया गया। उक्त मुख्त्यारनामाआम अपंजीबद्ध है।
तत्पश्चात मुख्त्यारनामा आम धारक श्री कान्ती लाल सेठ के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरिये विक्रय पत्र श्रीमती सुशीला देवी अग्रवाल पत्नी श्री कैलाश चन्द अग्रवाल को कर दिया। यह विक्रय पत्र दिनांक 25/06/2008 को पंजीबद्ध है।
तत्पश्चात श्रीमती सुशीला देवी अग्रवाल पत्नी श्री कैलाश चन्द अग्रवाल ने उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरिये विक्रय पत्र श्री चौबे लाल मीना पुत्र श्री राम भरोसी मीना को कर दिया। यह विक्रय पत्र दिनांक 28/02/2013 को पंजीबद्ध है। श्री चौबे लाल मीना पुत्र श्री राम भरोसी मीना के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का नवीन पट्टा अपने पक्ष में जारी करवाने हेतु आवेदन किया गया है। जिसके क्रम में आवेदक के द्वारा प्रस्तुत प्रपत्रों में मुख्त्यारनामाआम की छाया प्रति प्रस्तुत की गयी है। उक्त हस्तान्तरण अथवा मुख्त्यारनामा आम के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री चौबे लाल मीना पुत्र श्री रामभरोसी मीना का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर उनके पक्ष में उक्त भूखण्ड का नवीन पट्टा जारी करने की कार्यवाही कर दी जायेगी।
सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/954 चूंकि प्रार्थी श्री PRIYANKA, 69 BRIJ VIHAR JAGATPURA JAIPUR 302025 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत JEEVAN KI PATHSHALA TRUST, 69 BRIJ VIHAR JAGATPURA JAIPUR 302025 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 02.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 10/02/2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/937 चूंकि प्रार्थी श्री Shri Shankar Das, Shri Shankar Das, disciple of Shri Mangu Das Ji; Mandir (Temple) of Shri Narsingh Ji, Bharat Das-Narayan Das Ashram, Village Neendar Benad, District Jaipur, Rajasthan ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत मंदिरश्री नरसिसिंह जी भरत दास नारायण दास आश्रम, Shri Shankar Das, disciple of Shri Mangu Das Ji; Mandir Shri Narsingh Ji, Bharat Das-Narayan Das Ashram. Village Neendar Benad, District Jaipur, Rajasthan के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 27.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 02/02/2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/966 चूंकि प्रार्थी श्री UMESH KUMAR SONI, C-1/487, CHITRAKOOT SCHEME, VAISHALI NAGAR, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत स्वर्णकार एजूकेशन ट्रस्ट, C-1/487, CHITRAKOOT SCHEME, VAISHALI NAGAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 02.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 06/02/2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

मुख्य सड़कों की खुदाई कर भुला जलदाय विभाग

पावटा। कस्बे में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा बनाई गई मुख्य सडकों को जलदाय विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त किए कई महीनों हो गए। लेकिन अभी तक जलदाय विभाग द्वारा सडकों को दुरुस्त नहीं करवाया जा रहा है। जिससे यहां के वार्डवासियों सहित ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिम्मेदारों की अनदेखी को आमजन भुगत रहा है।

मुख्य सड़कों की खुदाई करके संबंधित विभाग इनको दुरुस्त करवाना भूल गया है। संबंधित विभाग के प्रति लोगों ने नाराजगी जाहिर की है व समस्या का शीघ्र ही समाधान करने की मांग की है। जानकारी के अनुसार पावटा कस्बे के वार्डों व मुख्य पुराना रोड बाजार सड़क को जलदाय विभाग की पेयजलापूर्ति नहीं होने से लाखों रुपयों से बनी सीसी सड़को व मुख्य सड़कों को समस्या के समाधान के लिए, पाइप लाइन बिछाने के नाम पर खोद दिया।

पाइप लाइन बिछाने के बाद जलदाय विभाग द्वारा खुदाई वाली सड़क को मिट्टी से भरकर इति श्री करके जिम्मेदार भूल गए हैं। वार्डों व बाजारों में इन खुदी सडकों से हर रोज बडी संख्या में वाहनों व राहगीरों की आवाजाही हो रही है। जिससे वाहन चालकों व राहगीरों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जलदाय विभाग द्वारा खोदी गई सड़क को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। वार्ड वासियों व ग्रामीणों का कहना है कि बीच सड़क की खुदाई ना कर एक तरफ नाली की साइड खुदाई कर पाइपलाइन बिछाते तो लाखों रुपए की अच्छी सड़क क्षतिग्रस्त होने से बच जाती। वार्डवासियों दुकानदारों सहित राहगीरों को इस समस्या का सामना नहीं करना पड़ता।

थार की टक्कर से युवक घायल

टोंक। मुख्यालय के बडा कुआं रोड पर गुरुवार रात्रि को तेज रफ्तार से आ रही थार (कार) ने एक स्कूटी सवार युवक को टक्कर मार दी, जिससे वह उछलकर सड़क पर जा गिरा।

हादसे के बाद कार चालक घटनास्थल से एक किलोमीटर दूर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। बाद में सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने कार को जब्त कर लिया। कोतवाली थाना क्षेत्र के बड़ा कुआं क्षेत्र स्थित कांग्रेस ऑफिस के सामने गुरुवार रात्रि को एक युवक दुकान से घर लौट रहा था, तभी तेज रफ्तार से आयी कार ने युवक को टक्कर मार दी, जिससे वह उछलकर सड़क पर जा गिरा तथा उसकी स्कूटी डिवाइडर से टकरा गई। बाद में मौके पर मौजूद राहगीरो ने युवक को संभाला तथा युवक को जिला सआदत चिकित्सालय भर्ती कराया, जहां उसे हादसे में अन्दरूनी चौटे आना बताया गया है। बाद में मौके पर पंहुची थाना कोतवाली पुलिस ने रॉन्ग साइड से आई थार को जप्त कर लिया तथा कार्यवाही के दौरान कार किसी होटल मालिक की बताई जा रही है। कोतवाली थानाधिकारी ने बताया कि थाने में किसी ने भी प्रकरण दर्ज नही करवाया गया है।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम SANJAY GANGWANI से बदलकर SANJAY LOKWANI पुत्र श्री घनश्याम दास निवासी 16, जय विहार कालोनी जयसिंहपुरा खोर, जयसिंहपुरा शेखावतान, जयपुर रख लिया है, भविष्य में मुझे SANJAY LOKWANI के नाम से जाना पहचाना जावें।

I, Giriraj Prasad Gupta S/o Late Ram Swaroop Gupta R/o 3/12, Vidhyadhar nagar, Jaipur, Rajasthan, 302039 have changed my name from Giriraj Prasad Toshniwal also known by name G P Toshniwal to Giriraj Prasad Gupta for all future purposes.

I, Savitri Gupta W/o Giriraj Prasad Gupta R/o 3/12, Sector-3, Vidhyadhar nagar, Jaipur, Rajasthan, 302039 have changed my name from Savitri Toshniwal, Savita Toshniwal and Savitri Devi Gupta all referring same person to Savitri Gupta for all future purposes.

पार्षदों ने कार्रवाई की मांग की

फुलेरा। फुलेरा नगर पालिका मंडल की ओर से शहर में आवारा पशुओं व बंदरों से मुक्ति दिलाने के लिए ठेका जारी किया गया था, जिसके तहत ठेकेदार को बंदरों को पकड़कर नगर क्षेत्र से बाहर सुरक्षित छोड़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

पार्षद सरदारसिंह चौधरी ने पालिका ईओ के नाम पर वरिष्ठ लेखाधिकारी कृष्णकुमार यादव को दिए पत्र में गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि ठेकेदार ने कर्तव्य का निर्वहन सही तरीके से नहीं किया और बंदरों को बाहर छोड़ने के बाद फिर से शहर में दिखने लगे जिससे समस्या और बढ़ गई।

पत्र में बताया कि पूर्व में पकड़े गए बंदर फिर से शहर में दिखाई दिए, जिससे यह साफ होता है कि ठेकेदार द्वारा नियमों की अवहेलना की गई है। इसके चलते नगर पालिका के द्वारा किया गया व्यय भी व्यर्थ हो रहा है और आमजन बंदरों के आतंक से लगातार परेशान हैं।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

किशनगढ़ बास में मंत्री बेढम का रामहेत यादव के नेतृत्व में स्वागत

पूर्व विधायक रामहेत यादव व कार्यकर्ताओं ने किशनगढ़ बास में मंत्री बेढम का स्वागत किया।

- गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम का तोप सर्किल पर शुक्रवार को राष्ट्रीय परिषद भाजपा सदस्य व पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने कार्यकर्ताओं के साथ ढोल नगाडों से स्वागत किया।

किशनगढ़ बास। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम का तोप सर्किल पर शुक्रवार को राष्ट्रीय परिषद भाजपा सदस्य व पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने कार्यकर्ताओं के साथ ढोल नगाडों से स्वागत किया। इस अवसर पर सरस डेयरी पूर्व चैयरमैन बन्नाराम मीणा भी साथ रहे। मंत्री बेढम किशनगढ़ बास निजी समारोह में शिरकत करने पहुंचे थे।

इस दौरान राष्ट्रीय परिषद भाजपा सदस्य एवं पूर्व विधायक रामहेत यादव के नेतृत्व में मंत्री बेढम का किशनगढ़ बास आगमन पर शहर के तोप सर्किल पर ढोल बाजे से स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं एवं संयुक्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखवाणी सहित व्यापारियों ने मंत्री का साफा माला भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान मंत्री बेढम ने पूर्व विधायक रामहेत यादव सहित कार्यकर्ताओं एवं व्यापारियों का आभार व्यक्त किया।

स्वागत के दौरान भाजपा मण्डल अध्यक्ष मनोज मित्तल, मनीष शर्मा, पूर्व मण्डल अध्यक्ष उमेश कान्त वशिष्ठ, चैयरमैन प्रतिनिधी सतीश सिंहल, भाजपा नेता विश्वास यादव, मंडल उपाध्यक्ष संतोष अठावाल, पूर्व जिला पार्षद रहमत खां मेवाती, महामंत्री जगदीश यादव, जयसिंह सरदार, मण्डल उपाध्यक्ष एवं पार्षद तेजसिंह सैनी, सरपंच हनीफ खान, अशोक सरपंच झिरण्डीया, सरपंच सुरेन्द्र जांगिड, पूर्व सरपंच भोलाराम शर्मा, कृष्ण यादव, रामस्वरूप यादव, चंदन गुर्जर, बलबीर सैन, तरूण दुलानी, निहाल सिंह बंटी, पार्षद मनीष लखवाणी, अनिल शर्मा पार्षद व्यापार मण्डल अध्यक्ष परमानंद लखवाणी, विनोद मिश्रा, अजय योगी, हीरू हरवानी, नरेश भडाणा, धर्मवीर सिंह, संतोष गर्ग, दीपक मेहन्दीरत्ता, अंकुर शर्मा, जस्सू मोटवानी, सहित सैकडो की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा उत्सव मनायेगी

भरतपुर। भजनलाल सरकार के गौरवमयी 02 वर्ष पूर्ण होने पर तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जन्मदिन को लेकर भारतीय जनता पार्टी पखवाडा कार्यक्रम चलाएगी। जिसको लेकर भारतीय जनता पार्टी कार्यालय भरतपुर पर एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा ने की। बैठक में राज्य सरकार के 02 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन की तैयारी को लेकर चर्चा की गई। पखवाडा कार्यक्रम भरतपुर जिले की सभी विधानसभाओं में मण्डल स्तर पर चलाया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को मूर्त रूप देने के लिए रूपरेखा तैयार गई। जिसमें रक्तदान शिविर, श्रमदान, महाआरती, प्रसादी वितरण, चारा वितरण, हवन पूजा, मजदूरों को नाश्ता वितरण, कम्बल वितरण एवं प्रदर्शनी आयोजित की जायेगी। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश मंत्री भानूप्रताप राजावत एवं गिरधारी तिवारी, पूर्व प्रदेश प्रवक्ता शैलेष कौशिक, पूर्व जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र गोयल एवं मनोज भारद्वाज, पूर्व जिला उपाध्यक्ष गिरधारी गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष श्याम सुन्दर गौड़, रज्जन सिंह, मोहन राश, जगदीश अजान एवं मनोज खण्डेलवाल, जिला मंत्री महावीर डागुर, कुशलपाल सिंह राजावत, संभाग मीडिया प्रभारी दीपेन्द्र गनेशिया, जिला प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी डॉ. वीरेन्द्र पचौरी, यशपाल सिंह, अभय गुर्जर, कन्हैया जादौं आदि उपस्थित रहे।

Khadi India
आज़ादी का अमृत महोत्सव
खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी, 2025-26
राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ, बजाज नगर, जयपुर
(राजस्थान की प्रमाणित खादी एवं ग्रामोद्योग संस्थाओं का मध्यवर्ती संगठन)
प्रदर्शनी दिनांक 20 नवंबर 2025 से प्रारम्भ
प्रवेश निःशुल्क | समय दोपहर 12 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक | पार्किंग निःशुल्क
प्रान्तीय खादी वस्त्रों पर 50% की छूट
25% की छूट परप्रान्तीय उत्पादित खादी वस्त्रों पर
प्रदर्शनी स्थल: राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ, बजाज नगर, गांधी नगर रेलवे स्टेशन के सामने, जयपुर
(खादी और ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार, द्वारा प्रसारित)

सोसायटी पट्टों की रजिस्ट्री रुकने से आमजन हो रहे परेशान, बैकडेट में पट्टे देने वाले माफियाओं की मौज!

उम्रभर की जमा पूंजी लगाकर सोसायटियों की कॉलोनी में घर खरीदने वाले लोगों के सिर पर तलवार लटकी

-कार्यालय संवाददाता-

- **परंतु अब बिकने वाले भूखंडों के पट्टा ट्रांसफर की आड़ में मनमानी रकम लूटेंगी सहकारी सोसायटियां, लोगों के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं**
- **प्रदेश में सोसायटी पट्टों की रजिस्ट्रियां बंद होने से पिछले 3 दिनों में राज्य सरकार को 600 करोड़ रु. के राजस्व का नुकसान हुआ, अधिवक्ता और आमजन भी सरकार के इस निर्णय के विरोध में उतरे**
- **प्रदेश में 1999 के बाद सरकारें बदलती रहीं, परतु कोई भी सहकारी समितियों की ऑडिट समय पर नहीं करवा पाया, इस कारण बैकडेट में पट्टे देने का खेल राजस्थान में खूब पनपा**
- **सुविधा के नाम पर कॉलोनियों में मात्र सड़कें बनाकर सोसायटियां तो रफुचक्कर हो गई, अब लोगों के पास दस्तावेज ही नहीं कि, चाहकर भी कॉलोनियों का भू-रूपांतरण (90-ए) करवा सकें**

जयपुर। राज्य सरकार ने सहकारी सोसायटियों के पट्टों के रजिस्ट्री पर गत मंगलवार से पूर्णतः रोक लगा दी है, इस कारण पिछले 3 दिनों से जहां 600 करोड़ रु. से ज्यादा का राजस्व नुकसान हुआ है। वहीं बैकडेट में पट्टे काटने काटकर लोगों को ठगने वाली सोसायटियों को अब पट्टा ट्रांसफर के नाम पर मनमानी लूट की खुली छूट भी मिल रही है। वहीं दूसरी ओर उम्रभर की पूंजी लगाकर गैर अनुमोदित (अनअप्रूव्ड) कॉलोनियों में जिन लोगों ने मकान खरीद लिए हैं, उनके सिर पर तलवार लटक गई है। इस मुद्दे को लेकर जहां एक तरफ अधिवक्ता धरना-प्रदर्शन कर विरोध जता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर आमजन की रातों की नींद उडी हुई है।

अगर राजधानी जयपुर की बात करें तो 17 जून 1999 के बाद सहकारी समितियों का रिकॉर्ड जयपुर विकास प्राधिकरण में जमा हुआ ही नहीं। सरकारें बदलती रहीं, परंतु सहकारी समितियों की ऑडिट कभी नहीं हुई। ऐसे में बैकडेट में पट्टे देने का खेल सोसायटियों ने धडल्ले से खेला। देखा जाए तो पिछले 26 सालों में जयपुर की बसावट पूरी तरह हुई। सहकारी समितियों के पट्टों पर भूखंड बिकते गए और लोगों ने मकान बनाकर रहना भी शुरू कर दिया। परंतु कॉलोनियां काटने वाली सहकारी समितियों ने भी मूल आवंटियों का रिकॉर्ड जेडीए में प्रस्तुत ही नहीं किया। दूसरी तरफ राज्य सरकार भी कभी इन कॉलोनियों का नियमन नहीं कर पाई, क्योंकि सोसायटियों ने कॉलोनी काटते समय 70:30 अथवा 60:40 के अनुपात में सुविधा क्षेत्र कहीं छोड़ा ही नहीं।

कॉलोनियां काटकर सहकारी समितियों ने तो अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड लिया, परंतु जो लोग भूखंडों की खरीद-फरोख्त कर रहे थे, उनके पट्टा नाम ट्रांसफर का काम यह समितियां करती रहीं। कुछ भूखंडधारियों ने अपने प्लॉट्स की रजिस्ट्रियां करवा ली, परंतु जो लोग आर्थिक असक्षम थे, उनसे 200 से 800 रुपये प्रतिगज के शुल्क पर यह सहकारी समितियां पट्टा ट्रांसफर करती रही। यह पूरा काला कारनामा पिछले 26 सालों से राज्य सरकार की नाक के नीचे चलता रहा, परंतु कोई भी एक्शन नहीं ले पाया।

अब राज्य सरकार ने गत 2 दिसंबर 2025 को सहकारी सोसायटियों के पट्टों और बिना 90-ए (बिना भू रूपांतरण) वाली कॉलोनियों के पट्टों की रजिस्ट्रियां बंद कर दी तो लोग परेशान हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि, सहकारी समितियों पर शिकंजा कसने के बजाय राज्य सरकार का यह फैसला आमजन के सिर पर तलवार लटका रहा है। पिछले 26 सालों में जयपुर समेत पूरे राजस्थान में 70-80 फीसदी बसावट सहकारी समितियों की कॉलोनियों में हुई है, अब सरकार आमजन की परेशानी को समझे बिना ही सीधे रजिस्ट्रियां बंद कर रही है, यह अन्याय है। अब इन कॉलोनियों में भूखंड खरीदने वाले लोगों को मजबूरन सहकारी समितियों के पास जाकर पट्टा ट्रांसफर करवाना पड़ेगा, जो अपनी मनमानी रकम वसूलेंगे।

दूसरी ओर जहां तक बात, कॉलोनियों के भू-रूपांतरण करवाने की है तो अधिकाशंतः कॉलोनियों में निवासरत लोगों को तो यह भी मालूम नहीं है कि कौनसी जगह भूखंड सुविधा क्षेत्र का है और कौनसा नहीं। क्योंकि सोसायटियों द्वारा बसाई गई कॉलोनियों में सुविधा क्षेत्र के नाम पर 20 से 30 फीट चौड़ी सड़कें ही है, इसके अलावा अन्य कुछ नहीं। अगर किसी कॉलोनी के लोग चाहकर भी भू-रूपांतरण की कार्यवाही करवाना चाहे तो किसी के पास मूल दस्तावेज ही नहीं। सोसायटियों के जिन पदाधिकारियों ने अपना रिकॉर्ड पिछले 26 साल में राज्य सरकार को नहीं दिया, वह आमजन को कैसे दे देंगे?

कांग्रेस नेता गिरिराज खंडेलवाल ने कहा कि, राज्य सरकार द्वारा अचानक सोसायटियों के भूखंडों की रजिस्ट्रियां बंद करना अन्याय है। सरकार का यह फैसला अवैध प्लॉटिंग को वैधता प्रदान करने, भ्रष्टाचार को ढाल देने और आमजन को कानूनी दलदल में धकेलने वाला है। यह साफ़ दिखाता है कि ''जनता ठगी जाएगी और माफिया बचेगा।''

खंडेलवाल ने बताया कि, पिछले 26 वर्षों से राजस्थान में 70-80 प्रतिशत सोसाइटी कॉलोनियों में अवैध प्लॉटिंग, गलत भू-रूपांतरण, बैकडेट पट्टे, फर्जी रजिस्ट्रेशन और करोड़ों की घूसखोरी का खेल चलता रहा है। राजस्थान में सरकारें बदलती रहीं, परंतु कोई भी इन सोसायटियों पर शिकंजा नहीं कस पाया। अब राज्य सरकार ने भले ही रजिस्ट्री बंद करने का निर्णय ले लिया है, परंतु इससे गलत प्लॉटिंग करने वाली सोसायटियों के पदाधिकारी बच जाएंगे और इसकी सजा आम जनता भुगतेगी। पिछले 26 साल में राज्य सरकार सहकारी समितियों पर शिकंजा कसने में फेल रही तो अब इसकी सजा आमजन क्यों भुगते? अगर समय पर इन सोसायटियों की ऑडिट होती तो कभी बेकडैट में पट्टे देने का खेल पनपता ही नहीं।

वर्तमान में सैकड़ों सोसायटियां अवसयन/डिफंक्ट घोषित होने के बावजूद बैक डेट में पट्टे जारी कर रही है और इसकी आड़ में करोड़ों रुपये लूट रही है। कई सोसाइटियों पर प्रशासक नियुक्त होने के बावजूद अवैध पट्टों का खेल जारी है, और सरकार के नए नियमों ने इन माफियाओं को और अधिक खुला मैदान दे दिया है। सरकार ने असली दोषियों को बचाने के लिए नियम ऐसे तैयार किए हैं कि सोसाइटी संचालकों पर सख्त कार्रवाई संभव ही न हो, लेकिन खरीददारों पर पूरा बोझ डाल दिया जाए।

उन्होंने कहा कि यह फैसला आम नागरिकों की वर्षों की जमा-पूंजी को संकट में डालने वाला है। लाखों परिवार, जिन्होंने सोसाइटी पट्टों पर प्लॉट खरीदे, अब कानूनी अनिश्चितता में फंस गए हैं। रजिस्ट्रियां बंद होने से लोग अपनी संपत्ति न बेच सकेंगे, न गिरवी रख सकेंगे, न निर्माण करा सकेंगे, और न ही बैंक लोन प्राप्त कर सकेंगे।

खंडेलवाल ने कहा कि लैंड कन्वर्जन के नाम पर सरकार हर खरीदार को मजबूर करके 90-ए की जटिल और महंगी प्रक्रिया में धकेल रही है, जबकि असली दोषी सोसाइटी संचालकों पर न कोई दंड है, न जवाबदेही। उन्होंने सरकार से मांग की कि राज्य की सभी सोसाइटियों का स्वतंत्र और फोरेंसिक ऑडिट कराया जाए, अवैध प्लॉटिंग करने वाले सोसाइटी संचालकों पर एफआईआर दर्ज की जाए। 90-ए की प्रक्रिया को जनहित में सरल, सुलभ और सस्ती बनाया जाए।

एस.ओ.जी. ने फर्जी डिग्री उपलब्ध करवाने वाले मास्टरमाइंड को दबोचा

-कार्यालय संवाददाता-

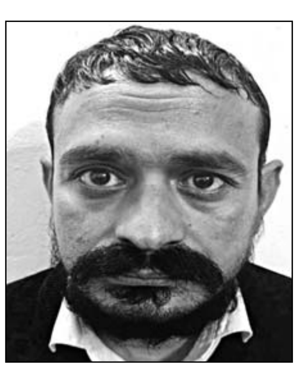

आरोपी मांगीलाल मीणा

- **आरोपी मांगीलाल मीणा ने पटवारी भर्ती परीक्षा 2021 में डमी अभ्यर्थी बैठाकर नौकरी हासिल करने वाले मुख्य अभियुक्त बलराम मीणा को फर्जी बीएससी डिग्री उपलब्ध करवाई थी**

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए फर्जी डिग्री उपलब्ध करवाने वाले मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि पटवारी भर्ती परीक्षा 2021 में डमी अभ्यर्थी बैठाकर नौकरी हासिल करने वाले मुख्य अभियुक्त बलराम मीणा को फर्जी बीएससी डिग्री उपलब्ध करवाने वाले मास्टरमाइंड मांगीलाल मीणा निवासी शेरगढ़ जिला कोटा को गिरफ्तार किया किया गया है।

एडीजी बंसल ने बताया कि यह फर्जीवाड़ा तब उजागर हुआ जब प्रमुख शासन सचिव (कार्मिक) के निर्देश पर जिला बूंदी में गठित आंतरिक कमेटी ने विगत पांच वर्षों के अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की गहन जांच शुरू की। इस जांच में रोल नंबर 3269761 के अभ्यर्थी बलराम मीणा के आवेदन पत्र पर लगे फोटो और वर्तमान में कार्यरत कर्मचारी के फोटो,हस्ताक्षर में स्पष्ट असमानता पाई गई। संदेह गहरा होने पर रिपोर्ट एसओजी मुख्यालय को भेजी गई। जिसके बाद एफआईआर दर्ज कर अनुसंधान आरंभ किया गया।

एसओजी द्वारा गहनता से किए गए अनुसंधान में पहले यह सामने आया था कि आरोपी बलराम मीणा जिसने डमी बैठाकर पटवारी भर्ती परीक्षा 2021 में सरकारी नौकरी हासिल की थी। उसके स्थान पर उमेश कुमार चौधरी ने परीक्षा दी थी। साथ ही यह भी पता चला कि उमेश चौधरी से आरोपी बलराम मीणा का संपर्क करवाने में मनफूल सिंह धायल एक प्रमुख माध्यम बना था। जिसने बलराम को डमी उपलब्ध करवाया था। इस खुलासे पर एसओजी द्वारा पूर्व में ही आरोपी मनफूल सिंह धायल और उमेश चौधरी को 3 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि मुख्य आरोपी बलराम मीणा 24 सितम्बर 2025 को गिरफ्तार हुआ था।

अग्रिम अनुसंधान में यह पता चला कि बलराम ने डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के समय जो डिग्री पेश की थी। वह भी कूटरचित थी। बलराम से सख्ती से पूछताछ के बाद यह जानकारी मिली कि आरोपी मांगीलाल मीणा ने उसे यह फर्जी मार्कशीट और डिग्री उपलब्ध कराई थी। अनुसंधान में मोनाड यूनिवर्सिटी, हापुड़ से प्राप्त आधिकारिक पत्रावली में सत्र 2012-15 के विज्ञान संकाय में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की सूची में बलराम मीणा का नाम अनुपस्थित मिला। जिससे उसकी प्रस्तुत बीएससी (बायो साइंस) की डिग्री और मार्कशीट पूर्णतः कूटरचित सिद्ध हुई।

एसओजी ने गहन प्रयास कर आरोपी मांगीलाल मीणा को गिरफ्तार किया है और अब उससे पूछताछ में यह पता लगाने का कार्य करेगी कि उसने इस फर्जी डिग्री उपलब्ध कराने के कारोबार में और कितने लोगों को शामिल किया है तथा कितने अन्य लोगों को फर्जी डिग्री बेची है। एडीजी बंसल ने दोहराया कि भर्ती परीक्षाओं में धोखाधड़ी कर सरकारी सेवाओं में प्रवेश पाने की हर कोशिश पर एसओजी की कार्रवाई सख्त,तेज़ और लगातार जारी रहेगी।

विधानसभा वाहन का फर्जी स्टीकर लगी थार गाड़ी जब्त

जयपुर। शिप्रापथ थाना पुलिस ने ब्लैक फिल्म लगी गाड़ियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए थार पर लगे फर्जी विधानसभा वाहन प्रवेश का फर्जी स्टीकर लगी गाड़ी को जब्त किया है। पुलिस ने इस मामले में वाहन चालक के खिलाफ विधानसभा का फर्जी वाहन प्रवेश का स्टीकर लगाने का मामला दर्ज कर थार गाड़ी जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी लोगों पर रौब जमाने व टोल टैक्स बचाने के लिए फर्जी स्टीकर लगा कर रखता था।

पुलिस आयुक्त दक्षिण राजर्षिराज ने बताया कि थाना इलाके में स्थित अरावली मार्ग, आवासन मंडल की खाली पड़ी भूमि पर पुलिस को गश्त के दौरान एक काले शीशे की थार गाड़ी खड़ी नजर आई। पुलिस ने मौके पर जाकर जांच-पडताल की तो उस गाडी पर एमएलए वाहन प्रवेश पत्र का स्टीकर लगा मिला।

थार मालिक देव प्रताप सिंह (32) निलेंद्र सिह,पटेल मार्ग मानसरोवर निवासी से सख्ती से पूछताछ करने पर उसने बताया कि लोगों में अपना रौब और टोल टैक्स बचाने के लिए उसने विधानसभा वाहन प्रवेश का फर्जी स्टीकर लगा रखा है। पुलिस ने थार जब्त कर आरोपी को हिरासत में ले लिया। ये स्टीकर आरोपी ने कहा से बनवाया पुलिस इसके बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है।

एवियन बोटूलिज़्म और एवियन इंफ्लुएंज़ा रोग प्रबंधन पर प्रशिक्षण

पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित किया।

जयपुर (कासं)। पशुपालन विभाग, वन विभाग, सांभर लेक मैनेजमेंट एजेंसी, वर्ल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में एवियन बॉटूलिज्म तथा एवियन इन्फ्लूएंजा रोग प्रबंधन, बचाव और चिकित्सा पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन आज हुआ। पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ समित शर्मा व सांभर लेक मैनेजमेंट एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिजु जॉय की पहल पर राज्य में पहली बार इस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जयपुर के आगरा रोड, जामडोली में स्थित पशुधन प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के रामसर वेटलैण्ड क्षेत्र के पशु चिकित्सकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य एवियन बॉटूलिज्म तथा एवियन इन्फ्लूएंजा रोगों की पहचान, बचाव, समय पर किए जाने वाले उपचार तथा आपदा प्रबंधन के व्यावहारिक ज्ञान को मजबूत करना था।

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर पशुपालन, गोपालन एवं मत्स्य शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में तेजी से बदलते जैविक जोखिमों और पर्यावरणीय परिस्थितियों के कारण पशुओं में संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ रहा है। ऐसे में वैज्ञानिक जानकारी, सतर्कता और त्वरित प्रतिक्रिया ही समाधान का आधार है। उन्होंने कहा कि एवियन बोटूलिज़्म और एवियन इन्फ्लुएंज़ा जैसे रोग न केवल पशुधन के लिए खतरा हैं, बल्कि इनके फैलने से व्यापक आर्थिक और सामाजिक प्रभाव भी होते हैं। इसलिए हर स्तर पर समयबद्ध कार्रवाई, निगरानी और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि विभाग आधुनिक तकनीकों, डिजिटल रिपोर्टिंग, वैज्ञानिक अनुसंधान और फील्ड प्रबंधन को एकीकृत कर पशुधन सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। डॉ. शर्मा ने विभाग की त्वरित प्रतिक्रिया टीमों, लैब नेटवर्क और फील्ड स्टाफ की भूमिका की विशेष रूप से सराहना करते हुए कहा कि राजस्थान ने संक्रामक रोगों की रोकथाम के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है और इसी गति को आगे बढ़ाना होगा। शासन सचिव ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। समापन अवसर पर निदेशक डॉ सुरेशचंद मीना, अतिरिक्त निदेशक डॉ हेमंत पंत, संयुक्त निदेशक डॉ तपेश माथुर, डॉ संगीता माथुर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सार-समाचार

अवैध हथियार के साथ बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। शिप्रा पथ थाना पुलिस ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए एक बदमाश को पकड़ा है और उसके पास से एक देशी पिस्टल और घटना में प्रयुक्त एक चौपाहिया वाहन भी जब्त की है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि शिप्रा पथ थाना पुलिस ने पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए 37 वर्षीय अभय जैन निवासी चित्तोडगढ हाल करणी विहार जयपुर को गिरफ्तार कर उसके पास से एक देशी पिस्टल और एक चौपहिया वाहन कार बरामद की है। पुलिस आरोपी से अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ की जा रही है।

गैस सिलेंडर चुराने वाला गिरफ्तार

जयपुर। करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गैस सिलेंडर चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है और उसके पास से चोरी के चोरी के सात सिलेंडर, नौ वाहनों की बैटरी और एक दुपहिया वाहन जब्त किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गैस सिलेंडर चोरी करने वाले प्रदीप सिंह (35) निवासी सीकर हाल करधनी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उससे चोरी के सात गैस सिलेंडर ,नौ वाहनों की बैटरी और एक दुपहिया वाहन बाइक भी बरामद की। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

जेल के बाथरूम में मिला मोबाइल फोन

जयपुर। जेल प्रशासन के औचक निरीक्षण के बाद भी जेल परिसर में मोबाइल फोन मिलने का सिलसिला अब भी जारी है। जेल प्रशासन जेल परिसर में आने वाले मोबाइल फोन नशीली वस्तुओं की रोकथाम के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। लेकिन सलाखों के पीछे बैठे शातिर बंदी कोई ना कोई जुगाड़ लगाकर जेल प्रशासन के हर संभव कोशिशों पर पानी फेर रहा है। शुक्रवार को भी घाटगेट स्थित सेंट्रल जेल में औचक निरीक्षण के दौरान बाथरुम में छिपाकर रखा हुआ मोबाइल फोन बरामद हुआ। जेल प्रशासन ने इस घटना की जानकारी लालकोठी थाना पुलिस को दी। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर सिम नंबर के आधार पर जांच-पड़ताल शुरु कर दी है। थानाधिकारी प्रकाश राम विश्नोई ने बताया कि शुक्रवार को जयपुर सेंट्रल जेल के प्रहरी मुनेश गुर्जर (37) वार्ड नंबर -7 में औचक निरीक्षण पर गया था। सर्च के दौरान वार्ड के अंदर बाथरुम से एक मोबाइल फोन मिला। जेल प्रशासन ने मोबाइल फोन जब्त कर लालकोठी थाने के सुपुर्द कर दिया।

स्मैक तस्करी में बाल अपचारी निरुद्ध

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (क्राइम ब्रांच सीएसटी) ने प्रताप नगर थाना इलाके में ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले एक बाल अपचारी को निरुद्ध कर उसके पास से 11.02 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक जब्त किए है। फिलहाल आरोपी बाल अपचारी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त अभिजीत सिंह ने बताया कि जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी ने प्रताप नगर इलाके में अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले बाल अपचारी को निरुद्ध किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी बाल अपचारी यह स्मैक अपने परिचित रोहित चौधरी से लेकर आना स्वीकारा।

जानलेवा हमला करने वाला बदमाश 7 साल बाद गिरफ्तार

जयपुर। स्टेट क्राइम ब्रांच पुलिस मुख्यालय की टीम ने करीब सात साल से फरार चल रहे एक इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी राहुल गुर्जर निवासी कामां जिला डीग घातक हथियारों से जानलेवा हमला करने के एक गंभीर मामले में वांछित था। आरोपी की गिरफ्तारी पर दस हजार रुपये का इनाम घोषित है।

यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध हवा सिंह घुमरिया के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश मलिक के निकट सुपरविजन में की गई। टीम को सूचना मिली कि आरोपी राहुल गुर्जर, जो डीग के अडावली गाँव में फरारी काट रहा था। वह उत्तर प्रदेश के कोसी छाता क्षेत्र में आयोजित हो रहे गुर्जरों के मेले में शरीक होने के लिए बस से जा रहा है। इस सूचना पर टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कामां बस स्टैंड पर घेराबंदी की और आरोपी को डिटेन कर लिया। जिसे बाद में अग्रिम कार्रवाई के लिए थाना कामां पुलिस को सौंप दिया गया। घुमरिया ने बतया कि घातक हथियारों से हमला और लूट गिरफ्तार आरोपी राहुल गुर्जर 13 मार्च, 2019 को घटित अपराध में फरार चल रहा था। प्रार्थी रवि ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि जब वह अपनी पत्नी अमीषा को 12वीं कक्षा का पेपर दिलाने कामां ले जा रहा था, तब राहुल और रामवीर ने उसकी पत्नी के साथ गंदे अपशब्दों का प्रयोग कर छेड़छाड़ की।

प्रदेश के बड़े अस्पतालों में जयपुरिया अस्पताल की तर्ज पर होगा ''क्यू मैनेजमेंट सिस्टम'' और ''हैल्प डेस्क'' व्यवस्था

जयपुर (कासं)। प्रदेश के सभी बड़े अस्पतालों में रोगियों को सुगम, त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए जयपुरिया अस्पताल की तर्ज पर क्यू मैनेजमेंट सिस्टम एवं हेल्प डेस्क व्यवस्था शुरू की जाएगी, ताकि रोगियों को कतारों से मुक्ति मिले और उन्हें इलाज के लिए एक काउंटर से दूसरे काउंटर पर चक्कर नहीं काटने पड़ें। उनकी सहायता के लिए अस्पतालों में एक प्रभावी तंत्र विकसित किया जाएगा, जो पूरी संवेदनशीलता के साथ रोगियों की मदद करेगा।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने शुक्रवार को जयपुरिया अस्पताल के औचक निरीक्षण के दौरान इस संबंध में दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जयपुरिया अस्पताल के निरीक्षण के दौरान क्यू मैनेजमेंट सिस्टम एवं हेल्प डेस्क व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया और पूरी प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने इन दोनों नवाचारों के लिए प्रसन्नता व्यक्त की और अन्य अस्पतालों में भी यह मैकेनिज्म अपनाने पर बल दिया।

प्रमुख चिकित्सा शिक्षा सचिव गायत्री राठौड़ ने जयपुरिया अस्पताल का निरीक्षण किया।

राठौड़ ने जयपुरिया अस्पताल में सुविधाओं के विकास पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सभी बड़े अस्पताल नेशनल क्वालिटी एश्यारेंस स्टेण्डर्ड को पूरा करें और एनक्यूएएस प्रमाण पत्र प्राप्त करें। बड़े अस्पताल स्वास्थ्य सुविधाओं के उच्चतम मानकों को पूरा करने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने अस्पताल परिसर में रोगियों एवं परिजनों के फीडबैक के लिए सुझाव पेटिका स्थापित करने तथा क्यूआर कोड सिस्टम लागू करने के भी निर्देश दिए।

- **साफ-सफाई एवं रोगी केन्द्रित नवाचारों पर व्यक्त की प्रसन्नता**

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि अस्पताल में न्यूरो एवं कार्डियक सुविधाओं को सुदृढ़ बनाया जाए, ताकि सवाई मानसिंह अस्पताल में रोगी भार कम हो।

उन्होंने इसके लिए जरूरी मानव संसाधन का प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में आपातकालीन इकाई एवं ट्रोमा सेंटर के विकास एवं वहां उपलब्ध सुविधाओं पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने अस्पताल में ओपीडी, इनडोर, ब्लड बैंक, आपातकालीन इकाई, दवा काउंटर, जांच लैब सहित अन्य विभागों का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई एवं रोगी केन्द्रित सेवाओं के लिए अस्पताल प्रशासन की प्रशंसा की।

राठौड़ ने इस दौरान रोगियों से भी संवाद किया और उनसे चिकित्सा सुविधाओं के बारे में फीडबैक लिया। रोगियों ने कहा कि अस्पताल में क्यू मैनेजमेंट व्यवस्था प्रांरभ होने से अब उन्हें कतारों में खड़ा नहीं रहना पड़ता। साथ ही, पारदर्शी तरीके से उपचार मिलता है। एक रोगी ने कहा कि जयपुरिया अस्पताल में साफ-सफाई एवं अन्य सुविधाएं निजी अस्पताल की तरह मिल रही हैं।

अस्पताल के अधीक्षक डॉ. महेश मंगल ने क्यू मैनेजमेंट सिस्टम एवं हेल्प डेस्क व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अस्पताल में हर प्रमुख विभाग एवं स्थान पर हेल्प डेस्क स्थापित की जा रही है, ताकि रोगी को संबंधित विभाग में उपचार, जांच एवं दवा आदि प्राप्त करने की जानकारी एवं जरूरी सहायता वहीं मिल सके। रोगी को अनावश्यक रूप से अस्पताल में भटकना नहीं पड़े।

ये हेल्प डेस्क काउंटर जनसहयोग के माध्यम से प्राप्त किए गए है। निरीक्षण के दौरान अस्पताल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

आरयूएचएस में दूर होगी मानव संसाधन की कमी

जयपुर। रोगियों को बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं सुगमता एवं सुलभता के साथ उपलब्ध करवाने तथा सवाई मानसिंह अस्पताल का मरीज भार कम करने के लिए आरयूएचएस अस्पताल में मानव संसाधन की कमी दूर की जाएगी। सुपर स्पेशलिटी सेवाओं के विस्तार की दिशा में कार्डियो, न्यूरो, यूरोलॉजी एवं गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी के लिए डेडीकेटेड सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक जल्द प्रांरभ किए जाएंगे। साथ ही, यहां उपलब्ध इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं सुविधाओं का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि रोगियों को शहर में उपचार के लिए एक और बेहतर विकल्प मिले।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने शुक्रवार को आरयूएचएस अस्पताल के निरीक्षण के उपरांत उच्च स्तरीय बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में आउटडोर एवं इनडोर में रोगियों की संख्या बढ़ाने तथा उपलब्ध सुविधाओं का पूरा उपयोग करने के लिए एक्शन प्लान जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में निर्धारित ड्यूटी के अनुसार चिकित्सक एवं अन्य स्टाफ पूरे समय उपस्थित रहें। उन्होंने इसके लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रारंभ करने के भी निर्देश दिए।

राठौड़ ने कहा कि अस्पताल में सुपर स्पेशलिटी सुविधाओं के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल में सुविधाओं के विस्तार के लिए आवश्यकतानुसार सीनियर रेजीडेंट की सेवाएं ली जाएं। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में कक्षाओं के नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण संचालन पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इसे चिकित्सा शिक्षा की दिशा में एक उच्च स्तरीय संस्थान के रूप में विकसित कर रही है, इसलिए यहां शोध, अनुसंधान एवं शिक्षण कार्यों का स्तर और बेहतर बनाया जाए।

इससे पहले प्रमुख शासन सचिव ने अस्पताल परिसर में जांच, दवा एवं उपचार व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने आउटडोर, आपातकालीन इकाई, आईसीयू एवं सामान्य वार्ड सहित अन्य सुविधाओं का जायजा लिया।

National Gazpacho Day: A Cool Celebration of Flavour

Celebrated on December 6, National Gazpacho Day honours the refreshing Spanish soup that brings a burst of summer to winter tables. Made from blended tomatoes, peppers, cucumbers, garlic, and olive oil, gazpacho is a vibrant mix of health and taste. This chilled delicacy, rooted in Andalusian tradition, is packed with antioxidants and nutrients, making it a deliciously wholesome choice. On this day, food lovers are encouraged to experiment with classic and modern versions, savoring how simple, fresh ingredients can create a dish that's both cooling and nourishing, perfect for any season.

#GLAMDAME

Get the bridal glow

Smokey eyes with nude make-up are a statement look, eyes can be created effortlessly using a kohl pencil and eye shadow. Upgrade this look by dabbing on gold shimmer in the centre of the eyelid

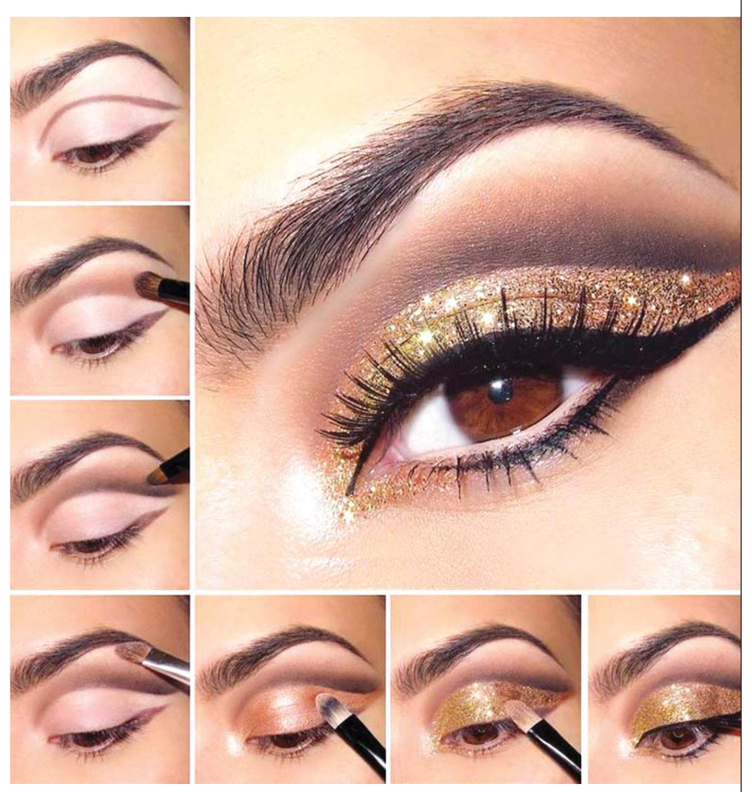

Heat and humidity is always a summer bride's number one enemy. It can cause your make-up to melt completely if it is not applied right. A girl's wedding day has to be one of the most unforgettable days in her life and looking good becomes a major part of it. So, don't let the wedding jitters get the better of you. Whether you are going for a traditional look or a fusion feel, these make-up tips will make sure you look ethereal on your big day.

- Apply your foundation using professional techniques like stroking and airbrushing to give a dewy look that leaves a subtle sheen.
- Unleash your regal charm by turning to the summer shade of the season. Use different eye shadow shades, from low to high intensity. This will add drama to the eyes. Rim them with dark kohl. Finish by adding a touch of natural shade for the lips.
- For a morning function, opt for a gradient of pink eye shadow blended with molten gold to magnify the sparkle in your eyes and define them with sharp edges of kohl. Contouring your delicate features, finish with a glossy brown nude lip colour to add opulence to this look.
- Use opulent shades of bronze and gold on your eyes. Illuminate the dewy base with a golden-bronze shimmer which blends beautifully with Indian skin tones.
- Make a powerful statement and enhance your pout by strutting a bold metallic red lip.
- Smokey eyes with nude make-up are always a statement look. Absolutely simple and versatile, these eyes can be created effortlessly using a kohl pencil and eye shadow. Upgrade this look by dabbing on gold shimmer in the centre of the eyelid.
- Use a highlighter on your cheeks to achieve an illuminating glow and a soft peach blush on your cheeks.
- Apply a shade of pearl eye shadow in the inner corner of your eye and brow bone to highlight them.
- Line your eyes with glitter eyeliner lightly and finish it off with 2-3 coats of mascara.

It is 'your' big day, so, make sure you don't compromise on getting the perfect look.

Surkhab.

I recall long discussions with Shekhar Saheb in which we were discussing issues related to changing the monogram and motto of Rajasthan Police. Sheilaji invariably joined the deliberations. She was insistent that Police should cease to be called a 'Force' in a democracy and the monogram should also have something more vibrant than depiction of camel and sand dunes. These suggestions affected our final decisions because Kirti Stambh from Chittorgarh Fort, and Emperor Ashoka's three lions were adopted for new monogram and Police's new motto was coined as 'Sewa aour Katibaddhata.'

Mrs. Sheila Shekhar

A Lady To Remember

Ashok Bhandari

On January 23, 2023, Shri Rajendra Shekhar, a distinguished Police Officer of Rajasthan cadre, breathed his last. I had been his IPS Probationer way back in1967-68, and was fortunate to see him work as a mature and successful Superintendent of Police from close quarters. I had written an obituary after his death. Unfortunately, charming Smt. Sheila Shekhar also passed away in early hours of November 20, 2025. After Sheilaji's demise also, I feel like writing few words.

Shri Shekhar not only trained but also mentored me like his younger brother during my service tenure. Even later, when I was in confusion or unable to deal with some serious problem, I approached him for advice. He always counseled me to be patient, truthful, kind, unassuming, and above all, helpful human being. Providentially, I got married soon after training and in Sheilaji Usha, my wife found an elder sister and living example of Police officer's ideal spouse. Her companionability and compassion made deep impression on us. Others who knew Smt. Sheila Shekhar also vouched for her qualities of head and heart. We felt that she had a lot to do for Shekhar Saheb's charisma and success.

Smt. Sheila Shekhar belonged to a Verma family and daughter of a Bank officer in Lahore, of undivided Punjab. She spent her early childhood with her parents there and graduated with degree of Economics Honours from Miranda House, Delhi. Shri Rajendra Shekhar also graduated in the same subject followed by MA from Delhi University's St. Stephen's College. Their friendship blossomed into marriage immediately after Shekhar Saheb cleared the UPSC examination for IPS and was allotted Rajasthan cadre. Early days of Sheilaji's marriage in a conservative Brahmin family were intense, but with simplicity and determination, she managed to inculcate values and norms of Shekhar family, tide over language problems and earn confidence of Shekhar family's elders. Very soon, they also reconciled to the fact of their inter-caste matrimony, and in no time, she became a successful homemaker.

Even in laid-back, small rural districts of Rajasthan, she didn't get bored because she continued her good habit of reading. In due course came their three sons, Sanjiv, Bharat, Arjun, and last of all, lovely daughter named Shalini. She was in cradle when Shekhar Saheb was Superintendent of Police in Jodhpur and I came under his umbrella as trainee IPS Probationer. All the children were quite small and their grandparents came from Bharatpur to play with and get entertained by their grandchildren. They won't remember but whenever I accompanied Shekhar Saheb to his home for lunch, I also basked with them in wintry sunshine, after lunch on front lawn of their spacious government bungalow. Sheilaji sometimes consoled me when I looked rattled by the rigour of my training or bored with food prepared in lone bachelor's kitchen by an ill-equipped cook.

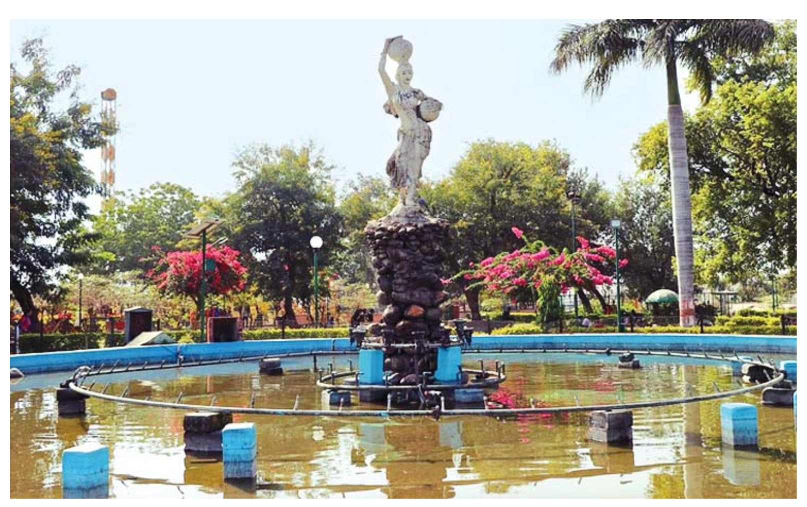

#SWEET MEMORIES

Things didn't change much when Shekhar Saheb moved to Delhi on deputation as DIG in the CBI, except that he was overburdened by onerous responsibilities of scrutiny and investigation of complicated cases from all over India. He always went to office early and returned back late in the night. In the meantime, Sheilaji remained busy grooming their children. During this period, Shekhar Saheb happened to go to London for training of similar sleuths belonging to Commonwealth countries under a Colombo Plan. For their boarding and lodging, adequate arrangements were made in various hotels. As luck would have it, Shekhar Saheb fell ill, and although, arrangements for his treatment were also made, he started feeling very lonely. At that time, I was posted as First Secretary in the Indian High Commission, London, and we decided to shift him to my home.

Sheilaji used to be ever so worried for Shekhar Saheb's health and rang up every evening to get latest news about his recovery. A few years later, when Shekhar Saheb finally returned back to Rajasthan after numerous extensions, my association with him resumed as his colleague. Within a few months, he was elevated to become the DGP of Rajasthan Police, at which time, I was Additional DG, Special Branch and was considered as his close confidant. Mrs. Shekhar's mentoring of Usha resumed, and vice versa as she was able to comfort Sheilaji in most of her worries about Shekhar Saheb's lack of structure of work-schedule and parameters of health.

Under Sheilaji's leadership, activities of Police Officer's Ladies Club gained momentum. This informal group used to meet once a month for recreation, but they also undertook activities for the welfare of families of subordinate ranks living in District Police Lines. Sheilaji's care and concern for them had become proverbial. I recall long discussions with Shekhar Saheb in which we were discussing issues related to changing the monogram and motto of Rajasthan Police. Sheilaji invariably joined the deliberations. She was insistent that Police should cease to be called a 'Force' in a democracy and the monogram should also have something more vibrant than depiction of camel and sand dunes. These suggestions affected our final decisions because Kirti Stambh from Chittorgarh Fort, and Emperor Ashoka's three lions were adopted for new monogram and Police's new motto was coined as 'Sewa aour Katibaddhata.' These are few examples of Sheilaji's very creative mind-set.

However, golden period of our togetherness started after our retirement when we decided to settle down in Jaipur. During this phase, we travelled far and wide for pleasure always in one car to the places of cultural and historical significance. Very relaxed week long visit to Jaisalmer hosted by Shri and Smt Rajiv Dasot IPS as DIG BSF in his own house remains memorable. Similarly, we were looked after wonderfully well by the Superintendents of Police, Kota, Bundi and Jhalawar and the Commandant, RAC Battalion stationed at historic Amar Niwas campus situated on the banks of Chambal river. During this trip, we not only visited many historic Hadoti forts, castles and temples but also dropped in at SP Bundi's official bungalow where Shekhars had lived many decades earlier as SP Bundi.

Although, Shekhars belonged to Bharatpur, Sheilaji confessed that she could see her favourite migratory 'Surkhab,' or Bamani Duck donning streaks of red feathers on flanks from close quarters only when I took them to Ghana Bird Sanctuary. On Shekhar Saheb's insistence, we proceeded to see Mughal period's grandeur of Fatehpur Sikri and Taj Mahal in Agra for old times' sake, which was followed by visit to Sadar Bazar to buy leather shoes and eat famous 'Dahi-Bhalla-Chaat.' Shekhar Saheb wrote five very thought provoking books in English and one in Hindi, encompassing his experiences as a Police officer and his philosophy of life. His love for Sheilaji permeates passages of these books.

When he was busy in his study writing books, Sheilaji was busy reading English novels. After reading, she passed some to me to read. When reading became problematic because of deteriorating eyesight, she started concentrating on Pakistani plays on their big screen TV, lists of which were exchanged with her by Usha. After Shekhar saheb's passing away, Sheilaji couldn't collect herself completely.

Children attended to her needs tenderly while Bharat spent maximum time with her. Dr. R.K. Madhok, in whom she had abundant faith, was her neighbourhood physician for many years. He managed all her old age related problems with care. Jeet Malji retired as Accounts officer from Anti Corruption Department, dealt with all her Family Pension and CGHS and medicine related issues. Rohit Mahajan, a retired IPS officer and our colleague, dropped in every few days to solve many of her day to day problems. Miss Laxmi, her nursing attendant, and Kalpana, her cook as well as housekeeper, never left her alone.

It was sheer coincidence that Sheilaji and Usha were allotted adjacent Private Rooms in the Santokba Hospital when both were briefly under the weather recently. Usha and I can never forget the attention we received during our last meeting with her when sitting in garden, in warm sunshine, she insisted that I have hot while Usha will have her favourite cold coffee and cookies, and to give us company, she sipped 'nimbu-pani.' She was looking somewhat dull that day, so, Usha cheered her up by giving names of some new Pakistani plays to Bharat, which she thought would cheer her up. She bid us goodbye for a good holiday because soon after this treat, we departed for a week long holiday to a hill resort in Himachal Pradesh. Usha enquired about the state of her health from Bharat on telephone and everything appeared hunky dory.

However, by the time, we returned, she was frail and could not communicate with us on telephone. Before we could go to meet her, Bharat informed that she breathed her last, late last night. This news came as a rude shock with only solace that she passed during deep sleep and didn't suffer towards the end. Her passing away, no doubt, is an irreparable loss to her family but she lived 91 glorious years, 89 of which in company of her soulmate. As I write this, she must now be with Shekhar Sahab in the Garden of Eden. We pray that their Soul Rest In Peace, *Om Shanti*!!!

rajeshsharma1049@gmail.com

#RESILIENCE

Why Bats Don't Get Cancer?

Scientists for years, and recent research is shedding light on why bats seem to be so resistant to cancer

Bats are some of the most fascinating creatures in the animal kingdom. Not only are they unique for their ability to fly and their crucial role in ecosystems as pollinators and insect controllers, but they also possess an astonishing characteristic: they rarely get cancer. This remarkable trait has intrigued scientists for years, and recent research is shedding light on why bats seem to be so resistant to this deadly disease.

The Bat's Immune System: A Key to Cancer Resistance?

One of the primary reasons bats are less susceptible to cancer is their exceptional immune system. Bats have evolved to live in environments full of pathogens, including viruses and bacteria, making them highly resilient to infections. Their immune systems are supercharged, likely as an adaptation to the viruses they harbor, many of which can be deadly to other animals or humans, such as Ebola, Rabies, and SARS-CoV-2.

Interestingly, bats' immune systems are not just good at fighting infections, they also appear to be good at detecting and eliminating abnormal cells before they can form tumors. The Bat's tumor-suppressing genes seem to be more efficient than those of other mammals, and they could play a role in reducing the risk of cancer development.

Longevity and Cell Protection

Bats are incredibly long-lived for their size. While many small mammals only live a few years, some bat species can live for decades, sometimes up to 30 years or more. The longer an organism lives, the greater its exposure to mutations that could lead to cancer. However, bats' long lifespans suggest they have developed mechanisms to protect their cells from aging and mutation accumulation.

One such mechanism is their DNA repair system. Bats have highly effective repair mechanisms that ensure that their cells' genetic material stays intact over time, reducing the likelihood of mutations that could lead to cancer. The DNA repair systems in bats work so efficiently that some scientists believe it could hold important insights for human cancer prevention.

High Metabolism and Reduced Cancer Risk

Another key factor in bats' cancer resistance may lie in their metabolism. Bats have a high metabolic rate, which is one of the fastest among mammals. While rapid metabolism usually accelerates aging and disease progression, in bats, it appears to have the opposite effect. Researchers believe that bats' high metabolic rate might help them maintain healthy cells by promoting fast cell turnover and efficient waste removal at the cellular level. This reduces the chances of damaged or abnormal cells accumulating in their tissues.

The Role of Tumor-Suppressing Proteins

In addition to their robust immune systems, bats seem to possess specialized proteins that may aid in cancer suppression. For example, p53, a well-known tumor-suppressor protein, plays a major role in the regulation of the cell cycle and the prevention of cancer. This protein helps cells repair themselves when DNA is damaged or signals to the body to destroy cells that could become cancerous. Bats seem to have an enhanced version of the p53 protein. This enables their cells to recognize and repair damage more efficiently, preventing the formation of tumors. Moreover, these proteins may allow bat cells to survive cellular stress that would likely damage cells in other animals, including humans.

The Bat-Human Connection: Potential for Cancer Research

The discovery that bats rarely get cancer has profound implications for human cancer research. Scientists are now investigating how bat biology, particularly their tumor-suppressing genes, immune system, and DNA repair mechanisms, can be applied to human medicine. By understanding how bats manage to live long, healthy lives despite the many risks they face, researchers hope to develop new treatments or preventive strategies for cancer in humans.

THE WALL

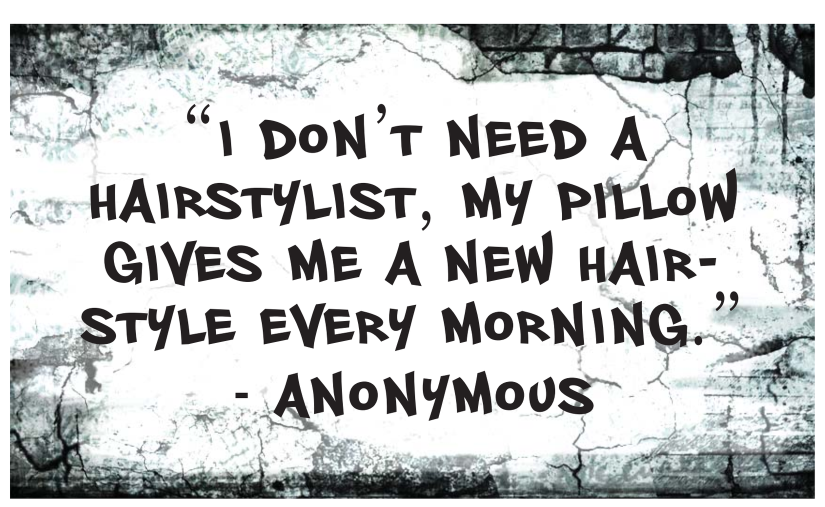

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

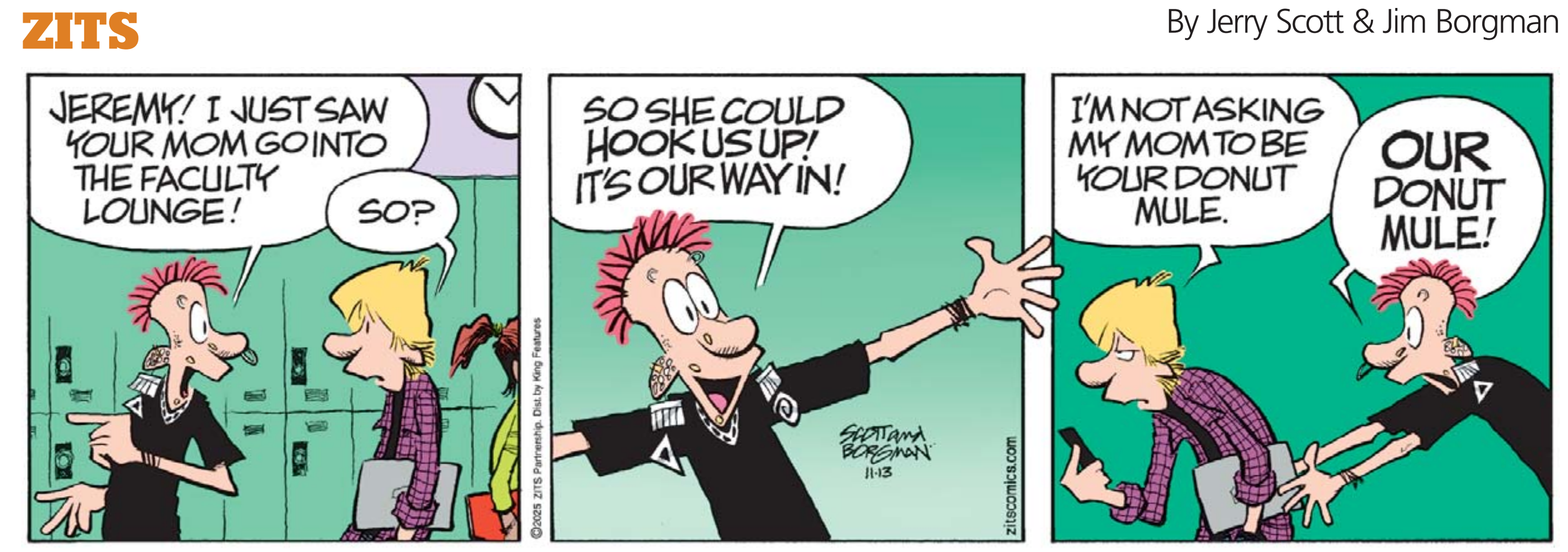

दो पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ने पर विवाद हिंसक हुआ, पांच गिरफ्तार

बाइक को आग लगाई, प्रेम प्रसंग से जुड़ा विवाद बताया जा रहा है

चाकसू, (निसं)। चाकसू विधानसभा क्षेत्र के शिवदासपुरा थाना क्षेत्र के चंदलाई गांव में गुरुवार सुबह दो पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ने पर विवाद हिंसक हो गया। स्थिति इतनी बिगड़ी कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की मोटरसाइकिल में आग लगा दी। आग लगने के कुछ ही मिनटों में बाइक पूरी तरह जलकर राख हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

जांच अधिकारी लेखराज मीणा ने बताया कि चंदलाई बस स्टैंड के पास शिव मंदिर के सामने दो पक्षों के बीच मारपीट की खबर मिली थी और एक बाइक को जला दिया गया था। थानाधिकारी सुरेंद्र सैनी पुलिस जाब्ते के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस के पहुंचने तक घटनास्थल पर करीब 100-150 लोगों की भीड़ जमा हो चुकी थी। भीड़ का आक्रोश बढ़ता देख

मामले की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची।

पुलिस को दोनों पक्षों को अलग करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान कुछ लोगों ने पुलिस टीम के साथ धक्का-मुक्की करने की भी कोशिश की, जिसे देखते हुए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद दोनों पक्षों के कई लोगों को मौके से हिरासत में लेकर थाने लाया गया। जली हुई मोटरसाइकिल भी जब्त कर थाने में रखवाई।

पुलिस की प्राथमिक जांच से

- **कुछ लोगों ने पुलिस टीम के साथ धक्का-मुक्की करने की भी कोशिश की**

पता चला कि विवाद के पीछे प्रेम प्रसंग की बात सामने आई है। पूरे मामले की पुष्टि होने पर पुलिस ने केस दर्ज किया। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एक पक्ष से कैलाश शर्मा (30) और दूसरे पक्ष से लालाराम उर्फ लालचंद योगी (50), मदन योगी (25), राजेश योगी (28) और उमेश कुमार (34) को पकड़ा गया है। सभी आरोपी चंदलाई गांव के रहने वाले हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान भी कर रही है।

अलवर से चोरी हुआ तेजाब से भरा टैंकर हरियाणा में पकड़ा

पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के एनईबी थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात ट्रांसपोर्ट नगर स्थित जीवनधारा हॉस्पिटल के पास से तेजाब से भरा एक टैंकर चोरी हो गया। टैंकर में करीब छह लाख रुपए कीमत का तेजाब भरा हुआ था।

ट्रक ड्राइवर चंचल सिंह ने बताया कि वह कंपनी से तेजाब भरवाकर टैंकर को अपने घर के पास खड़ा कर गया था। उसे सुबह करीब चार बजे टैंकर को लेकर बहरोड़ के पास केसवाणा स्थित एक कंपनी में पहुंचना था, लेकिन जब वह सुबह टैंकर के पास पहुंचा तो पता लगा

- **टैंकर में करीब छह लाख रुपए कीमत का तेजाब भरा हुआ था**

कि वाहन चोरी हो चुका है। ड्राइवर ने तुरंत ट्रक मालिक को इसकी सूचना दी, जिसके बाद गुरुवार सुबह एनईबी थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। टैंकर में जीपीएस लगा हुआ था, जिसकी लोकेशन हरियाणा के पुन्हाना क्षेत्र में मिली। इस आधार पर अलवर पुलिस ने हरियाणा पुलिस की मदद से वहां से टैंकर को बरामद कर लिया। मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया गया है, हालांकि पुलिस ने अभी उसके नाम का खुलासा नहीं किया है।

जब टैंकर मालिक ने टैंक की जांच की तो पता लगा कि उसमें सिर्फ आधा तेजाब बचा है, जबकि करीब तीन लाख रुपये कीमत का तेजाब गायब है। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है कि तेजाब कहां और किसे बेचा गया। पुलिस ने टैंकर को जब्त कर थाने में खड़ा कर दिया है और मामले की आगे जांच जारी है।

रामगंजमण्डी में युवक की संदिग्ध मौत

रामगंजमण्डी, (निसं)। शहर में शुक्रवार को युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत का मामला प्रकाश में आया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता के साथ मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में लेते हुए मृतक नवनीत सोनी की लाश को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार शुक्रवार को फरियादी यशंवत सोनी पुत्र मनमोहन सोनी निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रामगंजमण्डी जिला कोटा ने एक रिपोर्ट इस आशय की पेश की कि मैं व मेरा भाई नवनीत सोनी दोनों रामगंजमण्डी में रहते हैं। मेरा भाई नवनीत व उसका लड़का हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रामगंजमण्डी में निवास करते हैं। मेरे भाई के परिवार में भाई की पत्नी कृष्णा सोनी दो लड़कियां नम्रता 5 साल, रिदिमा साढे तीन साल है। गुरुवार को मेरे छोटे भाई की पत्नी कृष्णा सोनी व बच्चियां व मेरी माताजी कोटा शादी में गये थे। घर पर मेरा भाई नवनीत ही था। मेरे पास कोटा से जीजाजी दिनेश सोनी का फोन आया व बताया कि आपके छोटा भाई नवनीत सोनी की मृत्यु हो गई है। मैं कनवास से वापस रामगंजमण्डी आया। मेरे भाई के घर पर गया तो जमीन पर मेरे भाई नवनीत को लेटाया हुआ था। मैंने मेरे भाई को देखा तो मेरे भाई के पूरे शरीर पर जगह-जगह चोटों के निशान थे। जिसमें हाथ, पैर, पीठ, सीना, कुल्हा व मुंह पर सूजन आ रही थी। मेरे भाई की मौत हो गई थी। मैंने पूछा तो लोगों ने बताया कि रात्रि को मेरे भाई नवनीत व उसके मित्र अशोक योगी निवासी रामगंजमण्डी ने रात्रि शराब पी है। इनके साथ गौरव सोनी भी रात्रि में आया था। मुझे शंका है कि अशोक व गौरव ने मेरे भाई के साथ मारपीट कर चोटे पहुंचाई है। मेरे भाई के चोटें लगने के कारण उसकी मौत हो गई है। थाना रामगंजमण्डी पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान राजकुमार उप निरीक्षक द्वारा प्रारम्भ किया गया। प्रकरण में दौराने अनुसंधान मृतक की नवनीत की लाश का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया। लाश की वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी की गई। घटनास्थल का निरीक्षण एफ.एस.एल. टीम द्वारा किया गया। प्रकरण की घटना में संलिप्त तथा कथित आरोपी गौरव सोनी को पूछताछ के लिये तलब किया गया है।

बांग्लादेशियों को भारत से हटा दें तो देश और वोटर लिस्ट दोनों सुरक्षित : तोगड़िया

जोधपुर, (कासं)। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि देश में तीन करोड़ बांग्लादेशी हैं, जिनको हटाने से मतदाता सूची अपने आप ठीक हो जाएगी। वहीं देश भी सुरक्षित हो जाएगा। तोगड़िया यहां जोधपुर प्रवास के दौरान पत्रकारों से मुखातिब हुए।

- **अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक डॉ. प्रवीण तोगड़िया जोधपुर प्रवास के दौरान पत्रकारों से मुखातिब हुए**
- **डॉ. तोगड़िया ने राजस्थान में बनाए धर्मांतरण कानून सराहा और कहा कि उदयपुर, बांसवाड़ा, हनुमानगढ़ जैसे जिलों में धर्मांतरण का खेल चल रहा है**

डॉ. तोगड़िया ने कहा कि एसआईआर मतदाता सूची को ठीक करने के लिए चल रही है। यह प्रयास अच्छा है, लेकिन मेरा कहना है कि बांग्लादेशियों को भारत से ही हटा दें तो देश भी सुरक्षित बनेगा और मतदाता सूची खुद ब खुद सुरक्षित हो जाएगी। देश की आंतरिक सुरक्षा पर तोगड़ियाने कहा कि उदयपुर में कन्हैयालाल का गला काटना हम भूल नहीं पाए। सभी को इन जेहादी गतिविधियों को रोकने में लगाना चाहिए। जिहादी गतिविधियां पूरे देश में चल रही हैं। पहलगाम और दिल्ली ब्लास्ट इसका उदाहरण है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा पर कहा कि रूस और भारत के संबंध बहुत पुराने और प्रगाढ़ हैं। डॉ. तोगड़िया ने राजस्थान में बनाए धर्मांतरण कानून सराहा। बोले कि उदयपुर, बांसवाड़ा और हनुमानगढ़ जैसे जिलों में धर्मांतरण का खेल चल रहा है। इसे रोकने को हम भी प्रयासरत हैं। सरकार कानून बनाकर भी इनको रोकें। किसी भी हाल में धर्मांतरण नहीं होना चाहिए। खासतौर से कानून बनने के बाद उसके प्रावधानों की पालना सुनिश्चित करना जरूरी है।

तोगड़िया ने कहा कि हम हिंदुओं को जागृत करने और उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हनुमान चालीसा केंद्र गांव, गली व मोहल्ले तक चला रहे हैं। हर मंगलवार एवं शनिवार को हनुमान चालीसा होता है। इसके अलावा हिंदुओं की स्वास्थ्य जांच के लिए भी हम काम कर रहे हैं, जिससे कि ब्लड प्रेशर, शुगर और हार्ट से जुड़ी बीमारियों से पीड़ित न हों। शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ धर्म को भी मजबूत करेंगे तो हम विकसित होने की राह पर चलेंगे।

108 एंबुलेंस में महिला ने बच्चे को जन्म दिया

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के थानागाजी के दुहार चौगान में एक महिला ने 108 एम्बुलेंस में ही बच्चे को जन्म दिया। एम्बुलेंस के ईएमटी अमीचंद गुर्जर और ड्राइवर मान सिंह ने प्रसव कराया। जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं, जिन्हें बाद में थानागाजी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ईएमटी अमीचंद गुर्जर ने बताया कि वे शाम पांच बजे दुहार चौगान में राधा देवी के घर पहुंचे और प्रसूता को लेकर रवाना हुए। लगभग सात मिनट बाद ही महिला ने एम्बुलेंस में बच्चे को जन्म दे दिया। उन्होंने बताया कि जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सरिस्का अभयारण्य का सिलीबेरी गेट खोलने की मांग

बिना किसी पूर्व सूचना के गेट बंद कर दिया था

ग्रामीणों ने वन मंत्री संजय शर्मा को ज्ञापन सौंप सिलीबेरी गेट खोलने की मांग की है।

अलवर, (निसं)। मालाखेड़ा क्षेत्र के बालेटा, पृथ्वीपुरा, खारेड़ा और पूनखर सहित लगभग एक दर्जन गांवों के ग्रामीणों ने वन मंत्री संजय शर्मा को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने सरिस्का अभयारण्य के सिलीबेरी गेट को तुरंत खोलने की मांग की है।

ग्रामीणों ने बताया कि सरिस्का अभयारण्य क्षेत्र में स्थित श्री पांडुपोल हनुमानजी महाराज मंदिर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। दूर-दराज से आने वाले भक्त परंपरागत रूप से सिलीबेरी गेट से होकर ही मंदिर पहुंचते रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि हाल ही में बिना किसी पूर्व सूचना के सिलीबेरी गेट को बंद कर दिया गया है। इस निर्णय से स्थानीय लोगों के आवाजाही, व्यापार, रोजगार और

- **गेट को बंद होने से स्थानीय लोगों के आवाजाही, व्यापार, रोजगार और धार्मिक गतिविधियों पर प्रभाव पड़ा है**
- **बालेटा, पृथ्वीपुरा, खारेड़ा और पूनखर सहित कई गांवों के ग्रामीणों ने वन मंत्री को ज्ञापन सौंपा**

धार्मिक गतिविधियों पर प्रभाव पड़ा है। श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने के लिए अब लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें परेशानी हो रही है।

ज्ञापन में ग्रामीणों ने मांग की है कि सिली बेरी गेट को पूर्व की भांति आमजन के लिए तुरंत खोला जाए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण की दृष्टि से आवश्यक हो, तो समय निर्धारण या पास सिस्टम जैसी व्यवस्थाएं लागू की जा सकती हैं। इससे श्रद्धालुओं की सुविधा भी बनी रहेगी और वन विभाग के नियमों का पालन भी सुनिश्चित होगा। ग्रामीणों ने पांडुपोल मंदिर रास्ते पर मूलभूत सुविधाएं और यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने की भी मांग की। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि वन मंत्री के हस्तक्षेप से हजारों स्थानीय निवासियों, व्यापारियों और श्रद्धालुओं की समस्या का समाधान होगा।

लाखों का माल हड़पा, मामला दर्ज

उदयपुर, (का.सं.)। शहर के हाथीपोल थाना पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ लाखों का माल हड़पने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार

- **20 लाख का माल ट्रक में भर कर हेण्डीक्राफ्ट शोरूम आबूरोड़ ले जाकर खाली किया**

पीड़ित मो. शादाब खां पुत्र अब्दुल लतीफ निवासी अलीपुरा ने आरोपी फिरोज खां पुत्र मेहमूद खां निवासी मंसुरी हाउस रजा कॉलोनी अम्बामाता के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि आरोपी के साथ हिस्सेदारी में राजस्थान ट्राईबल आर्ट के नाम से हैण्डीक्राफ्ट का काम करता था। कुछ समय बाद काम करना बंद कर दिया। इस दौरान आरोपी 13 दिसंबर 18 को 20 लाख रूपये का माल ट्रक में भर कर हेण्डीक्राफ्ट शोरूम आबूरोड़ ले जाकर खाली कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

मोटर गैराज में आग लगाने वाला मास्टर माइंड गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। पुलिस ने 29 नवंबर की रात को चूरू बाईपास पर गैराज फूंकने वाले बदमाश अनिल कुमावत उर्फ हांडिया को गिरफ्तार कर लिया है। अनिल कुमावत उर्फ हांडिया को मोडा पहाड़ इलाके से गिरफ्तार किया है। वह महिलाओं के कपड़े पहनकर फरारी काट रहा था और मोडा पहाड़ के गड्ढों में छुपा हुआ था, जो अपनी पत्नी से मिलने आया तो पुलिस ने उसे धर दबोचा।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि 29 नवंबर की रात को चूरू बाईपास स्थित मन्नत मोटर्स के गैराज में खड़ी 18 गाडियों को पेट्रोल डालकर आग लगाने का मास्टर माइंड अनिल कुमावत उर्फ हांडिया था, जिसने ही अपने अन्य साथियों के साथ पूरा का पूरा गैराज फूंक डाला। इस मामले में पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका था। वहीं दो नाबालिगों को भी निरूद्ध किया गया था। इस मामले के मास्टर माइंड अनिल कुमावत उर्फ हांडिया की तलाश में टीमों ने अनिल कुमावत के संभावित ठिकानों झुंझुनूं शहर, बगड, चिडावा, पिलानी, सिंघाना, खेतड़ी, गुढा, उदयपुरवाटी, नवलगढ़, मुकुन्दगढ़, सीकर, जयपुर में दबिशें दी थी। इसी दौरान दो दिन पहले तीन दिसंबर को पुलिस को सूचना मिली कि

बदमाश अनिल कुमावत उर्फ हांडिया।

अनिल कुमावत उर्फ हांडिया मोडा पहाड़ में महिलाओं के कपडे पहने हुए गड्ढों में छुपा हुआ है, जो आधी रात को पुलिस से छुपकर अपनी पत्नी से मिलने घर

- **महिलाओं के कपड़े पहनकर फरारी काट रहा था और मोडा पहाड़ के गड्ढों में छुपा हुआ था**

जाएगा। पुलिस ने सूचना पर मोडा पहाड़ में तलाश शुरू की। इस दौरान एक गड्ढे में अनिल कुमावत महिलाओं के कपडे में दिखाई दिया। जिसे घेराबंदी कर पकड़ने की कोशिश की तो वह भागने लगा और पहाड़ में ही बने दूसरे गड्ढे में जा गिरा। जिससे उसका पैर टूट गया। पुलिस ने पहले उसका इलाज करवाया और पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार शाम को मौका तस्दीक के लिए अनिल कुमावत को पैदल ही मन्नत मोटर्स ले जाया गया, जहां पर उसने मौका तस्दीक किया। इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने पुलिस के जिंदाबाद के नारे लगाए और शहर कोतवाल श्रवण कुमार, जांच अधिकारी एसआई रामनिवास और अन्य पुलिसकर्मियों का माला पहनाकर स्वागत किया। वहीं बदमाश अनिल कुमावत भी कान पकडे हुए नजर आए। पूरे रास्ते वह कान पकड़े रहा और मुझसे गलती हो गई। आगे नहीं करूंगा। अपराध मत करो। बोलता सुनाई दिया।

श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट एसोसिएशन की रिट याचिका निस्तारित

जोधपुर, (कासं)। श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से दायर रिट याचिका का राजस्थान हाईकोर्ट ने निस्तारित कर दिया है। आरसीए की ओर से बताया गया कि ओम्बड्समैन (लोकपाल) की नियुक्ति होने के बाद याचिका का औचित्य समाप्त हो गया है।

जस्टिस डॉ. नूपुर भाटी की कोर्ट में श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट संघ के सचिव विनोद सहारण की ओर से दायर इस याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान आरसीए (एडहॉक कमेटी) की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. सचिन आचार्य ने पक्ष रखा।

आरसीए की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट डॉ. आचार्य ने कोर्ट को बताया कि याचिका लंबित रहने के दौरान ही दो अक्टूबर के आदेश के तहत नए लोकपाल की नियुक्ति की जा चुकी है। उन्होंने तर्क दिया कि इस नियुक्ति के बाद याचिकाकर्ता की शिकायतों का निवारण हो गया है, इसलिए अब याचिका में सुनवाई के लिए कोई कॉज ऑफ एक्शन (वाद का कारण) शेष नहीं है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील इस दलील का विरोध नहीं कर सके। कोर्ट ने रिकॉर्ड पर दर्ज किया कि याचिकाकर्ता पक्ष प्रतिवादियों की इस दलील को नकारने की स्थिति में नहीं है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि चूंकि नए लोकपाल की नियुक्ति के बाद अब इस रिट में किसी तरह का विवाद शेष नहीं रह गया है। इसलिए इस पर आगे विचार करने की आवश्यकता नहीं है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अब कुछ भी निर्णय करने के लिए बाकी नहीं है, इसलिए रिट याचिका को इसी आधार पर निस्तारित किया जाता है। इस तरह श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट एसोसिएशन और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के एडहॉक कमेटी के बीच लोकपाल से जुड़ा विवाद कोर्ट की तरफ से औपचारिक रूप से समाप्त मान लिया गया।

वृद्धा से 25 लाख रुपए व 14 तोला सोना हड़पा

अलवर, (निसं)। अलवर में बुजुर्ग महिला से उसके देवर के बेटे ने ही 25 लाख रुपए और करीब 14 तोला सोना हड़प लिया। महिला घर में अकेली रहती है। एक बेटा है, जो बाहर रहता है। इसका फायदा उठाकर आरोपी ने रुपए-गहने हड़प लिए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला अलवर कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

कोतवाली थाने के विजेंद्र सिंह ने बताया कि परिवादी शिवपुरा केड़लगंज की रहने वाली चंद्रकांता शर्मा ने थाने में रिपोर्ट दी थी कि उसका देवर का लड़का चेतन शर्मा उसके पास रहता था। उसने झांसे में लेकर बैंक ले जाकर

- **पुलिस ने महिला के देवर के बेटे को गिरफ्तार किया**
- **महिला अकेली रहती है, एक बेटा बाहर रहता है**

फर्जीवाड़ा कर उसके खाते से 25 लाख रुपए निकाल लिए। इसके अलावा घर के अंदर से 14 लाख रुपए का सोना लेकर पार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की। इसके बाद आरोपी चेतन शर्मा को गिरफ्तार कर लिया।

हाईकोर्ट : आरक्षित वर्ग अभ्यर्थी के ज्यादा अंक तो जनरल में चयन

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने मेरिट माइग्रेशन के सिद्धांत को स्पष्ट करते हुए आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। जस्टिस फरजद अली ने अपने रिपोर्टेबल जजमेंट में स्पष्ट किया कि यदि आरक्षित वर्ग का कोई उम्मीदवार बिना किसी छूट (जैसे आयु या योग्यता) का लाभ लिए सामान्य वर्ग के कट ऑफ से ज्यादा अंक हासिल करता है, तो उसे सामान्य वर्ग में ही चयनित माना जाएगा। कोर्ट ने जोधपुर निवासी याचिकाकर्ता कीर्ति चौधरी की साल 2018 से लंबित याचिका को स्वीकार करते हुए उन्हें छह सप्ताह में जूनियर हाइड्रो जियोलॉजिस्ट पद पर नियुक्ति देने का आदेश दिया है।

मामला आरपीएससी की ओर से साल 2014 में विज्ञापित जूनियर हाइड्रो जियोलॉजिस्ट भर्ती से जुड़ा है, जिसका परिणाम 18 जनवरी 2018 को जारी हुआ था। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट को बताया कि ओबीसी (महिला) वर्ग की अभ्यर्थी दीप्ति कलाल ने 61 अंक प्राप्त किए थे, जबकि सामान्य (महिला) वर्ग की कट ऑफ 58 अंक थी। इसके बावजूद आरपीएससी ने दीप्ति कलाल को

- **कोर्ट ने जोधपुर निवासी याचिकाकर्ता कीर्ति चौधरी की साल 2018 से लंबित याचिका को स्वीकार किया**
- **राजस्थान हाईकोर्ट ने छह सप्ताह में जूनियर हाइड्रो जियोलॉजिस्ट पद पर नियुक्ति देने का आदेश दिया**

ओबीसी वर्ग में ही चयनित माना। वकील ने तर्क दिया कि चूंकि दीप्ति ने फीस के अलावा किसी अन्य छूट का लाभ नहीं लिया और उनके अंक जनरल कट ऑफ से ज्यादा हैं, इसलिए उन्हें जनरल कैटेगरी में शिफ्ट किया जाना चाहिए था। यदि ऐसा होता, तो ओबीसी वर्ग की सीट खाली होती और वेटिंग लिस्ट में नंबर-1 पर मौजूद कीर्ति चौधरी (56 अंक) का चयन हो जाता।

सुनवाई के दौरान आरपीएससी और सरकार की ओर से वकील ने 26 जुलाई 2017 के सर्कुलर का हवाला देते हुए याचिका का विरोध किया। सरकारी वकील ने तर्क दिया कि दीप्ति कलाल ने लिखित परीक्षा (स्क्रीनिंग टेस्ट) में जनरल कैटेगरी के कट ऑफ से कम अंक प्राप्त किए थे, इसलिए उन्हें रिजर्व कैटेगरी में रखा गया, भले ही इंटरव्यू के बाद उनके फाइनल मार्क्स ज्यादा थे। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला दिया।

कोर्ट ने अपने फैसले में लिखा कि फाइनल मेरिट ही प्रासंगिक है। जब ओबीसी उम्मीदवार ने जनरल उम्मीदवार (58) से अधिक अंक (61) प्राप्त किए, तो उसे जनरल कैटेगरी में रखना उत्तरदाताओं का कर्तव्य था। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि प्रशासनिक चूक संवैधानिक समानता को पराजित नहीं कर सकती। कोर्ट ने माना कि वर्ष 2017 का सर्कुलर संवैधानिक सिद्धांतों और बाध्यकारी नजीरों से ऊपर नहीं हो सकता। कोर्ट ने आरपीएससी और भू-जल विभाग को निर्देश दिया कि परिणाम को संशोधित मानकर कीर्ति चौधरी को ओबीसी (महिला) वर्ग में नियुक्ति दी जाए। यह प्रक्रिया छह सप्ताह में पूरी करनी होगी। याचिकाकर्ता को बैक वेजेस (पुरानी तनख्वाह) नहीं मिलेगी, लेकिन उनकी वरिष्ठता उनके जूनियर की नियुक्ति की तारीख से ही मानी जाएगी।

ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र प्रस्तुत करने का अवसर

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा प्राध्यापक एवं कोच (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के तहत विचारित सूची में सम्मिलित 5 विषयों के ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र प्रस्तुत नहीं किए हैं, को इस संबंध में अवसर दिया गया है। इसके तहत इतिहास, जीव विज्ञान एवं वाणिज्य विषय के अभ्यर्थियों को अंतिम तथा भौतिकी एवं अर्थशास्त्र विषय के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र प्रस्तुत करने का अतिरिक्त अवसर प्रदान किया गया है। इतिहास, जीव विज्ञान एवं वाणिज्य विषय के अभ्यर्थी 6 से 8 दिसंबर की रात्रि 11:59 बजे तक अपना ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। भौतिकी एवं अर्थशास्त्र विषयों के अभ्यर्थी 6 से 10 दिसंबर की रात्रि 11:59 बजे तक ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे।

सीएमएचओ ने टीबी क्लिनिक का औचक निरीक्षण किया

बूँदी, (निसं)। शुक्रवार को सीएमएचओ डॉ. ओ.पी. सामर ने अपने नियमित रूप से जारी गहन निरीक्षण अभियान के तहत ब्लॉक के साथ जिला स्तर की प्रमुख स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की भी व्यापक समीक्षा की। इसी क्रम में वे जिला टीबी क्लिनिक पहुंचे, जहां उन्होंने टीबी जांच व्यवस्था, निक्षय मित्र योजना, निक्षय पोषण कार्यक्रम तथा सिलिकोसिस रोगियों की प्रगति रिपोर्ट की जांच की।

डॉ. सामर ने प्रभारी चिकित्सक डॉ. कुलदीप मीणा से हैंड-होल्डिंग एक्स-रे मशीन, डिजिटल एक्स-रे रिपोर्टिंग सिस्टम की कार्यप्रणाली, रिपोर्टिंग प्रक्रिया, मशीन की संवेदनशीलता तथा रिकॉर्ड संधारण के बारे में विशेष रूप से जानकारी ली। उन्होंने रिपोर्टिंग को समयबद्ध, सटीक और मरीज-हितैषी बनाने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर डॉ. सामर ने टीबी रोगियों को व्यक्तिगत रूप से प्रोत्साहित करते हुए पोषण सामग्री का वितरण भी किया, ताकि उपचार अवधि में उन्हें बेहतर पोषण सहायता मिल सके। सीएमएचओ ने स्टाफ को निर्देश दिए कि टीबी व सिलिकोसिस रोगियों की मॉनिटरिंग नियमित रूप से की जाए, डिजिटल रिपोर्टिंग को बेहतर क्वालिटी के साथ समय पर अपलोड किया जाए, हर मरीज तक सरकार की योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ पहुँचे।

फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्र से नौकरी पाने का एक और मामला सामने आया

भीलवाड़ा में दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी सेवा में आने वाले एमएलवी कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर पंकज कुमार पर गाज गिर सकती है!

- असिस्टेंट प्रोफेसर पंकज कुमार ने लो विजन बताकर नौकरी ली, लेकिन कॉलेज में बिना चश्मे के ही आराम से पढ़ते-पढ़ाते हैं
- अब जयपुर स्तर से कॉलेज एजुकेशन के डायरेक्टर ने प्रदेश के कुछ असिस्टेंट प्रोफेसर की लिस्ट निकाली है, इनमें एक नाम पंकज कुमार चौधरी का भी है

भीलवाड़ा, (निसं)। फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी पाने वाली करेड़ा कार्यवाहक तहसीलदार कंचन सिंह का मामला पुराना भी नहीं हुआ था कि एक और नया मामला सामने आ गया है। भीलवाड़ा में दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी सेवा में आने वाले एक और सरकारी कार्मिक पर गाज गिर सकती है। अब बस इंतजार मेडिकल टेस्ट का है। इसकी कवायद भी शुरू हो चुकी है। पहले जिला स्तर पर इसको लेकर टेस्ट शुरू हो चुका है। इस बीच अब जयपुर स्तर से आदेश जारी हो गए।

जानकारी के अनुसार मामला एमएलवी कॉलेज में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफेसर पंकज कुमार चौधरी का है। ये भीलवाड़ा के हुरड़ा निवासी हैं। इनका चयन असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर हुआ है। इन्होंने अपने दिव्यांग सर्टिफिकेट में 'लॉ विजन' (यानी कम दिखना) बताकर रिजर्वेशन का फायदा लिया है और असिस्टेंट प्रोफेसर बनने में कामयाब हो गए, लेकिन अब परेशानी यह है कि कॉलेज में पढ़ाते या पढ़ते वक्त किसी ने इन्हें चश्मा लगाते नहीं देखा। यहां तक कि शाम के वक्त भी बिना चश्मे के आराम से किताब पढ़ लेते हैं। ऐसे में चर्चाओं में आ गए हैं। कार्यवाहक तहसीलदार कंचन सिंह का मामला उछलने के बाद से दिव्यांग सर्टिफिकेट के आधार पर नौकरी लगे कार्मिकों के फिर से मेडिकल टेस्ट होना शुरू हो गए।

अब जयपुर स्तर से कॉलेज एजुकेशन के डायरेक्टर ने प्रदेश के कुछ असिस्टेंट प्रोफेसर की लिस्ट निकाली है, जिन्होंने दिव्यांग सर्टिफिकेट के आधार पर नौकरी हासिल की है। इनमें एक नाम पंकज कुमार चौधरी का भी है। इनका भी मेडिकल टेस्ट होगा। पहले एमजी अस्पताल में टेस्ट होना था लेकिन ऐसा बताया जा रहा है कि यहां मशीनों का अभाव बताकर पूरा टेस्ट नहीं हो सका है।

जानकार हैरानी होगी कि आज एमजी अस्पताल मेडिकल कॉलेज में तब्दील हो चुका है, लेकिन अभी तक सुविधा विकसित नहीं हुई, लेकिन पंकज कुमार का पुराना मेडिकल सर्टिफिकेट भी भीलवाड़ा एमजी अस्पताल की जांचों के आधार पर ही बना था, जिसे तत्कालीन सीएमएचओ ने जारी किया था।

एमजी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अरूण गौड़ ने बताया कि मेडिकल बोर्ड गठित किया था, जिसने पंकज कुमार की जांच की थी, लेकिन इन्हें रेटिना संबंधी कुछ परेशानी है, जिसकी जांच के लिए एडवांस सेंटर के लिए कहा है। वहां से इनकी जांच होने के बाद मिलने वाली रिपोर्ट के आधार पर ही मेडिकल बोर्ड फाइनल रिपोर्ट तैयार कर सकेगा।

असिस्टेंट प्रोफेसर पंकज कुमार का कहना है कि बचपन से ही विजन में परेशानी है, लेकिन इलाज नहीं मिला। जब सर्टिफिकेट बना तब पता चला कि मुझे यह रेटिना की परेशानी है जो कि लाइलाज है।

आयोग ने प्रवेश पत्र जारी किए

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर (कॉलेज शिक्षा) भर्ती परीक्षा-2025 का आयोजन निर्धारित कार्यक्रमानुसार किया जाएगा। परीक्षा के लिए पंजीकृत 92600 अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र आयोग की वेबसाइट पर जारी किए जा चुके हैं।

आयोग सचिव ने बताया कि उच्च न्यायालय की एकलपीठ के स्थगन आदेश 3 दिसंबर 2025 के विरूद्ध आयोग द्वारा खंडपीठ में 4 दिसंबर 2025 को अपील दायर की गई थी। इस पर 5 दिसंबर को हुई सुनवाई के दौरान आयोग द्वारा पाठ्यक्रम जारी करने संबंधी तथ्य न्यायालय के समक्ष रखते हुए परीक्षा नियत समय पर कराए जाने की अनुमति के लिए प्रार्थना की गई थी, जिसे स्वीकार करते हुए खंडपीठ द्वारा परीक्षा कराए जाने की अनुमति प्रदान कर दी गई है। परीक्षा अन्तर्गत राजस्थान का सामान्य ज्ञान (प्रश्न-पत्र प्रथम) की परीक्षा का आयोजन 7 दिसंबर 2025 को दोपहर 12 से 2 बजे तक किया जाएगा। विभिन्न ऐच्छिक विषयों के प्रश्न-पत्रों की परीक्षा का आयोजन 8 से 20 दिसंबर तक प्रतिदिन दो पारियों में किया जाएगा। प्रथम पारी (प्रश्न-पत्र प्रथम) का समय सुबह 9 से 12 बजे तक और द्वितीय पारी (प्रश्न-पत्र द्वितीय) का समय दोपहर 2.30 से शाम 5.30 बजे तक रहेगा।

सायबर ठगी के आरोप में छह जने गिरफ्तार

जुरहरा/भरतपुर, (निसं)। पुलिस ने सायबर ठगी के आरोप में 6 जनों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से पांच एंड्राइड मोबाइल फोन व 8 फर्जी सिम कार्ड जब्त किए हैं।

जुरहरा थानाधिकारी अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि पुलिस ने जुरहरा से सतपुडा की ओर जाने वाले रास्ते पर स्थित गैस एजेन्सी के पास ग्राम सतपुडा के खेतों में बैठकर सायबर ठगी हुए 6 जनों को गिरफ्तार किया गया है।

थानाधिकारी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि जुरहरा से सतपुडा की ओर जाने वाले रास्ते पर स्थित गैस एजेन्सी के सामने खेतों में बैठकर कुछ व्यक्ति सायबर ठगी कर रहे हैं। जिस पर थाना जुरहरा पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां पर कुछ व्यक्ति मोबाइल फोन चलाते हुए दिखाई दिए। जिस पर पुलिस टीम ने जुरसेद पुत्र बिल्लू मेव, सोहेल पुत्र टिल्लु मेव, मजलिस पुत्र मूसा मेव, सोयब पुत्र पप्पू मेव , आलिम पुत्र महमूद मेव, मोमीन पुत्र जमशेद मेव को गिरफ्तार किया।

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर
Tel No. 01462-258665, 257509 Email - npbeawar@gmail.com

क्रमांक /नपब्या./स्वास्थ्य /2025-26/9822 दिनांक – 02.12.2025

ई-दर संविदा सुचना

निम्नाकिंत विवरण के अनुसार वितिय वर्ष 2025-26 के लिए ई दर संविदा ई-पोक्यूरमेट पोर्टल राजस्थान पर दिनांक 16.12.2025 को प्रातः 11:00 बजे तक आमंत्रित है। विस्तृत शर्तें ई दर संविदा फार्म के साथ संलग्न है। यह दस्तावेज एस.पी.पी. पोर्टल पर एवम् ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल पर उपलब्ध है।

NIB – DLB2526A8683 UBN – DLB2526SLOB26010

क्रं. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	ई दर संविदा फार्म शुल्क	ई दर संविदा प्रोसेसिंग शुल्क
1	परिषद क्षेत्र के वार्ड सं. 1 से 60 में आवारा श्वानों (नर-मादा) को पकड़ने, बन्ध्याकरण करने एवं रेबीज टीकाकरण कर पुनः निर्धारित स्थल पर छोड़ने का कार्य	15.50 लाख	31,000	1000	500

राज.संवाद/सी/25/15192 प्रशासक नगर परिषद्, ब्यावर आयुक्त नगर परिषद्, ब्यावर

कार्यालयः- सदस्य सचिव, राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, राजकीय डी.बी. सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, चूरू
Email-msdbhchuru@gmail.com, Phone: 01562-250333

क्रमांकः- लेखा/निविदा/2025/3506 दिनांकः- 01.12.25

-: खुली नीलामी बोली सूचना :-

इस चिकित्सालय को निम्न विवरणानुसार से सामग्री क्रय/कार्य हेतु वार्षिक दर संविदा/अनुवन्ध किया जाना है। अतः इच्छुक निविदादाताओं यथा-विर्निमाताओं/अधिकृत फर्मो/डीलरों/बोनाफाइड डीलर्स आदि से दो रूपों में निविदा प्रस्ताव यथा-तकनीकी प्रस्ताव व वित्तीय प्रस्ताव हेतु मुहरबन्द लिफाफों में निविदायें आमन्त्रित है। निविदा की शर्ते, निविदा शुल्क, अमानत राशि, अनुमानित लागत, ई निविदा प्रपत्र विक्रय/डाउनलोड कर प्रस्तुत करने/ निविदा खोलनें की तिथि व समय इत्यादि की सम्पूर्ण जानकारी कार्यालय कार्य दिवस/समय में और वैवसाईट sppp.rajasthan.gov.in पर देखनें / डाउनलोड करनें हेतु अपलोड कर दी गयी हैं।

क्र.सं.	निविदा सामग्री का विवरण	UBN No.
1	ABMGRSBY/अन्य योजनान्तर्गत मरीजों के ईलाज हेतु सर्जिकल शल्य उपकरण व इम्प्लांट क्रय की वार्षिक निविदा हेतु	MHS2526GLRC05292
2	चिकित्सालय उपचार में दैनिक उपयोग हेतु विभिन्न प्रकार की सामग्री एवं उपकरण क्रय	MHS2526GLRC05293

DIPR/C/17858/2025 सदस्य सचिव (RMRS) राजकीय डी.बी.सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, चूरू

दुष्कर्म के बाद युवती की हत्या, आरोपी फरार

- युवती को जब उसकी मां बचाने आई तो उसे डिग्गी में फेंक दिया

बीकानेर, (निसं)। एक 18 साल की युवती से रेप कर उसकी हत्या कर दी गई। युवती को जब उसकी मां बचाने आई तो आरोपियों ने उसे डिग्गी में फेंक दिया। मामला जिले के सरूणा थाना क्षेत्र के एक गांव का है।

परिजनों का कहना था कि पुलिस ने पहले सामान्य घटना देखते हुए मर्ग दर्ज किया। इसके विरोध में वे थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। इसके बाद देर रात 12 बजे हत्या और रेप का मामला दर्ज किया गया। इधर, आरोपियों की गिरफ्तारी और सख्त सजा की मांग को लेकर शुक्रवार सुबह से ग्रामीण धरने पर बैठ गए।

इस मामले में श्रीडूंगरगढ़ सीओ निकेत पारीक का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। मृतका की मां ने रिपोर्ट देकर बताया कि वह अपने परिवार के साथ खेत पर रहती है। खेत ठेके पर दिया हुआ था। यहां काम करने के लिए दो मजदूरों को काम पर रखा हुआ था। ये दोनों डूंगरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव के रहने वाले हैं। मृतका की मां ने बताया कि 3 दिसम्बर की रात करीब 10:30 बजे एक मजदूर ने ढाणी में आकर चाय पिलाने को कहा, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। लेकिन, ज्यादा सर्दी होने की बात कहकर वे बार-बार चाय पिलाने का कहने लगे तो उन्होंने चाय बना दी। इसके बाद बेटी को चाय देकर आने के लिए बोला। कुछ देर बाद बेटी के चिल्लाने की आवाज आई। महिला ने बताया कि जब वे वहां पहुंची तो दोनों मजदूरों ने बेटी को दबोच कर रखा था। वे चिल्लाने लगी तो उसे डिग्गी में फेंक दिया। इस दौरान उसके साथ धक्का-मुक्की कर वहां से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में लोग शामिल हो गए। डिग्गी को तोड़कर पानी बाहर निकाला। युवती के शव को बाहर निकाल, मॉर्च्युरी में रखवाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग दर्ज कर जांच शुरू की, लेकिन इसका परिजनों ने विरोध किया। वे हत्या और रेप का मामला दर्ज करने का कहने लगे लेकिन पुलिस नहीं मानी। देर रात सेरूणा थाने के बाद लोग शामिल होकर विरोध प्रदर्शन कर धरना शुरू कर दिया। लोगों के विरोध के बाद पुलिस ने हत्या और रेप का मामला दर्ज कर इसकी जांच शुरू की।

स्पेशल एजुकेशन टीचर्स को सामान्य शिक्षा में नियुक्ति की मांग खारिज

- राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा-सामान्य और विशेष शिक्षा के टीचर अलग-अलग

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान पंचायती राज नियम, 1996 के संशोधित नियम 266 को चुनौती देने वाली याचिका को राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ ने खारिज कर दिया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायमूर्ति बलजिंदर सिंह संधू की खंडपीठ ने सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने माना कि सामान्य बच्चों को पढ़ाने और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने की प्रक्रिया पूरी तरह अलग है, इसलिए दोनों के लिए अलग-अलग कैडर और योग्यता होना उचित है। राज्य को इन दोनों की अलग-अलग योग्यताएं निर्धारित करने का अधिकार है।

जानकारी के अनुसार जोधपुर, उदयपुर और डीडवाना (नागौर) जिलों के प्रदीप गुर्जर, दिलीप कुमार, सुमन, मधु प्रजापत और संजय पंवार सहित अन्य याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर राजस्थान पंचायती राज नियम, 1996 के संशोधित नियम 266 को चुनौती दी थी। इसमें राज्य सरकार, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, शिक्षा विभाग, राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, प्रारंभिक शिक्षा निदेशक बीकानेर, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद नई दिल्ली और भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली को प्रतिवादी बनाया गया।

वकील ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति स्पेशल एजुकेशन में एलिमेंट्री टीचर की योग्यता रखता है, तो उसे जनरल एजुकेशन के प्राइमरी और अपर प्राइमरी टीचर पद के लिए भी योग्य माना जाना चाहिए। उन्होंने इसी आधार पर जनरल एजुकेशन के लिए जारी विज्ञापन को भी चुनौती दी थी। वकील ने तर्क दिया कि विज्ञापन में एनसीटीई की 23 अगस्त 2010 और 29 जुलाई 2011 की अधिसूचनाओं में उल्लेखित योग्यताओं को हटा दिया गया है। राज्य प्राधिकरण एनसीटीई द्वारा निर्धारित योग्यताओं से अलग नहीं हो सकते, क्योंकि एनसीटीई कक्षा 1 से 5 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों की न्यूनतम योग्यता तय करने वाली प्राथमिक संस्था है।

मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि राज्य सरकार ने सही तरीके से पदों को जनरल एजुकेशन और स्पेशल एजुकेशन में विभाजित किया है। कोर्ट ने अपने फैसले में लिखा कि हालांकि प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूल शिक्षक के पद अध्यापन के लिए हैं, लेकिन विशेष शिक्षा के लिए शिक्षण प्रक्रिया सामान्य शिक्षा से पूरी तरह अलग है। कोर्ट ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि जिस तरह जनरल एजुकेशन के लिए ट्रेंड शिक्षक, स्पेशल बच्चों को पढ़ाने के लिए योग्य नहीं होते, ठीक उसी तरह स्पेशल एजुकेशन में प्रशिक्षित शिक्षक, जनरल एजुकेशन के स्कूलों में पढ़ाने के पात्र नहीं हो सकते। एनसीटीई (एनसीटीई) की योग्यता के तर्क पर कोर्ट ने कहा कि एनसीटीई द्वारा निर्धारित योग्यता एक सामान्य नियम है, लेकिन राज्य सरकार को विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर चयन प्रक्रिया और योग्यता तय करने का अधिकार है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वास्तव में, एनसीटीई में विशेष शिक्षा की योग्यता केवल उन छात्रों को पढ़ाने के लिए हैं, जिन्हें विशेष शिक्षा की आवश्यकता है।

कोर्ट ने कहा कि ये दो अलग-अलग वर्ग हैं और इसलिए राज्य द्वारा अलग चयन प्रक्रिया और अलग योग्यताएं बनाई जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि तर्कों के समय याचिकाकर्ताओं के वकील द्वारा कोई अन्य आधार नहीं उठाया गया, इसलिए कोर्ट ने एनसीटीई द्वारा निर्धारित योग्यताओं के विपरीत नियम 266 को अवैध मानने का कोई कारण नहीं पाया। कोर्ट ने रिट याचिका को गलत धारणा पर आधारित बताते हुए खारिज कर दिया।

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इनवेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(राजस्थान सरकार का उपक्रम)
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर- 302005, फोन-0141-2227751,4593201
ई-मेल-riico@riico.co.in वेबसाइट-riico.rajasthan.gov.in

निविदा सूचना

रीको द्वारा निम्नांकित कार्यो/आपूर्ति/सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सीलबंद निविदाएँ एवं राशि रू. 2.00 लाख से अधिक की निविदाऐं ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाइन निर्धारित प्रपत्र में eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती हैं:-

इकाई का नाम, UBN एवं कार्य की राशि (लाख रू. में):- जयपुर(उत्तर)-औद्योगिक क्षेत्र जैतपुरा, जयपुर में मूलभूत सुविधाओं का विकास/उन्नयन कार्य। RDC2526WLOB01239(1410.88), RDC2526WSOB01240(5.02), RDC2526WSOB01286(3.30), RDC2526WSOB01287(9.62), भीलवाड़ा-औद्योगिक क्षेत्र पीपलुंद तहसील-जहाजपुर जिला-भीलवाड़ा में सर्वेक्षण सीमांकन, समतलीकरण, सड़क और सीडी कार्यों का निर्माण और बाहरी सीमांकन दीवार का निर्माण का कार्य। RDC2526WLOB01276(1038.09), RDC2526WSOB01232 (5.07), RDC2526WSOB01233(36.13), उदयपुर-औद्योगिक क्षेत्र मेवाड़ उदयपुर में बुनियादी ढाँचे का उन्नयन का कार्य। RDC2526WLOB01215(845.29), औद्योगिक क्षेत्र सुखेर उदयपुर में बुनियादी ढाँचे का उन्नयन का कार्य। RDC2526WLOB01216(512.85), RDC2526WSOB01217(467.49), RDC2526WSOB01269(76.57), सीकर-औद्योगिक क्षेत्र सीकर में आरसीसी नालियों के निर्माण का कार्य। RDC2526WLOB01244(807.00), RDC2526WSOB01203(210.58), RDC2526WSOB01204(120.00), RDC2526WSOB01198(2.41), RDC2526WSOB01199(11.54), RDC2526WSOB01200(3.60), RDC2526WSOB01201(10.73), RDC2526WSOB01202(2.92), भिवाडी-द्वितीय-औद्योगिक क्षेत्र खुशखेड़ा, आईआईडी सेंटर खुशखेड़ा, टपूकडा एवं कारोली का संचालन एवं रखरखाव का कार्य। RDC2526WLOB01245 (836.09), औद्योगिक क्षेत्र चोपानकी, पथरेडी और बन्दापुर का संचालन एवं रखरखाव का कार्य। RDC2526WLOB01246(513.45), औद्योगिक क्षेत्र करोली में बुनियादी ढाचे का उन्नयन का कार्य। RDC2526WLOB01248(2447.17), RDC2526WSOB01281(5.52), भिवाडी-प्रथम-औद्योगिक क्षेत्र कहारानी में इन्फ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन का कार्य। RDC2526WLOB01326(2979.27), RDC2526WSOB01316(14.21), RDC2526GLOB01320(65.20), RDC2526WSOB01322(57.60), RDC2526WSOB01323(4.74), किशनगढ़- औद्योगिक क्षेत्र किशनगढ़ चतुर्थ चरण में आधारभूत सुविधाओं के उन्नयन का कार्य। RDC2526WLOB01292 (519.79), बालोतरा-औद्योगिक क्षेत्र बोरावास-कलावा प्रथम चरण, बालोतरा में प्लग एवं प्ले मॉडल पर आधारित फैक्ट्री शेड के निर्माण का कार्य। RDC2526WLOB01332(1587.12), RDC2526WSOB01329(76.70), नीमराना-औद्योगिक क्षेत्र ईपीआईपी नीमराना, नीमराना-प्रथम, द्वितीय, एन.आई.सी.(एम) नीमराना एवं कोलिला जोगा के संचालन और रखरखाव से सम्बन्धित नियमित कार्य। RDC2526WLOB01272(554.68), RDC2526WSOB01247(3.00), RDC2526WSOB01249 (78.24), RDC2526WSOB01250(136.53), RDC2526WSOB01251(19.93), RDC2526WSOB01252(11.40), RDC2526WSOB01253(11.40), RDC2526WSOB01254(3.47), RDC2526WSOB01256(102.98), RDC2526WSOB01258(143.05), RDC2526WSOB01259(123.94), भरतपुर-RDC2526WSOB01211(231.27), RDC2526WSOB01213(236.71), RDC2526WSOB01214(337.98), दौसा-RDC2526WSOB01218(482.00), RDC2526WSOB01205(182.55), बीकानेर-RDC2526WSOB01219(342.64), RDC2526WSOB01220(1.99), RDC2526WSOB01221(1.98), झुंझुनुं-RDC2526WSOB01242(248.08), अजमेर-RDC2526WSOB01241(229.38), RDC2526WSOB01290(4.01), RDC2526WSOB01289(2.39), RDC2526WSOB01335(12.25), जयपुर(ग्रामीण)-RDC2526WSOB01268(289.03), RDC2526WSOB01271(363.91), RDC2526WSOB01257(1.99), RDC2526WSOB01260(1.99), RDC2526WSOB01261(1.62), RDC2526WSOB01262(1.89), RDC2526WSOB01264 (104.79), RDC2526WSOB01265(44.92), RDC2526WSOB01266(111.99), RDC2526WSOB01267(21.10), RDC2526WSOB01275(11.52), कोटा-RDC2526WSRC01255(415.48), RDC2526WSOB01263(108.84), RDC2526WSOB01270(108.63), RDC2526WSOB01273(67.40), RDC2526WSOB01274(3.38), RDC2526WSOB01291(29.87), जोधपुर-RDC2526WSOB01340(256.33), RDC2526WSOB01227(13.40), RDC2526WSOB01229(3.12), RDC2526WSOB01230(26.47), RDC2526WSOB01331(10.28), जयपुर(दक्षिण)-RDC2526WSOB01304(279.26), RDC2526WSOB01308(4.00), RDC2526WSOB01309(54.80), RDC2526WSOB01310(4.40), RDC2526WSOB01311(7.24), RDC2526WSOB01312(3.23), RDC2526WSOB01313 (26.48), RDC2526WSOB01314(3.78), RDC2526WSOB01315(63.41), RDC2526WSOB01318(18.89), RDC2526WSOB01321(3.15), RDC2526WSOB01324(1.90), RDC2526WSOB01325(1.98), RDC2526WSOB01327 (1.98), सवाईमाधोपुर-RDC2526WSOB01222(244.91), RDC2526WSOB01223(394.12), RDC2526WSOB01207 (5.29), RDC2526WSOB01208(15.21), RDC2526WSOB01209(15.23), RDC2526WSOB01210(18.65), चूरू-RDC2526WSOB01224(123.37), RDC2526WSOB01225(66.89), RDC2526WSOB01226(69.69), RDC2526WSOB01228(74.88), RDC2526WSOB01231(4.26), नागौर-RDC2526WSOB01234(1.65), RDC2526WSOB01235(1.79), RDC2526WSOB01236(1.64), RDC2526WSOB01237(4.07), RDC2526WSOB01238 (4.41), झालावाड़-RDC2526WSOB01277(64.46), RDC2526WSOB01278(9.28), RDC2526WSOB01279(20.74), RDC2526WSOB01280(4.73), RDC2526WSOB01282(12.29), RDC2526WSOB01283(4.13), RDC2526WSOB01285 (2.06), अलवर-RDC2526WSOB01293(10.41), RDC2526WSOB01294(41.41), RDC2526WSOB01295(14.90), RDC2526WSOB01296(48.87), RDC2526WSOB01297(76.76), RDC2526WSOB01299(87.22), पाली-RDC2526WSOB01301(171.35), RDC2526WSOB01302(2.90), RDC2526WSOB01303(3.11), RDC2526WSOB01306 (5.06), RDC2526WSOB01307(5.15), श्रीगंगानगर-RDC2526WSOB01298(3.51), RDC2526WSOB01300(2.28), आबूरोड़-RDC2526WSOB01317(9.57), RDC2526WSOB01319(35.05), जालोर-RDC2526WSOB01328(4.00), RDC2526WSOB01330(4.10), ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर-RDC2526WSOB01334(28.27), RDC2526WSOB01336(1.84), RDC2526WSOB01337(1.99), RDC2526WSOB01338(1.81), RDC2526WSOB01339 (1.90), घीलोठ-RDC2526WSOB01341(9.64), RDC2526WSOB01342(1.82), सलाहकार (ए.एण्ड.एम.) रीको, उद्योग भवन, जयपुर-RDC2526SSOB01243(7.40)

कुल कार्यो की संख्या-139

निविदा का विस्तृत विवरण, नियम इत्यादि एवं भविष्य में निविदा में किसी प्रकार के संशोधन/तिथि बढ़ने की जानकारी हेतु वेबसाइट riico.rajasthan.gov.in/ www.eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.rajasthan.gov.in को देखें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: महाप्रबंधक (सिविल), फोन- 0141-4593214

Raj.Samwad/C/25/15257

हादसे में युवक की मौत, 11 दिसम्बर को होनी थी शादी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के दरौली के पास फोरलेन हाईवे पर गुरुवार रात अपनी शादी का कार्ड देकर लौटते समय युवक की कार बेकाबू होकर दूसरी लेन में चली गई। इस पर ट्रेलर ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई। युवक की 11 दिसंबर को शादी होनी थी।

हादसे में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के मावली ब्लॉक अध्यक्ष राहुल सिंह सारंगदेवोत (25) की इस सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के दौरान उनके साथ मौजूद उनके दोस्त लक्ष्मण सिंह भी घायल हो गए, जिनका इलाज जारी है। राहुल सिंह अपनी शादी का कार्ड भींडर में रिश्तेदार को देकर वापस अपनी कार से घर लौट रहे थे। तभी फोरलेन हाईवे पर कार अचानक बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ते हुए रॉन्ग साइड चली गई। रॉन्ग साइड जाते ही तेज रफ्तार ट्रेलर ने उनकी कार को टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि कार की बॉडी आगे और पीछे से पूरी तरह पिचक गई। राहुल सिंह पिता प्रेम सिंह निवासी अचलाना मावली की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मौत का पता लगते ही खुशियां बदली मातम में राहुल की मौत का पता लगने के बाद परिवार की खुशियां अचानक मातम में बदल गई। घर में शादी की तैयारियां चल रही थी। 10 दिसंबर को बड़ा आयोजन होना था। वहीं 11 दिसंबर को निम्बाहेडा में बारात जानी थी। जैसे ही घर में घटना का पता लगा कि परिजनों की रुलाई फूट पड़ी।

आईटीबीपी जवान की सड़क हादसे में मौत

- मुकुंदगढ़ के पास घोड़ीवारा कलां में हुआ हादसा
- कार से लिफ्ट लेकर आ रहा था

मुकुंदगढ़, (निसं)। थाना इलाके में शुक्रवार अलसुबह हुए दर्दनाक हादसे में आईटीबीपी जवान की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार चिड़ावा के समीप स्वामी सेही गांव निवासी आईटीबीपी में कांस्टेबल अजीत सिंह अरूणाचल प्रदेश में तैनात था, जो 15 दिन की छुट्टी पर गांव आ रहा था। इसके लिए वह गुवाहाटी से प्लेन के जरिए जयपुर पहुंचा और जयपुर से सीकर तक बस में आया। लेकिन रात अधिक होने के बाद उसे चिड़ावा तक की बस नहीं मिली। तो उसने एक वैन वाले से लिफ्ट ली। घोड़ीवारा कलां स्थित बालाजी मंदिर के कुछ दूरी पर ही चालक ने वैन गाड़ी को आगे जा रहे बस के अंदर ठोक दिया। जिससे आईटीबीपी जवान स्वामी सेही निवासी 35 वर्षीय अजीत सिंह और वैन चालक हमीरवास थाना इलाके के भैंसली निवासी 25 वर्षीय मंदीप घायल हो गया।

दोनों को मुकुंदगढ़ सीएचसी ले जाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने अजीत सिंह को मृत घोषित कर दिया। वहीं मंदीप को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी।

इस मामले में मृतक जवान अजीत सिंह के परिजनों ने थाने में ट्रक चालक पर लापरवाही से वाहन चलाने और अचानक ब्रेक लगाने के कारण हादसे की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इधर, गमगीन माहौल में अजीत सिंह का अंतिम संस्कार गांव में किया गया। आईटीबीपी जवानों की टुकड़ी ने गार्ड आफ आनर दिया और सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस ने फिलहाल मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दोनों वाहनों को थाने में खड़ा किया गया है।

सर्पदंश से किसान की मौत

उनियारा/चौरु, (निसं)। उनियारा उपखण्ड अलीगढ़ तहसील क्षेत्र के पचाला में 4 दिसंबर की शाम खेत में सरसों की सिंचाई के दौरान सर्पदंश के कारण किसान जगदीश महावर (27) की मौत हो गई। यह हादसा 4 दिसंबर को शाम लगभग चार बजे हुआ, जब जगदीश अपने खेत में सरसों की फसल को पानी पिला रहे थे। उसी दौरान एक जहरीले सर्प ने उन्हें डस लिया। परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत उन्हें सामान्य चिकित्सालय सवाई माधोपुर पहुँचाया। हालांकि, जहर के तेज़ी से फैलने के कारण डॉक्टरों के सभी प्रयास विफल रहे और जगदीश को मृत घोषित कर दिया गया। जगदीश की मौत से उनके घर पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके माता-पिता पहले ही गुजर चुके थे और अब परिवार में केवल उनकी पत्नी और उनकी दो छोटी-छोटी बेटियाँ ही बची हैं। जगदीश परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे। इससंकट की घड़ी में पूर्व सरपंच बद्रीलाल एवं स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि इस परिवार को तुरंत सरकारी सहायता और मुआवजा प्रदान किया जाए।

कार्यालय नगर परिषद लालसोट(दौसा)
Email ID:-lalsot.jaipur@yahoo.com Ph-01431-260714

क्रमांकः-न.प.ला./25/4652 दिनांकः- 01.12.2025

निविदा-सूचना NIB-03/2025-26

नगर परिषद लालसोट द्वारा संवेदकों/संस्थाओ को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये विभिन्न कार्यो हेतु मोहरबन्द निविदाये दिनांक 09.12.2025 आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बधित सभी विवरण व शर्ते कार्यालय समय एवं वेबसाईट http://www.sppp.rajasthan.gov.in पर दिनांक 02.12.2025 से देखी जा सकती है।

UBIN NO. DLB2526SSOB26063

राज.संवाद/सी/25/15190 आयुक्त नगर परिषद लालसोट

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, विद्युत खण्ड, बीकानेर

क्रमांकः-अअ/वि.खण्ड/बी./ निविदा/2025-26/1045 दिनांकः 27.11.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 28 / वर्ष 2025-26
(NIB Code No PWD2526A4517)

निम्न हस्ताक्षर कर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विद्युतीकरण कार्यों के लिए मोहरबन्द निविदाएं सा.नि.वि., राज मे सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों की प्रति अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदा आवेदन / डाउनलोड करने की दिनांक 28.11.2025 से 12.12.2025 तक सांय 6.00 बजे तक जमा कराई जा सकती है। तकनीकी निविदा दिनांक 15.12.2025 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेंगी। प्री-बिड मिटिंग की दिनांक 04.12.2025 दोपहर 01.00 बजे है। निविदा की अन्य शर्ते एवं स्वीकृत तकमीना आदि का विवरण किसी भी कार्य दिवस के दौरान इस कार्यालय में उपस्थित होकर देखा जा सकता है। अन्य शर्ते व विवरण इस कार्यालय में व डीपीआर की वेबसाईट www.dipronline.org, http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। कुल कार्यो की संख्या 01 कुल लागत 179.46 लाख। UBN No. 1 PWD2526WSOB17866

(मनोज कुमार रावत) अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. विद्युत खण्ड, बीकानेर

DIPR/C/17747/2025

राजस्थान सरकार
शिक्षा विभाग
कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक करौली (राज0)
केशवपुरा पुलिया मण्डरायल रोड करौली E-Mail :- adpcsamsakarauli@gmail.com

क्रमांक :- एडीपीसी/समग्र शिक्षा/करौली/Civil/2025-26/443 दिनांक :- 01.12.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 02 (सिविल)/2025-26
(राजकीय विद्यालयों में मरम्मत कार्यो हेतु)

राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में मरम्मत कार्यो हेतु पंजीकृत संवेदकों से आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा (एस.डी.आर.एफ) योजनान्तर्गत स्वीकृत 732 राजकीय विद्यालय मरम्मत कार्यो हेतु राशि रू 1442.04 लाख (प्रति कार्य की राशि रूपये 1.97 लाख) बाबत् कार्यवार ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदाऐं 09/12/2025 प्रातः 10.00 बजे से 23/12/2025 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

निविदा से सम्बधित समस्त विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एव http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

यू.बी.एन. नं RSE2526WLRC04935

राज.संवाद/सी/25/15252 अति0 जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा करौली

दो दिन से लापता युवक का शव पेड़ पर लटका मिला

सुलताना, (निसं)। सुलताना थाना इलाके के जोड़िया रोड स्थित झाड़वाली जोहड़ी में एक युवक का शव रस्सी से बनाए गए फंदे पर झूलता हुआ मिला, जिसकी पहचान रायपुर जाटान निवासी अंकित कुमावत के रूप में हुई है, जो पिछले दो दिनों से गायब था, जिसकी तलाश ना केवल घरवालों को, बल्कि पुलिस को भी थी। क्योंकि दो दिन पहले घर से गायब होने के कुछ देर बाद मृतक अंकित ने परिजनों को व्हाट्स एप पर मैसेज कर अपनी आत्महत्या की जानकारी दी थी। इसके बाद से अंकित का फोन बंद था।

जानकारी के अनुसार रायपुर जाटान निवासी अंकित कुमावत और उसके दोस्तों के बीच दो दिसंबर से विवाद चल रहा है। एक मोबाइल चोरी के मामले में अंकित को उसके दोस्तों ने ना केवल दोषी बना दिया, बल्कि उससे कबूल भी करवा दिया, जिसके बाद से अंकित तनाव में था। दो दिसंबर की रात को अंकित घर भी गया तो तनाव में था। तीन दिसंबर को सुबह अंकित घर पर बिना बताए चला गया। इसके कुछ घंटों बाद उसने अपनी बहनों और एक चचेरे भाई को व्हाट्सऐप पर मैसेज किया। जिसमें उसने बताया कि वह आत्महत्या कर रहा है। उसने तीन जनों के नाम कर्मपाल, नरेंद्र उर्फ नोलिया तथा धर्मेंद्र कुमावत के नाम लिखे और कहा कि इन्होंने अंकित को आत्महत्या के लिए मजबूर कर दिया। वह इन तीनों को मार भी सकता था, लेकिन वह अपने परिवार के लोगों को परेशान नहीं करना चाहता, इसलिए वह खुद मर रहा है। उसने मैसेज में यह भी लिखा कि जब तक इन तीनों को सजा नहीं होगी, तब तक उसका बदला अधूरा है। साथ ही तब तक अपनी अस्थियां भी गंगा में विर्सजन ना करने की बात लिखी। इस मैसेज के बाद परिजनों ने अंकित की तलाश शुरू कर दी। अंकित की गुमशुदगी रिपोर्ट भी थाने पर दी, लेकिन अंकित का कहीं अता-पता नहीं चला। शुक्रवार सुबह अंकित का शव सुलताना थाना क्षेत्र में पेड़ पर झूलता हुआ मिला। पुलिस ने इस मामले में उप जिला अस्पताल चिड़ावा में शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। वहीं मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि अंकित पांच भाई-बहनों में सबसे छोटा था। उसकी अचानक हुई मौत से परिवार में मातम छा गया है।

सुलताना सीआई रविंद्र सिंह ने बताया कि जब युवक के फंदे पर झूलते हुए की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक के पास से उसका मोबाइल मिला। जो बंद था और बैट्री भी डाउन थी। मोबाइल को चार्ज कर ओन किया तो मृतक के भाई का फोन आ रहा था, जिसे इसकी सूचना दी गई। इसी सूचना के बाद परिजनों के आने पर मृतक की पहचान हो सकी।

बस की चपेट से बालक की मौत

नवलगढ़, (निसं)। शहर के झाझड़ रोड चूंगी के पास बस की चपेट में आने से मासूम बच्चे मयंक की मौत हो गई। नवलगढ़ उपखंड के बसावा गांव में राजेश दूत व विद्या देवी की शादी के 11 साल बाद पुत्र मयंक के रूप में गूंजी किलकारी मात्र 13 महीने में खामोश हो गई। मृतक मासूम मयंक की माता विद्या देवी का पीहर नवलगढ़ के झाझड़ रोड चुंगी के पास बिरोल गांव के झाझड़िया की ढाणी में है। विद्या देवी अपने पुत्र मयंक के साथ पीहर आई हुई थी। झाझड़ रोड पर खेत में बने घर और सड़क की तरफ खुलती दुकान में मामा राजेश झाझड़िया के पास शुक्रवार सुबह मयंक खेल रहा था। मामा राजेश किसी काम से बाहर चला गया और मयंक को दुकान में अपने पिता व भाई के पास छोड़ गया। दुकान के सामने मयंक खेल रहा था जो मैन रोड से काफी अंदर था। इसी दौरान नवलगढ़ से ग्रामीण रूट द्वारा सीकर की ओर जा रही सवारियों से भरी बस लहराती हुई आई और सड़क किनारे से दूर खेल रहे मयंक को रौंदती हुई निकल गई। हाथोंहाथ बच्चे को लेकर परिजन जिला अस्पताल नवलगढ़ पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)
फोन न0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com website - www.npkarauli.in

क्रमांक : 3863 दिनांक : 28.11.2025

ई-निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं पंजीकृत अनुभवी संवेदकों/सप्लायर्स/प्लेसमेंट एजेंसियों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद करौली में वित्तीय वर्ष 2025-26 के वार्षिक ठेके/अनुबंध किये जाने है। जिस हेतु ई-टैण्डरिंग के माध्यम से दिनांक 18.12.2025 तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्ते www.sppp.raj.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

S. No.	Particulars	Detail				
1	Name of Works	ऑटो टिपर/बाईक रिक्शा/डम्पर प्रेशर/रोड स्वीपर/ट्रैक्टर ड्राईवर एवं जेसीबी ऑपरेटर लगाने का कार्य	सहा0कर्म0/तामील कुलिन्दा/बागवान/चौकीदार/कनि0 सहा0 लगाने का कार्य	परिषद में कार्यालय उपयोग हेतु कम्पयूटर ऑपरेटर लगाने का कार्य	परिषद में फायरमैन व फायर वाहन चालक उपलब्ध कराने का कार्य	आश्रय स्थल पर केयर गिवर्स/शैल्टर मैनेजर लगाने का कार्य
2	Estimate Cost of Tender	25.00	25.00	20.00	20.00	4.50
3	Earnest money (EMD) 2%	50000/-	50000/-	40000/-	50000/-	9000/-
4	Cost of tender document (non-refundable) In favor of Commissioner Municipal Council Karauli Payable at Karauli	1000/-	1000/-	1000/-	1000/-	500/-
5	RISL Processing Fees (non-refundable) In favor of MD RISL Payable at Jaipur.	500/-	500/-	500/-	500/-	500/-
6	Tender Publication on official web site http://eproc.rajasthan.gov.in	02.12.2025 Time 2:00 PM				
7	Tender download start date	Date 02.12.2025 Time 2:00 PM				
8	Bid Submission start date & Time	Date 02.12.2025 Time 2:00 PM To Date 23.12.2025 Time 6:00 PM				
9	Online Bid Submission End date & Time	Date 23.12.2025 Time 6:00 PM				
10	Technical bid opening date & Time	Date 24.12.2025 Time 2:30 PM				
11	UBN No.	DLB2526SLRC 25827	DLB2526SLRC 25850	DLB2526S LRC25857	DLB2526S LRC25862	DLB2526S SRC25867

निविदादाताओं को निविदा शुल्क/बोली प्रतिभूति एवं प्रोसेसिंग फीस www.eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड कर भौतिक रूप से कार्यालय में जमा कराने पर ही निविदा को मान्य किया जावेगा। निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in तथा sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदको को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। ई-टेण्डरिंग में न्यूनतम दर को स्वीकार की जायेगी।

राज.संवाद/सी/25/15229 सभापति आयुक्त

हाईकोर्ट परिसर को बम से उडाने की धमकी, सुनवाई हुई बाधित

धमकी भरे ई-मेल के बाद हाईकोर्ट परिसर खाली करवाया गया

राजस्थान हाईकोर्ट परिसर को बम से उडाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद पुलिस, डॉग स्कवॉड और बम निरोधक दस्ते ने चप्पे-चप्पे की तलाशी ली।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट परिसर को बम से उडाने को लेकर शुक्रवार को हाईकोर्ट प्रशासन को धमकी भरा ई-मेल मिला। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार के पास सुबह 10.15 बजे आए इस मेल की जानकारी मिलते ही उच्चाधिकारियों को जानकारी दी गई और पूरे हाईकोर्ट परिसर को खाली करवाया गया। इस दौरान प्रकरणों से सुनवाई टालते हुए न्यायाधीशों को पास ही स्थिति राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के भवन में पहुंचाया गया।

- पुलिस, डॉग स्क्वॉड व बम निरोधक दस्ते ने चप्पे-चप्पे की जांच की
- उच्च न्यायालय में दोपहर 2 बजे बाद वापस शुरू हुई केसों की सुनवाई

ईमेल में तमिलनाडु के थिरुपरनकुंद्रम मामले का जिक्र करते हुए लिखा गया कि भाजपा शासित राज्यों की कोर्ट में ऐसे ही धमाके होंगे। बम की सूचना मिलते ही पुलिस के बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने पूरे हाईकोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच की।

वहीं हाईकोर्ट परिसर से न्यायिक कर्मचारियों, अधिवक्ताओं व पक्षकारों को बाहर निकाला, लेकिन जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा ने कहा है कि हाईकोर्ट परिसर की सुरक्षा को और मजबूत किया जाना चाहिए।

पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों की ओर से कोर्ट परिसर की पूरी तलाशी लेने के बाद क्लीन चिट दी गई। इसके बाद हाईकोर्ट में दोपहर दो बजे बाद से केसों की सुनवाई शुरू हुई। हालांकि सुबह बम की धमकी मिलने के चलते अदालतों में सुनवाई नहीं हुई और हजारों प्रकरण प्रभावित हुए। हाईकोर्ट के अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने कहा कि एक महीने में ही दूसरी बार हाईकोर्ट परिसर को बम से उडाने की धमकी मिलना गंभीर है। ऐसे में हाईकोर्ट प्रशासन व पुलिस प्रशासन को इन दोनों ईमेल की जांच करवानी चाहिए कि ये कहां से आ रहे हैं।

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती-2025 का रास्ता साफ

हाईकोर्ट ने 7 दिसंबर को प्रस्तावित परीक्षा को हरी झंडी दी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती-2025 की 7 दिसंबर को प्रस्तावित परीक्षा को हरी झंडी देते हुए परीक्षा आयोजित करने के संबंध में एकलपीठ की ओर से लगाई रोक के आदेश को निरस्त कर दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस रवि चिरानिया की खंडपीठ ने यह आदेश आरपीएससी की तीन अपील याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। खंडपीठ ने अपने आदेश में माना कि भर्ती की लिखित परीक्षा में करीब 92 हजार अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं, जबकि सिर्फ छह अभ्यर्थियों ने ही सिलेबस अपलोड को लेकर आपत्ति दर्ज कराई है। खंडपीठ ने आईटी की रिपोर्ट और नोटशीट से साबित है कि आयोग की वेबसाइट पर भर्ती विज्ञापन जारी करने के बाद सिलेबस अपलोड किया गया था।

अपील में महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद और अधिवक्ता एमएफ बेग ने बताया कि पहले साल 2024 में भर्ती विज्ञापन जारी किया गया था और आयोग की वेबसाइट पर 26 मार्च को सिलेबस अपलोड किया गया था। वहीं बाद में इस भर्ती को रद्द कर नियमों में बदलाव कर गत 18 सितंबर को वापस भर्ती निकाली गई थी। भर्ती को लेकर तय किया गया कि पूर्व के सिलेबस को ही इसमें लागू किया जाएगा। ऐसे में उस सिलेबस को ही आवेदन की अंतिम तिथि से पूर्व 8 अक्टूबर को अपलोड किया गया। अपील में कहा गया भर्ती विज्ञापन में ही प्रावधान किया गया था कि अभ्यर्थी नवीनतम जानकारी के लिए आयोग की वेबसाइट को देखे और उन्हें अलग से कोई सूचना नहीं भेजी जाएगी। इसके अलावा आईटी विभाग के समक्ष अधिकारी की रिपोर्ट और संबंधित नोटशीट से साबित है कि सिलेबस वेबसाइट पर अपलोड है। अपील में कहा गया कि एकलपीठ में अभ्यर्थियों ने ही अपनी याचिका में माना है कि सिलेबस बहुत विस्तृत है। जिससे साबित है कि उन्हें इसकी विषय वस्तु का ज्ञान है। अपील में एकलपीठ के रोक के आदेश पर आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा गया कि एकलपीठ ने आयोग की नोट शीट को बाद में एडिट करने और कोचिंग संचालकों की मिलीभगत की बात कही है, जबकि याचिका में इस संबंध में कोई बात नहीं कही गई थी। इसके अलावा भर्ती को लेकर सारी तैयारी हो चुकी है। सातों संभाग में परीक्षा केन्द्र सहित परिवीक्षक तक तय हो चुके हैं। दूसरी ओर एकलपीठ के अभ्यर्थियों की ओर से कहा गया कि आयोग हर भर्ती में प्रेस नोट के साथ सिलेबस जारी करता है। अभ्यर्थियों की ओर से आयोग की वेबसाइट खोलकर बताया गया कि अभी भी सिलेबस अपलोड नहीं है, लेकिन इस दौरान महाधिवक्ता ने वेबसाइट पर सिलेबस दिखा दिया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने एकलपीठ के आदेश को रद्द कर दिया है।

सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए सैनिक कल्याण में दें योगदान : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस (7 दिसम्बर) के उपलक्ष्य में शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से प्रतीकात्मक झण्डा (बैज) ग्रहण किया।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस (7 दिसम्बर) के उपलक्ष्य में शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से प्रतीकात्मक झण्डा (बैज) ग्रहण किया। मुख्यमंत्री ने सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए ऑनलाइन अंशदान भी किया।

- मुख्यमंत्री ने सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए ऑनलाइन अंशदान भी किया

इस अवसर पर शर्मा ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सशस्त्र सेनाओं के थल सैनिकों, नौसैनिकों एवं वायु सैनिकों के सम्मान स्वरूप यह दिवस मनाया जाता है।

यह दिवस देश की अखण्डता एवं एकता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले बहादुर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता दिखाने का दिन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सैनिकों के समर्पण, बलिदान और देश सेवा के प्रति साधुवाद प्रकट करना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आ ान किया कि वीर सैनिकों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए उनके कल्याण के लिए सभी खुले हाथ से अपना योगदान देने का संकल्प लें। इस अवसर पर सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर वीरेन्द्र सिंह राठौड़ सहित मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

महिलाओं को राजकॉप सिटीजन एप में एक क्लिक पर मिल रही पुलिस मदद

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में महिलाओं को मिल रहा सुरक्षित एवं भयमुक्त राजस्थान

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं को सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण देने के लिए प्रतिबद्ध है। महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए प्रदेश सरकार कार्य कर रही है। इसी क्रम में सरकार द्वारा शुरू किया गया राजकॉप सिटिजन ऐप महिलाओं को तुरंत सहायता पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहा है। ऐप के माध्यम से पीडित महिलाओं को 'ऑन द स्पॉट' त्वरित सहायता मिल रही है। इस ऐप की खासियत यह है कि पुलिस के पीड़ित तक पहुंचने का औसत रेस्पॉन्स टाइम काफी कम है। राज्य सरकार द्वारा की गई इस पहल से जहां महिला अपराधों में कमी आई है, वहीं आमजन तक कानून व्यवस्था की सुलभ पहुंच सुनिश्चित हुई है।

- राजकॉप सिटिजन ऐप में पुलिस का रेस्पॉन्स टाइम कम होने से महिला अपराधों में आई कमी
- इस एप के माध्यम से अब तक 29 हजार 742 प्रकरण आए हैं, जिनमें से 29 हजार 737 मामलों का निस्तारण किया जा चुका है।

राजकॉप सिटिजन ऐप को उपयोग में बहुत ही सरल बनाया गया है। ऐप के माध्यम से महिलाओं को आपातकालीन एवं गैर आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इस ऐप पर जाकर जब 'नीड हेल्प' बटन पर क्लिक किया जाता है, तो उसका एक नोटिफिकेशन 1090 के कंट्रोलरूम में आ जाता है। कंट्रोलरूम द्वारा पीडिता को फोन/मैसेज कर, समस्या की जानकारी लेकर तथा पीड़िता की लाइव लोकेशन ट्रेस कर तुरंत पुलिस मदद पहुंचाई जाती है। यह ऐप महिला छेड़छाड़ एवं अन्य महिला अपराध के प्रकरणों में मददगार साबित हो रही है। इस ऐप के माध्यम से अब तक 29 हजार 742 प्रकरण आए हैं, जिनमें से 29 हजार 737 मामलों का निस्तारण किया जा चुका है।

राज्य सरकार इस आधी आबादी की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में चयनित पुलिस थानों में महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। इन केन्द्रों पर पीडित महिलाओं को आवश्यक सहायता व परामर्श प्रदान किया जा रहा है। इसी तरह राज्य में सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं की रोकथाम के लिए राज्य में 500 'कालिका पेट्रोलिंग यूनिट' के गठन किया गया है। महिला हेल्पलाईन-181 के माध्यम से भी महिलाओं को आवश्यक तथा त्वरित सहायता प्रदान की जा रही है। महिला सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में एंटी रोमियो स्कवॉड का गठन किया गया है। साथ ही, 1 हजार 24 पुलिस थानों में महिला डेस्क की स्थापना कर महिला पुलिसकर्मी की नियुक्ति, वूमेन हेल्प डेस्क, रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के तहत बालिकाओं को सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण तथा लाडली सुरक्षा योजना के तहत सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे की स्थापना जैसे कार्य किए गए हैं।

भंवरलाल शर्मा की जन्म शताब्दी पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम

जयपुर। भाजपा विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि "भंवरजी भाई साहब राजनीति में खरा सोना थे। उन पर कभी कोई दाग नहीं लगा।

वे ऐसे नेता थे जिन्होंने कभी अपने परिवार को राजनीति में आगे नहीं बढ़ाया। मंत्री पद पर रहते हुए बंगला-गाड़ी और पीएसओ तक नही लिया और सामान्य नागरिक के रूप में जन सेवा की।"

विधायक गोपाल शर्मा ने यह विचार भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री रहे स्वर्गीय भंवरलाल शर्मा की जन्म शताब्दी पर शुक्रवार को चौगान स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। इस दौरान कई अन्य भाजपा नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भंवर जी भाई साहब की सादगी, ईमानदारी और उनके जीवन के कई संस्मरण सुनाए।

सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि श्रद्धेय पिताजी का आदर्श जीवन, विराट व्यक्तित्व और महान जीवन-मूल्य ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। मैं उनके बताए सिद्धांतों पर चलकर जनसेवा के पथ पर चल रही हूं और सदैव चलूंगी।

डीएलबी निदेशक आकर बताए सरकार का रुख : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने बिना आरोप पत्र और जांच रिपोर्ट के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की सेवा पुस्तिका में अंकित कर उसे बर्खास्त करने से जुडे मामले में डीएलबी निदेशक को 8 दिसंबर को पेश होने के आदेश दिए हैं। अदालत ने निदेशक से पूछा है कि कर्मचारी को बर्खास्त करने से जुडे मामले में अदालत ने गत 10 अक्टूबर को उनका रुख पूछा था, लेकिन अभी तक अदालत को इस संबंध में जानकारी क्यों नहीं दी गई है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश टीकम सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता अजमेर नगर निगम में साल 2018 में सफाई कर्मचारी के पद पर नियुक्त हुआ था। वहीं साल 2020 में उसे स्थाई करते हुए साल 2021 में महवा नगरपालिका में तबादला कर दिया गया। याचिका में कहा गया कि नगर पालिका के तत्कालीन ईओ सुरेन्द्र कुमार मीणा ने द्वेषता के चलते साल 2024 में याचिकाकर्ता को निलंबित कर दिया।

याचिका में कहा गया कि इसके बाद याचिकाकर्ता को कार्यालय में प्रवेश नहीं करने दिया गया। वहीं बाद में गत दिनों उसे आरटीआई के जरिए जानकारी मिली की उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। याचिका में कहा गया कि उसे बर्खास्त करने से पहले न तो कोई आरोप पत्र दिया गया और ना ही जांच अधिकारी नियुक्त किया गया और ना ही कोई जांच रिपोर्ट अस्तित्व में है। इसके बावजूद उसे सिर्फ सेवा पुस्तिका में एंट्री कर सेवा से हटाया गया है। अदालत ने मामले में गत 10 अक्टूबर को राज्य सरकार का रुख स्पष्ट करने को कहा थाा, लेकिन अदालत को कोई जानकारी नहीं दी गई। इस पर अदालत ने डीएलबी निदेशक को तलब किया है।

राजस्थान विधानसभा में संसद की तर्ज पर बनेगा सेन्ट्रल हॉल : देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि विधान सभा में संसद की तर्ज पर सेन्ट्रल हॉल बनेगा। स्पीकर देवनानी ने विधानसभा भवन में सेन्ट्रल हॉल के लिए उचित स्थान चिन्हित किये जाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। देवनानी ने बताया कि यह सेन्ट्रल हॉल बहुपयोगी होगा।

अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि सेन्ट्रल हॉल को महापुरुषों के थ्री-डी चित्रों से सुसज्जित किया जायेगा। सेन्ट्रल हॉल में राजस्थान की कला, संस्कृति और ऐतिहासिक महत्व की पेन्टिंग्स भी लगाई जायेगी। हॉल का उपयोग विधान सभा सत्रकाल के दौरान विधायकगण, विभागीय अधिकारीगण और आगन्तुक अतिथिगण की चर्चा और जलपान के लिए होगा। देवनानी ने राजस्थान विधान सभा सचिवालय और सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में सेन्ट्रल हॉल के लिए रूपरेखा और परिकल्पना पर चर्चा की। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने बैठक में विधान सभा भवन के पंचम तल पर ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य आरम्भ करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। देवनानी ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत ड्राॅईंग का अवलोकन किया और इस कार्य की अनुमानित लागत व निर्माण समयावधि पर चर्चा की। देवनानी ने इस कार्य को अधिकतम एक वर्ष में पूर्ण करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। देवनानी ने कहा कि इस ऑडिटोरियम का उपयोग युवा संसद, राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ द्वारा आयोजित कार्यशाला, सेमिनार, बैठक और संगोष्ठियों के साथ पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के लिए किया जायेगा। देवनानी ने बताया कि भविष्य में यदि विधान परिषद का निर्माण होता है तो यह ऑडिटोरियम उसके लिए उपयोग में लिया जा सकेगा।

- विधान सभा के पंचम तल पर बनेगा ऑडिटोरियम
- भवन की सुन्दरता के लिए होंगे नियमित प्रयास

स्पीकर देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा का भवन भारत के सबसे आधुनिक विधानमंडल परिसरों में से एक है। भवन के बाहरी हिस्से में राजस्थान की प्रसिद्ध पारंपरिक विशेषताओं वाले जोधपुर और बंसी पहाड़पुर पत्थर में झरोखे, छतरियां, कमानी, बारादरी, मेहराब, तोड़ियां आदि लगी हुई हैं।

आंतरिक प्रवेश कक्षों की दीवारों और छतों को भी जयपुर, शेखावाटी, मारवाड़ और मेवाड़ की पारंपरिक कलाओं से सजाया गया है।

डीजीपी ने पुलिस भर्ती तैयारियों की समीक्षा की

जयपुर। राजस्थान पुलिस की भर्ती प्रक्रिया को लेकर पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया से जुड़े सभी जिलों के अधिकारियों से की गई तैयारियों के बारे में जानकारी ली और महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी, सुरक्षित और व्यवस्थित होनी चाहिए।डीजीपी शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अभ्यर्थियों को भर्ती से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं की पहले से ही उचित ब्रीफिंग दी जाए, ताकि किसी तरह की भ्रम की स्थिति न बने। उन्होंने कहा कि भर्ती के दौरान मेडिकल टीम की आवश्यक उपकरणों व दवाईयों के साथ मौके पर मौजूदगी सुनिश्चित की जाए।

जिससे भर्ती के दौरान किसी भी स्वास्थ्य आपात स्थिति का तत्काल उपचार हो सके। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि महिला उम्मीदवारों की सुविधा के लिए महिला चिकित्सक भी अनिवार्य रूप से मौजूद रहें।

मंत्री अविनाश गहलोत ने ली अफसरों की बैठक

जयपुर (कासं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री अविनाश गहलोत ने शुक्रवार को देवनारायण योजना के अंतर्गत अति पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की। विगत बैठकों में उठाए गए विषयों की तेजी से क्रियान्विति पर गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष और प्रतिनिधिगण संतुष्ट नजर आए। विभाग के मुख्यालय अंबेडकर भवन के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक में कॉलेज शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, सार्वजनिक निर्माण विभाग, कौशल नियोजन एवं उद्यिमता तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के आला अधिकारी उपस्थित रहे। गहलोत ने गत बैठक में दिए निर्देशों की प्रगति से समिति को अवगत करवाया। इस दौरान देवनारायण छात्रवृति योजना-उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजना, देवनारायण छात्रवृत्ति योजना-पूर्व मैट्रिक छात्रवृति योजना, देवनारायण गुरुकुल योजना, देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना, देवनारायण आदर्श छात्रावास संचालन, देवनारायण आवासीय विद्यालय संचालन, देवनारायण बालक एवं बालिका महाविद्यालय संचालन, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का संचालन, छात्रावासों का नियमित निरीक्षण देवनारायण योजना के अंतर्गत स्वीकृत मेडिकल मोबाइल यूनिट, योजना के अंतर्गत संचालित छात्रावासों आवासीय विद्यालयों की मरम्मत सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं में किए जा रहे कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय सिंह बैंसला, भूरा भगत, मोहर सिंह माल, अतर सिंह, गिरिराज बारां, विनोद कुमार, अतिरिक्त निदेशक ओमप्रकाश मीणा, निजी सचिव रोहित कुमार, उप निदेशक श्री जेपी बैरवा सहित संघर्ष समिति के प्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

औद्योगिक क्षेत्रों में आवंटित भूखण्डों की उपयोगिता बढ़ाने के लिए रीको प्रशासन ने बदले नियम

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा रही कि "राजस्थान एक नया और आधुनिक बिजनेस मॉडल अपनाए, जिससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के नए आयाम स्थापित हों तथा उद्यिमयों को उद्योग एवं व्यवसाय स्थापित करने में आसानी हो।" मुख्यमंत्री की इसी सोच के अनुरूप समय-समय पर रीको प्रशासन द्वारा नीतियों एवं नियमों में आवश्यक सुधार किए जा रहे हैं, जिससे राज्य के आर्थिक विकास को गति मिले एवं रोजगार के नए अवसर सृजित हों।

- 26 नवंबर को पोर्टल खुलने के बाद से अब तक 61 आवेदन होटल, मिक्स्ड यूज, रेजीडेंशियल, आईटी, इंस्टीट्यूशनल और हैल्थ केयर गतिविधियों के परिवर्तन के प्राप्त हुए

रीको प्रशासन ने औद्योगिक क्षेत्रों में आवंटित भूखण्डों की उपयोगिता को और अधिक व्यावहारिक, पारदर्शी एवं समयानुकूल बनाने हेतु रीको भू-निपटान नियम, 1979 के नियम 20 (सी) में आवश्यक बदलाव किये हैं। अब रीको औद्योगिक क्षेत्रों में पट्टाधारी एक अनुमत उपयोग से दूसरे अनुमत उपयोग में निर्धारित शुल्क पर परिवर्तन की स्वीकृति प्राप्त कर सकेंगे। इस निर्णय से उद्यिमयों को अपनी आवश्यकतानुसार नई गतिविधियां प्रारम्भ करने में आसानी होगी तथा भूखण्डों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा।

इस कदम से जहां एक ओर मैन्युफैक्चरिंग, कॉमर्शियल, सर्विस, आईटी, हेल्थकेयर, होटल, मिक्स्ड यूज, रेजीडेंशियल जैसे क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों का विस्तार होगा वहीं दूसरी तरफ औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को आवश्यक सपोर्ट सर्विसेज भी आसानी से उसी क्षेत्र में मिलेंगी।

रीको ने इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल 26 नवंबर से खोल दिया है। नियम 20(सी) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का निस्तारण "फर्स्ट कम फर्स्ट आउट" के सिद्धांत पर किया जाएगा। पॉर्टल खुलने के बाद अब तक विभिन्न जिलों से 61 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें होटल, मिक्स्ड यूज, रेजीडेंशियल, आईटी, इंस्टीट्ययूशनल, हेल्थ केयर आदि गतिविधियों हेतु परिवर्तन के आवेदन शामिल हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि 2019 से इस प्रकार की आवश्यक अनुमति दिया जाना अकारण बंद किए जाने के कारण इस क्षेत्र में व्यवस्था परिवर्तन के लिए लगातार मांग आ रही थी।

रीको की इस पहल से उद्योगों एवं व्यवसाय की स्थापना एवं संचालन सुगम होगा, जिससे न केवल आवंटियों को लाभ होगा बल्कि राज्य सरकार के राजस्व में बढ़ोतरी होगी और प्रदेश में विकास को नई दिशा तथा युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी मिल सकेंगे।

'अभियोजन वापसी की अर्जी सार्वजनिक हित में नहीं थी, आरोपियों पर केस चलना जरूरी'

प्रदेश के चर्चित एकल पट्टा प्रकरण में राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में जवाब पेश किया

जयपुर (कासं)। प्रदेश के चर्चित एकल पट्टा प्रकरण में राज्य सरकार की ओर से हाईकोर्ट को कहा गया कि ट्रायल कोर्ट में 19 जनवरी 2021 को आरोपियों के खिलाफ अभियोजन वापसी की अर्जी सार्वजनिक हित में नहीं थी और केस के तथ्यों का मूल्यांकन किए बिना ही दायर की थी। ऐसे में अब राज्य सरकार इस अर्जी को वापस लेना चाहती है। इस पर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को कहा कि वह इस संबंध में अपना प्रार्थना पत्र रजिस्ट्री विंग में दायर करें और उसकी कॉपी आरोपी पक्ष को दी जाए। वहीं अदालत ने मामले की आगामी सुनवाई 7 जनवरी 2026 को रखी है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा ने यह आदेश वीसी के जरिए जोधपुर से मामले में सुनवाई करते हुए दिए।

- अदालत ने मामले की आगामी सुनवाई 7 जनवरी 2026 को तय की है

मामले में पूर्व आईएएस जीएस संधू सहित अन्य की रिवीजन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान एएसजी एसवी राजू व एएजी शिवमंगल शर्मा ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ पूर्व में दी गई अभियोजन वापसी बिना तथ्यों पर ही दी थी। यह लोकहित में नहीं थी। ऐसे में आरोपियों के खिलाफ राज्य सरकार केस चलाना चाहती है।

इन रिवीजन याचिकाओं में संधू व अन्य ने ट्रायल कोर्ट के 26 नवंबर 2021 के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें कोर्ट ने राज्य सरकार का अभियोजन वापसी की अर्जी खारिज कर दी थी।

भारत के साथ पांच टीमें टी-20 वर्ल्डकप दावेदार। होम-अवे एडवांटेज विवाद खत्म करने के लिए टॉस बंद कर देना चाहिए।
- टॉम मूडी

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, आईएलटी20 के चौथे सीजन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

फखर जमान

पाकिस्तान के बैटर फखर जमान पर मैच फीस का 10 परसेंट जुर्माना लगाया गया है। उन्हें 29 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ ट्राई-सीरीज फाइनल के दौरान आईसीसी कोड ऑफ़ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने का दोषी पाया गया। जमान को आईसीसी कोड ऑफ़ कंडक्ट के आर्टिकल 2.8 को तोड़ने का दोषी पाया गया, जो प्लेयर्स और प्लेयर सपोर्ट स्टाफ के लिए है, जो "इंटरनेशनल मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने" से जुड़ा है। जमान के डिसिप्लिनरी रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट जोड़ा गया है, यह उनके लिए 24 महीने के समय में पहली गलती थी।

क्या आप जानते हैं ?... लॉर्ड्स जैसे ऐतिहासिक मैदानों पर भी भारत ने जीत दर्ज की है, जैसे 1986 (कपिल देव की कप्तानी में) और 2021 (विराट कोहली की कप्तानी में)।

आईपीएल 2026 नीलामी में कुल 1355 क्रिकेट खिलाड़ी जिसमें 1,062 भारतीय और 293 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे

अबू धाबी, 5 दिसंबर। 6 दिसंबर को अबू धाबी में होने वाली आईपीएल 2026 नीलामी में 10 फ्रेंचाइजी 77 स्लॉट भरने के लिए एक-दूसरे को पछाड़ती नज़र आएंगी, जिसमें 31 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। कुल 1355 क्रिकेट खिलाड़ियों – जिसमें 1,062 भारतीय और 293 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं – ने पहले ही आने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन करा लिया है। नीलामी में शामिल होने वाले खिलाड़ियों की फाइनल शॉर्टलिस्ट 5 दिसंबर के बाद सभी टीमों की दिलचस्पी जानने के बाद तय की जाएगी। हालांकि, कुछ बड़े नाम आने वाली आईपीएल नीलामी से गायब रहेंगे क्योंकि कई हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों, जिन्हें उनकी संबंधित टीमों ने रिलीज कर दिया था, ने आईपीएल 2026 नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कराने का फैसला किया है। कुछ और जाने-पहचाने चेहरे भी लीग या क्रिकेट से पूरी तरह रिटायरमेंट के कारण भविष्य के आईपीएल सीज़न में वापस नहीं आएंगे। यहां उन टॉप क्रिकेटरों की पूरी लिस्ट दी गई है जो आईपीएल 2026 नीलामी का हिस्सा नहीं होंगे।

क्या निर्णायक मुकाबले में टीम संयोजन में बदलाव करेगा भारत?

विशाखापत्तनम, 5 दिसंबर। भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों के ही पास वनडे सीरीज अपने नाम करने का मौक़ा है। सीरीज़ 1-1 से बराबरी पर है और निर्णायक मुक़ाबला विशाखापट्टनम में शनिवार को खेला जाना है। पहले दो मैचों में ख़ूब रन बने हैं और अंतिम मैच भी कुछ ऐसा ही होने की उम्मीद है। भारत को ओस ने दोनों मैचों में परेशान किया है और इस बार में वे कोशिश करेंगे कि किसी तरह टॉस जीत जाएं। हालांकि, विशाखापत्तनम में कितनी ओस आती है ये भी देखने वाली बात रहेगी। इस मैच में दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग इलेवन और पिच रिपोर्ट पर एक नजर डालते हैं।

टीम न्यूज़: बर्गर और डीज़ॉर्ज़ी पर निगाहें- भारत के पास अपनी प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव करने की वजह नजर नहीं आती। प्रसिद्ध कृष्णा 8.48 की इकॉनमी से रन दे रहे हैं, लेकिन भारत के पास स्क्वॉड में उनका कोई विकल्प नहीं है और वे किसी विशेषज्ञ गेंदबाज की जगह ऑलराउंडर को शामिल नहीं करेंगे।

भारत (संभावित): 1 यशस्वी जायसवाल, 2 रोहित शर्मा, 3 विराट कोहली, 4 ऋतुराज गायकवाड़, 5 केएल राहुल (कप्तान व विकेटकीपर), 6 वॉशिंगटन सुंदर, 7 रवींद्र जडेजा, 8 हर्षित राणा, 9 कुलदीप यादव, 10 अर्शदीप सिंह, 11 प्रसिद्ध कृष्णा, दूसरे वनडे में दक्षिण अफ्रीका के दो खिलाड़ी हैमस्ट्रिंग चोट की वजह से मैदान से बाहर चले गए थे। दोनों में से कोई भी आगे मैच में नहीं खेल पाया। हैमस्ट्रिंग इतनी जल्दी ठीक नहीं होती, इसलिए उम्मीद है कि बर्गर और टोनी डीज़ॉर्ज़ी की जगह ऑटनील बार्टमैन और रायन रिकल्टन खेलेंगे।

दक्षिण अफ्रीका (संभावित): 1 एडन मारक्रम, 2 क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), 3 टेम्बा बावुमा (कप्तान), 4 मैथ्यू ब्रीत्ज़के, 5 रायन रिकल्टन, 6 डेवॉल्ड ब्रेविस, 7 मार्को यानसन, 8 कॉर्बिन बॉश, 9 केशव महाराज, 10 लुंगी एन्गिडी, 11 ऑटनील बार्टमैन

पिच और परिस्थितियां

विशाखापत्तनम में भारत की पिछली दो वनडे पारियां इस मैदान की परिस्थितियों के दो अलग रूप दिखाती हैं। दिसंबर 2019 में भारत ने वेस्टइंडीज के ख़िलाफ़ 387 रन बनाए थे, वहीं मार्च 2023 में ऑस्ट्रेलिया के सामने 117 पर ढेर हो गया था। पिच तैयार करने में मौसम की कोई दिक्कत नहीं रही है, इसलिए उम्मीद है कि यहां ज़्यादा रन बनेंगे। तापमान रांची और रायपुर की तुलना में थोड़ा अधिक रहेगा, लेकिन क्रिकेट के लिए अब भी आरामदायक होगा।

2026 विंटर गेम्स के लिए ओलंपिक फ्लेम इटली पहुंची

रोम, 5 दिसंबर। 2026 विंटर गेम्स के लिए ओलंपिक फ्लेम गुरुवार दोपहर को इटली के रोम पहुंची, जिसके साथ ही टॉर्च रिले इवेंट्स की एक सीरीज शुरू हो गई। एक लालटेन में सुरक्षित, फ्लेम शाम करीब 5 बजे रोम के फिमिसिनो एयरपोर्ट पर उतरी, और इसे इटैलियन ओलंपिक टेनिस चैंपियन जैस्मीन पाओलिनी और मिलान-कॉर्टिना 2026 ऑर्गनाइजिंग कमिटी के प्रेसिडेंट जियोवानी मालागो ने हवाई जहाज से उतारा।

शाम करीब 7 बजे, इटली के प्रेसिडेंट सर्जियो मटेरेला ने क्विरिनाले पैलेस में फ्लेम रिसीव की, जिससे 6 दिसंबर को फ्लेम जर्नी की ऑफिशियल शुरुआत की सेरेमनी की शुरुआत हुई। मैलागो ने कहा कि इटली में ओलंपिक फ्लेम का आना और प्रेसिडेंट मटेरेला को इसे सौंपना, मिलान-कॉर्टिना 2026 की राह पर बहुत इमोशनल पल हैं। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले दिनों में, फ्लेम "उत्साह, तालमेल और कलेक्टिव पार्टिसिपेशन का सिंबल बन जाएगा, जो हमें स्पोर्ट्स की एकजुट करने, इंस्पायर करने और फ्यूचर बनाने की यूनिक पावर की याद दिलाएगा।" फ्लेम शुक्रवार सुबह ऑफिशियल लाइटिंग सेरेमनी तक पैलेस में रहेगी, जब इटली के प्राइम मिनिस्टर जियोर्जिया मेलोनी और इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी की प्रेसिडेंट क्रिस्टी कोवेंट्री की मौजूदगी में अग्निकुंड जलाई जाएगी। टॉर्च रिले की शुरुआत शनिवार सुबह रोम के स्टेडियो देई मार्मी में होने वाली है। इसके बाद, रिले 60 दिनों में इटली में 12,000 किलोमीटर का सफर तय करेगी।

वेदरॉल्ड, लाबुशेन और स्मिथ के अर्द्धशतकों से ऑस्ट्रेलिया को मिली 44 रनों की बढ़त

ब्रिसबेन, 5 दिसंबर। जेक वेदरॉल्ड (72),मार्नस लाबुशेन (65) और कप्तान स्टीव स्मिथ (61) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज के डे-नाईट दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड के खिलाफ स्टंप्स के समय छह विकेट गंवाकर 378 रन बनाकर 44 रनों की बढ़त के साथ मैच पर अपनी पकड़ बना ली है।

आज यहां इंग्लैंड ने कल के नौ विकेट पर 325 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में ब्रेंडन डॉगेट ने जोफ्रा आर्चर को आउटकर इंग्लैंड की पहली पारी का 76.2 ओवर में 334 के स्कोर पर अंत कर दिया। जो रूट 206 गेंदों में 15 चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 138) रनों की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने छह विकेट लिये। माइकल नीसर, ब्रेंडन डॉगेट और स्कॉट बोलैंड ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रैविस हेड और जेक वेदरॉल्ड की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 77 रन जोड़े। 14वें ओवर में ब्राइडन कार्स ने ट्रैविस हेड (33) को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका दिया। तीसरे नंबर के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने वेदरॉल्ड के साथ अभी 69 रन जोड़े थे कि 26वें ओवर में जोफ्रा आर्चर ने जेक वेदरॉल्ड को पगबाधा आउटकर पवेलियन भेज दिया।

जेक वेदरॉल्ड ने 78 गेंदों में 12 चौके और एक छक्का लगाते हुए 72 रन बनाये। वहीं मार्सन लाबुशेन ने नौ चौके और एक छक्के की सहायता से 65 रनों की पारी खेली। वहीं कप्तान स्टीव स्मिथ ने 85 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए 61 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। कैमरन ग्रीन (45), जॉश इंग्लिस 23 रन बनाकर आउट हुये।

दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में छह विकेट पर 378 रन बनाकर 44 रनों की बढ़त हासिल कर ली है। एलेक्स कैरी (नाबाद 45) और माइकल नीसर (नाबाद 15) क्रीज पर मौजूद थे। इंग्लैंड की ओर से ब्राइडन कार्स ने तीन विकेट लिये। बेन स्टोक्स को दो विकेट मिले। जोफ्रा आर्चर ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

अनाहत सिंह ने जोशना चिनप्पा को हराकर एचसीएल स्क्वैश इंडियन टूर 4 का खिताब जीता

चेन्नई, 5 दिसंबर। भारत की उभरती हुई स्टार अनाहत सिंह ने अनुभवी जोशना चिनप्पा पर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए शुक्रवार को एचसीएल स्क्वैश इंडियन टूर 4, चेन्नई 2025 टूर्नामेंट में महिलाओं का खिताब जीता। पुरुषों के ड्रॉ में, भारत के वेलवन सेंथिलकुमार ने मिस्त्र के एडम हवाल को हराकर स्क्वैश खिताब जीता। 17 साल की अनाहत, जो टॉप सीड और दुनिया में 29वें नंबर पर भारत की सबसे ऊंची रैंक वाली महिला खिलाड़ी हैं, ने बिना सीड वाली लेकिन बेहद अनुभवी 39 साल की चिनप्पा के खिलाफ 52 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-8, 11-13, 11-13, 11-6, 11-8) से जीत हासिल की। यह अनाहत की जोशना के खिलाफ उतने ही मैचों में तीसरी जीत थी। दोनों भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी पिछले महीने एसआरएफआई इंडियन ओपन के फाइनल में भी भिड़े थे, जहां अनाहत ने कड़े मुकाबले में 3-2 से जीत हासिल की थी।

शाई होप के शतक और जस्टिन ग्रीव्स के अर्द्धशतक ने वेस्टइंडीज को संभाला

क्राइस्टचर्च (न्यूजीलैंड), 5 दिसंबर। शाई होप (नाबाद 116) की शतकीय और जस्टिन ग्रीव्स (नाबाद 53) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड द्वारा दिये गये 531 रनों के लक्ष्य के जवाब में पहले टेस्ट के चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय दूसरी पारी में चार पर विकेट 212 रन बना लिये है। आज यहां न्यूजीलैंड के कल के चार विकेट पर 417 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में न्यूजीलैंड का पहला विकेट विल यंग (23) के रूप में गिरा। उन्हें जेडेन सील्स ने आउट किया। इसके बाद माइकल ब्रेसवेल (24) , मैट हैनरी (11) और जेकब डफी (आठ) रन बनाकर आउट हुये। 109वें ओवर में जेकब डफी के

आउट होने के साथ ही न्यूजीलैंड ने आठ विकेट पर 466 के स्कोर पर अपनी दूसरी पारी घोषित कर दी। वेस्टइंडीज को मैच जीतने के लिए 531 रनों का लक्ष्य मिला। वेस्टइंडीज के लिए केमार रोच ने 78 रन देकर पांच विकेट लिये। ओजय शील्ड्स को दो विकेट मिले। जेडेन सील्स ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और उसने एक-एक करके अपने चार विकेट 72 के स्कोर तक गंवा दिये। वेस्टइंडीज का पहला विकेट जॉन कैंपबेल (15) के रूप में गिरा। उन्हें जेकब डफी ने आउट किया। तेजनारायण चंद्रपॉल (छह) को भी डफी ने अपना शिकार बनाया।

जर्मनी को हराकर चीन रैंकिंग में टॉप पर

चेंगदू, 5 दिसंबर। चीन ने शुक्रवार को इंटरनेशनल टेबल टेनिस फेडरेशन मिक्स्ड टीम वर्ल्ड कप के राउंड-रॉबिन दूसरे स्टेज में जर्मनी पर 8-4 से जीत हासिल कर रैंकिंग में टॉप पर अपनी जगह बनाए रखी। शुरुआती मिक्स्ड डबल्स में, चीन के कुआई मैन और लिन शिडोंग ने जर्मन जोड़ी बेनेडिक्ट डूड़ा और सबाइन विंटर को 11-6, 13-11, 9-11 से हराया। वर्ल्ड नंबर 1 सुन यिंगशा ने महिला सिंगल्स में नीना मिटेलहम को 11-7, 11-3, 11-7 से हराकर चीन की बढ़त को 5-1 कर दिया।

स्व. भंवरलाल के जन्मशताब्दी पर चौगान स्टेडियम में हुई श्रद्धांजलि सभा

जयपुर, 5 दिसंबर भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष स्व.भंवर लाल शर्मा के जन्मशताब्दी वर्ष पर भँवरजी स्मृति संस्थान ने अनूठी पहल की है। संस्थान ने जयपुर शहर में घर-घर आँखों की जांच अभियान के साथ ही निःशुल्क चश्मा वितरण करने और जिनको मोतियाबिंद होगा उनका बाद में विभिन्न अस्पतालों में निःशुल्क ऑपरेशन की घोषणा की है। स्वर्गीय भंवरलाल शर्मा की जन्म शताब्दी वर्ष पर शुक्रवार को चौगान स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में संस्थान के पदाधिकारियों ने पूरे साल घर घर आंखों की जांच कराने तथा मोतियाबिंद का निःशुल्क ऑपरेशन का अभियान का संकल्प लिया।

इस कार्यक्रम के बाद चौगान स्टेडियम में स्कूली बच्चों की विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं भी कराई गई। इस दौरान कई अन्य भाजपा नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भंवर जी भाई साहब की सादगी, ईमानदारी और उनके जीवन के कई संस्मरण सुनाए। कार्यक्रम में मौजूद भाजपा नेता पदाधिकारी कार्यकर्ता और आम जन ने भंवर जी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

पिताजी के सिद्धांतों पर करूँगी जनसेवा- मंजू शर्मा

सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि पिताजी का आदर्श जीवन, विराट व्यक्तित्व और महान जीवन-मूल्य ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। मैं उनके बताए सिद्धांतों पर चलकर जनसेवा के पथ पर चल रही हूं औऱ सदैव चलूंगी। इस दौरान हवामहल विधायक बालमुकुंदाचर्य ज, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, पूर्व विधायक मोहनलाल गुप्ता, विधायक प्रत्याशी चंद्रमनोहर बटवाड़ा, पूर्व मेयर भाजपा नेता मनोज शर्मा, सुनील कोठारी, संजय जैन, नवरत्न नरानिया, अशोक सैनी सहित कई नेता, पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और शहरवासी मौजूद रहे।

वीर अहलावत ने 62 के शानदार कार्ड के साथ जीता जयपुर ओपन

जयपुर, 5 दिसंबर। गुरुग्राम के वीर अहलावत, जो रात भर चौथे स्थान पर थे और लीड से पांच शॉट पीछे थे, ने चौथे राउंड में आठ-अंडर 62 के अपने टूर्नामेंट के सबसे कम स्कोर की बराबरी की और जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब में खेले गए 1 करोड़ रुपये के इवेंट, शुभशीष होम्स द्वारा प्रस्तुत विक्टोरियस चॉइस जयपुर ओपन 2025 में पीछे से आकर शानदार जीत हासिल की।

वीर अहलावत (67-62-70-62), जिन्होंने दूसरे राउंड में भी 62 का स्कोर बनाया था, ने इस हफ्ते कुल 19-अंडर 261 का स्कोर किया और अपना पांचवां खिताब और 15 लाख रुपये का विजेता पुरस्कार जीता, जिससे वह पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 38वें से 18वें स्थान पर पहुंच गए।

शुक्रवार को वीर के असाधारण बोगी-फ्री राउंड ने उन्हें रामबाग गोल्फ क्लब में सबसे कम जीतने वाले कुल स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ने में भी मदद की। यह रिकॉर्ड पहले संजय कुमार के नाम था, जिन्होंने 2011 में एक पीजीटीआई इवेंट में 16-अंडर 264 का स्कोर किया था।

युवराज संधू (65-63-66-68), जो तीसरे राउंड के बाद तीन शॉट की लीड पर थे, ने फाइनल दिन पांच बर्डी और तीन बोगी के साथ 68 का स्कोर किया और 18-अंडर 262 के साथ दूसरे स्थान पर रहे। युवराज ने 10 लाख रुपये का चेक जीता और पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में अपनी लीड को 33 लाख रुपये से ज़्यादा कर लिया, जिससे उनकी इस सीज़न की कमाई 1,31,67,100 रुपये हो गई। शौर्य भट्टाचार्य ने 64 का स्कोर किया और 15-अंडर 265 के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

2024 पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन वीर अहलावत, कुछ हफ़्ते पहले हाई-कॉम्पिटिटिव डीपी वर्ल्ड टूर पर एक सीजन खेलने के बाद पीजीटीआई में खेलने लौटे हैं। वीर, जिन्होंने पिछले साल पीजीटीआई रैंकिंग में टॉप करके डीपी वर्ल्ड टूर में अपनी जगह बनाई थी, पीजीटीआई में वापसी करते ही पुणे और डिगबोई में तीसरे स्थान पर रहकर तुरंत प्रभाव डाला, जो टूर के पिछले दो इवेंट थे।

केंद्रीय खेल राज्यमंत्री रक्षा निखिल खडसे ने किया सवाई मानसिंह स्टेडियम का दौरा

खिलाड़ियों से हुई रूबरू, खेल सुविधाओं को सराहा

जयपुर, 5 दिसम्बर। युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री, भारत सरकार रक्षा निखिल खड़से ने शुक्रवार को पूर्णिमा यूनिवर्सिटी में खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 के समापन समारोह के बाद सवाई मान सिंह स्टेडियम का दौरा किया। रक्षा निखिल खड़से ने सवाई मान सिंह स्टेडियम में एथलेटिक्स ट्रैक, स्विमिंग पूल, इंडोर स्टेडियम, बैडमिंटन हॉल का दौरा किया तथा यहाँ उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की। इस दौरान उन्होंने एथलेटिक ट्रैक और बैडमिंटन हॉल में मौजूद खिलाड़ियों से भी बात की। उन्होंने स्टेडियम स्थित मंदिर में भी पूजा अर्चना की। रूउन्होंने खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के भव्य आयोजन की भी खूब सराहना की। राजस्थान में सात जगहों पर इसका आयोजन हुआ। लगभग पाँच हज़ार एथलीट ने इसमें भाग लिया। इस दौरान उनके साथ शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग तथा अध्यक्ष राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद डा. नीरज के. पवन, डिप्टी डायरेक्टर जनरल साईं मयंक श्रीवास्तव, संयुक्त शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग तथा सचिव राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद नीतू बारूपाल भी मौजूद थी।

भदोरिया क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 5 दिसम्बर। जयपुर कप सीजन- 1 में शास्त्री क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 212 रन 9 विकेट के नुकसान पर बनाएं। वरुण ने 72 और रोहन सिंह ने 32 रनों का योगदान दिया। भदोरिया क्रिकेट अकादमी की ओर से आदित्य चौधरी और लोकेंद्र चौधरी ने 2-2 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भदोरिया क्रिकेट अकादमी 36.2 ओवर में 214 रन 7 विकेट के नुकसान पर बना कर जीत हासिल कर ली। अब्दुल ने 48 और आदित्य चौधरी ने 44 रनों का योगदान दिया। शास्त्री क्रिकेट अकादमी की ओर से हर्ष सैनी ने चार विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच आदित्य चौधरी को चुना गया।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने ओवरऑल चैम्पियनशिप बरकरार रखी, श्रीहरी नटराज बने सबसे सफल एथलीट

जयपुर, 5 दिसंबर। कैनो और कयाकिंग में शानदार प्रदर्शन के साथ एथलेटिक्स और स्विमिंग में दमदार कोशिशों के दम पर चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में शुक्रवार को 12-दिवसीय मेगा स्पोर्ट्स इवेंट के समापन पर अपनी ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब सफलतापूर्वक बचा लिया।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने अपने अभियान का अंत 67 पदकों के साथ किया, जिसमें 42 स्वर्ण, 14 रजत और 11 कांस्य शामिल हैं। कैनो और कायकिंग- जो पहली बार केआईयूजी में शामिल हुआ - में उन्होंने 30 में से 23 स्वर्ण पदक जीतकर अपना दबदबा दिखाया। इसके अलावा उन्होंने स्विमिंग में छह, एथलेटिक्स में पांच, रेसलिंग में दो तथा वेटलिफ्टिंग, शूटिंग, साइक्लिंग, आर्चरी, टेबल टेनिस और कबड्डी में एक-एक स्वर्ण जीता।

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) ने कुल 78 पदक जीतकर रनर-अप स्थान हासिल किया - चैंपियंस से 11 अधिक - लेकिन कम स्वर्ण पदकों के कारण उन्हें दूसरा स्थान मिला। एलपीयू ने 32 स्वर्ण, 25 रजत और 22 कांस्य जीते। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी ने भी 32 स्वर्ण जीते, लेकिन 22 रजत और 18 कांस्य के कारण उन्हें तीसरा स्थान मिला।

केआईयूजी 2025 के पाँचवें संस्करण में राजस्थान के सात शहरों में कुल 222 यूनिवर्सिटी के 4448 एथलीटों ने 23 स्पर्धाओं में भाग लिया। यह खेल आयोजन स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) और राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था,

जिसकी मेजबानी पूर्णिया यूनिवर्सिटी ने की। गेम्स के दौरान एथलीटों ने एथलेटिक्स में 12 नए मीट रिकॉर्ड, जिनमें दो ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी रिकॉर्ड शामिल हैं, बनाए - जो पूरे 12 दिनों के दौरान उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा को दर्शाते हैं। ओलंपियन और देश के शीर्ष तैराक श्रीहरी नटराज केआईयूजी 2025 के सबसे सफल एथलीट रहे। उन्होंने नौ स्वर्ण और दो रजत जीतकर जैन यूनिवर्सिटी को 27 स्वर्ण, नौ रजत और नौ कांस्य दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एथलेटिक्स में दो स्वर्ण और बास्केटबॉल में एक स्वर्ण ने उनके पदक टैली को और बढ़ाया, जिससे 2021 के चैंपियन जैन यूनिवर्सिटी तालिका में चौथे स्थान पर रही।

अंतिम दिन 28 स्वर्ण पदक दांव पर थे, जिनमें से 24 अकेले बॉक्सिंग में थे। इस वजह से दूसरे स्थान की लड़ाई एलपीयू और गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी के बीच थी। एलपीयू ने आखिरी दिन बॉक्सिंग में दो और कबड्डी में एक स्वर्ण जीतकर यह मुकाबला अपने नाम किया। गुरु काशी यूनिवर्सिटी ने भरतपुर के लोहेगढ़ इंडोर स्टेडियम में शुक्रवार को आयोजित बॉक्सिंग प्रतियोगिता में चार स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया और कुल 15 स्वर्ण, 15 रजत और 18 कांस्य पदकों के साथ ओवरऑल स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर पहुंच गई।

राजस्थान की विवि. ने केआईयूजी 2025 में दमदार प्रदर्शन करते हुए जीते कई पदक

जयपुर, 5 दिसंबर: राजस्थान की विश्वविद्यालयों ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 10 स्वर्ण, 11 रजत और 8 कांस्य पदक अपने नाम किए। 12 दिनों तक चले इस विशाल आयोजन में, जिसकी मेजबानी पूर्णिमा विश्वविद्यालय ने गरिमापूर्ण ढंग से की, राज्य की विश्वविद्यालयों ने अपने खेल कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। यह आयोजन राजस्थान में अब तक का सबसे बड़ा खेल महोत्सव रहा।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर इन खेलों में राज्य का सबसे सफल शिक्षण संस्थान रहा, जिसने 2 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य पदक जीते। साइक्लिस्ट मानव सरडा ने पहले ही दिन इंडिविजुअल टाइम ट्रायल जीतकर विश्वविद्यालय को पहला स्वर्ण दिलाया, जबकि वेटलिफ्टर केसव बिस्सा ने अपने घरेलू मैदान पर पुरुष 110 किग्रा वज़न वर्ग में दूसरा स्वर्ण जीता।

साइक्लिस्ट पूजा बिश्नोई इन खेलों में पदक जीतने वाली राज्य की पहली खिलाड़ी बनीं। उन्होंने महिलाओं की साइक्लिंग टाइम ट्रायल में रजत पदक हासिल किया। मुक्केबाज़ सुनीता ने महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर विश्वविद्यालय के अभियान का समापन किया, जबकि जुडोका मुकेश टार्ड ने पुरुषों के 81 किग्रा वर्ग में कांस्य जीता।

डॉ. केएन मोदी विश्वविद्यालय ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीते। इनके सभी पदक कुश्ती स्पर्धाओं से आए-सागर ने पुरुषों की 97 किग्रा ग्रीको-रोमन श्रेणी में लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीता, जबकि खुशी ने महिलाओं के 68 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में स्वर्ण जीता। मोनिका (50 किग्रा फ्रीस्टाइल) ने रजत जीतकर विश्वविद्यालय के पदक खाते को पूर्ण किया।

राजस्थान की अन्य विश्वविद्यालयों ने भी स्वर्ण पदक अपने नाम किए

मणिपाल विश्वविद्यालय - महिला फेंसिंग इंडिविजुअल फॉइल में वैखोम सोनिया देवी, कोटा विश्वविद्यालय - जूडो पुरुष 73 किग्रा में नीरज नैन, पैसिफिक एकेडमी - कुश्ती पुरुष फ्रीस्टाइल 61 किग्रा में अनुज कुमार बिश्नोई, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय - कैनोइंग पुरुष 1 1000 मीटर में वंश शर्मा, विश्वविद्यालय, झुंझुनूं - मुक्केबाज़ी पुरुष 92 किग्रा में मनीष, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय - मुक्केबाज़ी महिला 75 किग्रा में श्वेता।

राजस्थान ने न केवल अपने खिलाड़ियों के मजबूत प्रदर्शन के साथ उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का परिचय दिया, बल्कि अतिथि-सत्कार में भी एक नया मानक स्थापित किया। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के मार्गदर्शन में 222 विश्वविद्यालयों के 4448 खिलाड़ियों को 23 खेलों में अत्यंत सुव्यवस्थित तरीके से मेजबानी प्रदान की गई। इन शानदार परिणामों के साथ, राजस्थान ने विश्वविद्यालय खेलों में एक उभरती हुई ताकत के रूप में अपनी मजबूत पहचान स्थापित कर दी है ।

सौ वर्ष पूरे होने पर गंग नहर को 1,717 करोड़ रूपए की सौगात- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने गन्ने के समर्थन मूल्य में 15 रूपए प्रति क्विंटल बढ़ाने की घोषणा की

श्रीगंगानगर/जयपुर, 5 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को श्रीगंगानगर के साधुवाली में गंग नहर शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 100 वर्ष पूर्व 5 दिसंबर 1925 को महाराजा गंगा सिंह ने रेगिस्तान को हरा-भरा बनाने के संकल्प के साथ गंग नहर का शिलान्यास किया था। उसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए हमारी सरकार ने गंग नहर के पुनरुद्धार हेतु 1 हजार 717 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी है। उन्होंने कहा कि यह अवसर मरुस्थल को अन्न भंडार में बदलने की दूरदर्शी सोच का पर्व है।

उन्होंने कहा कि 647 करोड़ रुपये से फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण से पानी की नियमित आपूर्ति में स्थिरता आएगी और पूरे नहर तंत्र की जीवन क्षमता बढ़ेगी। साथ ही, 300 करोड़ रुपये से बीकानेर कैनाल के पुनरुद्धार से सीधे तौर पर लाखों किसानों को लाभ मिलेगा। सीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इतने सालों तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस ने कभी फिरोजपुर आकर देखा क्या। कांग्रेस केवल झूठे वादे करती रही और कुछ नहीं किया। तीन बार सीएम रहे अशोक गहलोत ने कभी श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ की नहरों के बारे में सोचा क्या?

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को श्रीगंगानगर के साधुवाली में गंग नहर शताब्दी समारोह में भाग लिया। इस अवसर कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने गंग नहर शताब्दी समारोह में कहा कि महाराजा गंगा सिंह की दूरदर्शी सोच ने मरुस्थल को अन्न भंडार में बदला।**
- **मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन बार सीएम रहे अशोक गहलोत ने कभी श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ की नहरों के बारे में नहीं सोचा।**

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गन्ने के वर्तमान समर्थन मूल्य को 15 रूपये बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गेती किस्म के गन्ने के लिये समर्थन मूल्य 401 रु. प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 416 रू. प्रति क्विंटल, मध्यम किस्म के लिये 391 रू. प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 406 रू. प्रति क्विंटल, पछेती किस्म के लिये 386 रु. प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 401 रु. प्रति क्विंटल किया गया है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने सभा स्थल पर जल संसाधन विभाग की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी में विभिन्न प्रोजेक्ट मॉडल्स का अवलोकन किया। और सभा स्थल के नजदीक गंगनहर का विधिवत् पूजन किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गंग नहर का गौरवशाली निर्माण करने वाले महाराजा स्व. श्री गंगा सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही, उन्होंने सादुलशहर में दो वर्षों में हुए विकास कार्यों पर आधारित पुस्तिका का भी विमोचन किया।

प्रोटोकॉल से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण साबित हुई पुतिन की भारत यात्रा

पुतिन की यात्रा का स्पष्ट मैसेज है, अंतर्राष्ट्रीय उथल-पुथल के बाद भी भारत और रूस के संबंध टिकाऊ, अनुकूलन में सक्षम और अटूट हैं

- **रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, भारत-रूस संबंध, जिन्हें अनौपचारिक रूप से ''2जी पार्टनरशिप'' कहते हैं, को अमेरिका व चीन के ''नई 2जी धुरी'' को संतुलित करने में सक्षम हैं।**
- **रूस से तेल नहीं खरीदने के अमेरिका के भारी दबाव के बावजूद भारत ने रूस के साथ नए समझौते करके यह जता दिया है कि वह किसी के दबाव में नहीं आएगा और अपने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में विविधता रखेगा।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा, जो शुक्रवार शाम को समाप्त हुई, ने एक नए ''द्विपक्षीय सहयोग'' की शुरुआत की है, जिसे दोनों पक्षों के अधिकारियों ने ''नए युग'' के रूप में वर्णित किया है - जो पारंपरिक रक्षा संबंधों से कहीं आगे, व्यापक आर्थिक और भू-राजनीतिक क्षेत्रों तक फैला हुआ है।

राजनयिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि इस यात्रा का महत्व ''प्रोटोकॉल से कहीं बड़ा'' है, और यह वैश्विक समीकरणों के बदलते परिप्रेक्ष्य में भारत-रूस संबंधों में एक निर्णायक पल का प्रतीक है।

रणनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, नवीनीकरण की ओर बढ़ता भारत-रूस समझौता, जिसे अनौपचारिक रूप से ''2 जी साझेदारी'' कहा जा रहा है, को कुछ विश्लेषकों द्वारा ''नए 2 जी धुरी'' के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें अमेरिका और चीन शामिल हैं।

वॉशिंगटन और मॉस्को के बीच यूक्रेन को लेकर तीव्र विरोधाभासों के साथ, और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा हाल ही में नई दिल्ली पर रूस से तेल खरीद रोकने के लिए दबाव डाले जाने के बाद, भारत और रूस के बीच नवीनतम समझौते एक स्पष्ट संकेत हैं: भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने और वैश्विक साझेदारियों में विविधता लाने का इरादा रखता है।

यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब चीन ने एलएसी के साथ भारत पर कूटनीतिक और सैन्य दबाव बढ़ा दिया है। वार्ता से परिचित अधिकारियों का कहना है कि मॉस्को ने रक्षा सहयोग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और संयुक्त उत्पादन को गहरे स्तर पर बढ़ाने की स्पष्ट इच्छाशक्ति दिखाई है-यह वह क्षेत्र है जहां ऐतिहासिक रूप से रूसी समर्थन ने भारत के लिए एक स्थिर भूमिका निभाई है।

आर्थिक दृष्टि से भी, यह नवीनीकरण परिवर्तनकारी हो सकता है। रूस ऊर्जा, अंतरिक्ष और परमाणु सहयोग में लंबे समय से एक विश्वसनीय साझेदार रहा है, लेकिन इस यात्रा ने सहयोग के नए क्षेत्रों के लिए द्वार खोल दिया है। मॉस्को में सेवा दे चुके एक पूर्व भारतीय राजनयिक ने कहा कि उभरती हुई साझेदारी ''भारतीय श्रमिकों के लिए महत्वपूर्ण अवसर'' उत्पन्न कर सकती है, विशेष रूप से निर्माण और अवसंरचना क्षेत्रों में। रूस द्वारा यूक्रेन संघर्ष से प्रभावित प्रमुख शहरों और क्षेत्रों के पुनर्निर्माण की योजना के साथ, कुशल और अर्ध-कुशल श्रमबल की मांग में तीव्र वृद्धि होने की संभावना है।

स्रोतों का कहना है कि जैसे ही यूक्रेन संघर्ष में शामिल पक्षों द्वारा औपचारिक और स्थायी संघर्षविराम की घोषणा की जाएगी, कई ढपर ''अवसरों की खिड़कियाँ'' खुलेंगी - जिनमें निर्माण और इंजीनियरिंग से लेकर आईटी सेवाएं, औषधि, कृषि और ऊर्जा लॉजिस्टिक्स तक शामिल हैं।

नई दिल्ली के लिए, यात्रा का संदेश स्पष्ट है: वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद, भारत-रूस साझेदारी मजबूत, अनुकूलनीय और रणनीतिक रूप से अपरिहार्य बनी हुई है।

'आतंक के खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बनाए रखने के लिए एक प्रमुख साझेदार मानता है, जबकि मॉस्को चीन के साथ अपने रिश्तों को गहरा करने के साथ-साथ, पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच संतुलन साधने की कोशिश कर रहा है।

पश्चिमी पर्यवेक्षकों ने भी तुरंत प्रतिक्रिया दी। वाशिंगटन और यूरोपीय राजधानियों के लिए, यह बयान इसके शाब्दिक अर्थ के लिए नहीं, बल्कि इसके द्वारा दिखाए गए रूस के उस प्रयास के लिए महत्वपूर्ण था, जो रणनीतिक स्वायत्तता की ओर इशारा करने और एशियाई भू-राजनीति में प्रासंगिकता बनाए रखने के लिये किया जा रहा है। अमेरिका के विश्लेषकों ने यह बताया कि पुतिन के शब्द एक बड़ी कूटनीतिक योजना का हिस्सा थे, जिसका उद्देश्य यह प्रदर्शित करना था कि रूस बीजिंग के अलावा, अन्य साझेदारों के साथ भी अपने रिश्ते बनाए हुये है।

जैसे-जैसे प्रारंभिक हलचल शांत हो रही है, यह जरुर स्पष्ट हो रहा है कि पुतिन के विशेष अंदाज में कहे गये इस एक अकेले वाक्य ने क्षेत्रीय व्याख्या, चिंता और रणनीतिक विश्लेषण का एक नया अध्याय खोल दिया है। चाहे यह एक वास्तविक बदलाव का संकेत हो या मात्र एक भाषाई अलंकरण का पल, इसका प्रभाव पूरे उपमहाद्वीप में महसूस किया जा रहा है।

'अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं जो दबाव के आगे आसानी से झुक जायें।'' व्यापार के संदर्भ में पुतिन ने कहा कि अब 90 प्रतिशत से अधिक द्विपक्षीय लेन-देन राष्ट्रीय मुद्राओं में किए जाते हैं, हालांकि बिचोलियों के कारण जटिलताएँ उत्पन्न हो जाती हैं।

ट्रम्प के साथ अलास्का में हुए हालिया विचार-विमर्श का जिक्र करते हुए पुतिन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति का ''गंभीर (सिन्सियर) उद्देश्य'' ''वैश्विक संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान'' है और वे रूस के साथ रिश्तों को सुधारने में आर्थिक लाभ देखते हैं।

अनिल अंबानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गयीं संपत्तियों में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की सात सम्पत्ति ,रिलायंस पावर लिमिटेड की दो सम्पत्ति, रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड की नौ सम्पत्ति, रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, फी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, आधार प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड, गेम्स इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर फिक्स्ड डिपॉजिट और रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड और फी मैनेजमेंट सोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा असूचीबद्ध निवेश में किए गए निवेश भी शामिल हैं। इससे पहले, ईडी ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरसीओएम), रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े बैंक फ्रॉड मामलों में 8,997 करोड़ रुपये से ज़्यादा की सम्पत्तियों को जब्त किया था।

इंडिगो की एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शनिवार को भी करीब सैकड़ों उड़ानों के रद्द रहने की आशंका है।

इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एलबर्स ने एक वीडियो मैसेज में प्रभावित यात्रियों से माफी मांगते हुए बताया कि पिछले कुछ दिनों में एयरलाइंस ने परिचालन संबंधी गंभीर समस्या का सामना किया है और यह संकट लगातार बढ़ ता गया। इसमें 05 दिसंबर सबसे अधिक प्रभावित दिन रहा, जब 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।

एलबर्स ने बताया कि शनिवार को 1,000 से कम उड़ानें रद्द होने की उम्मीद है, और 10 से 15 दिसंबर के बीच स्थिति पूरी तरह सामान्य होने का अनुमान है।

केन्द्रीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने का प्रस्ताव भी दिया था, जिससे राष्ट्रपति को इस केन्द्र शासित क्षेत्र के लिए नियम बनाने का अधिकार मिलता, लेकिन सरकार को यह विचार भी छोड़ना पड़ा। इस महीने की शुरुआत में, केन्द्र को भाजपा-शासित हरियाणा को अलग विधानसभा परिसर बनाने के लिए भूमि आवंटित करने का अपना फैसला भी वापस लेना पड़ा था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908